- धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत, अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट
- 12

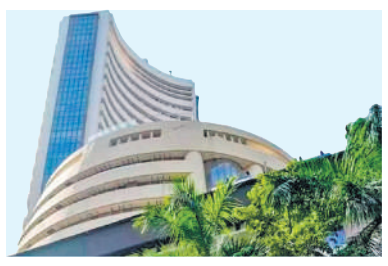

- सेंसेक्स में गिरावट 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर हुआ बंद
- 12

- भारत में जहाज निर्माण नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता
- 13

- सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत
- 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष षष्ठी 12:02 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 26 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 96, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

युगांतकारी... राम मंदिर के शिखर पर फहरा धर्मध्वज

अवधपुरी अति रुचिर बनाई... देवन्ह सुमन बृष्टि झरि लाई

वैदिक मंत्रोच्चार और जय श्री राम के नारों के बीच की ध्वज स्थापना

अनुष्ठान के साथ औपचारिक रूप से पूरा हुआ मंदिर का निर्माण

मोदी ने कहा- यह धर्मध्वज 'प्राण जाय पर वचन न जाई का प्रतीक'

अजय दयाल, अयोध्या

यह धर्मध्वज केवल ध्वज नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है। इसका भगवा रंग इस पर रचित सूर्यवंश की ख्याति, वर्णित ओम शब्द व अंकित कोविदार वृक्ष रामराज्य की कीर्ति को प्रतिरूपित करता है। यह ध्वज संकल्प, सफलता और संघर्ष से सृजन की गाथा है। यह ध्वज सदियों से चले आ रहे सपनों का साकार स्वरूप है। यह ध्वज संतों की साधना और समाज की सहभागिता की सार्थक परिणति है। सदियों और सहस्राब्दियों तक यह धर्म ध्वज प्रभु राम के आदर्शों व सिद्धातों का उद्घोष करेगा। - प्रधानमंत्री मोदी

अमृत विचार: अयोध्या में मंगलवार की सुबह एक और नया इतिहास रचा गया। विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों सनातन परंपरा और आस्था का प्रतीक धर्मध्वज का राम मंदिर के शिखर पर प्रतिष्ठापित हुआ तो अयोध्यावासियों और संत समाज के साथ यह क्षण जन-जन के लिए भावपूर्ण और ऐतिहासिक बन गया। 500 वर्षों की प्रतीक्षा, संघर्ष और तपस्या के बाद राममंदिर के शिखर पर स्थापित हुआ धर्मध्वज सनातन आस्था की वैश्विक प्रतिष्ठा का साक्ष्य बनकर लहराया। मोदी ने इस क्षण को युगांतरकारी कहा।

'सियावर रामचंद्र की जय' का उद्घोष करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहा, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर राम से राष्ट्र के संकल्प की चर्चा करते हुए मैंने कहा था कि आने वाले एक हजार वर्षों के लिए भारत की नींव मजबूत करनी है और जो सिर्फ वर्तमान की सोचते हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय करते हैं। हमें वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के बारे में सोचना है। जब हम नहीं थे, यह देश तब भी था और जब हम नहीं रहेंगे, यह देश तब भी रहेगा। हमें दूरदृष्टि के साथ काम करना होगा। हमें आने वाले दशकों और सदियों को ध्यान में रखना ही होगा। उन्होंने कहा, सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। आज उस यज्ञ की पूर्णाहूति है, जिसकी अग्नि 500 वर्ष तक प्रज्ज्वलित रही। जो यज्ञ एक पल भी आस्था से डिगा नहीं, एक पल भी विश्वास से टूटा नहीं, आज भगवान श्रीराम मंदिर के गर्भगृह की अनंत ऊर्जा, श्रीराम का दिव्य प्रताप इस धर्मध्वजा के रूप में दिव्यतम, भव्यतम मंदिर में प्रतिष्ठापित हुआ है।

पीएम के हैंडल घुमाते ही ऊपर चढ़ने लगा धर्म ध्वज

प्रधानमंत्री मोदी ने जैसे ही हैंडल (लीवर सी डिवाइस) घुमाया धर्मध्वज धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने लगा। पीएम ने मंदिर के मुख्य शिखर पर 161 फीट की ऊंचाई पर भव्य धर्म ध्वज फहराकर रामायण कालीन आध्यात्मिक परंपरा को सजीव किया। ध्वजारोहण प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही अभिजीत मुहूर्त में पूरे परिसर में शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और घंटियों की ध्वनि गूंज उठी, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। संघ प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

विश्व ने सुनी अयोध्या से उठी जय श्री राम की गूंज

अयोध्या से फिर उठे जय श्री राम के उद्घोष की गूंज पूरे विश्व में सुनाई दी। यहां इंटरनेशनल मीडिया की भी निगाहें लगी हुईं थीं। धर्मपथ सहित शहर की सभी प्रमुख सड़कों पर जयघोष करते श्रद्धालु उमड़ पड़े और राम नाम की गूंज से नगर भक्तिरस से सराबोर हो गया। लता मंगेशकर चौक पर हजारों की संख्या में भक्त एकत्रित होकर ध्वजारोहण का सीधा प्रसारण देखते रहे। जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर शिखर पर धर्मध्वजा स्थापित की, उपस्थित जनसमूह भावविभोर होकर जय श्रीराम के उद्घोष में डूब गया।

ध्वज रघुकुल परंपरा और धर्म का प्रतीक : भागवत

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि रामराज्य का ध्वज, जो कभी अयोध्या में फहराता था और संपूर्ण विश्व में अपने आलोक से सुख-शांति प्रदान करता था, वह ध्वज आज फिर नीचे से ऊपर चढ़कर शिखर पर विराजमान हो चुका है। इसे हमने अपनी आंखों से इसी जन्म में देखा है। ध्वज धर्म का प्रतीक होता है। इतना ऊंचा ध्वज चढ़ाने में भी समय लगा, ठीक ऐसे ही मंदिर बनाने में भी समय लगा। 500 साल छोड़ें तो भी 30 साल तो लगे ही। उस मंदिर के रूप में हमने उन तत्वों को ऊपर पहुंचाया है जिनसे संपूर्ण विश्व का जीवन ठीक चलेगा। उसी धर्म का प्रतीक भगवा रंग इस धर्म ध्वज का रंग है।

ये यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं, नए युग का शुभारंभ: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्वजारोहण को यज्ञ की पूर्णाहुति मात्र नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ करार दिया। उन्होंने भव्य मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीराम भक्तों की अखंड साधना-संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत को स्मृति चिह्न भी प्रदान किया।

ब्रीफ न्यूज

प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन पर सरकार से मांगी रिपोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन मामले में उच्च न्यायालय प्रशासन समेत राज्य सरकार से प्रगति रिपोर्ट मांगी है। न्यायालय ने कहा कि प्रमुख सचिव विधि/विधि परामर्शी, अपर मुख्य सचिव वित्त अपने अलग-अलग हलफनामे दाखिल करके इन अदालतों के गठन के लिए हुई प्रगति बताएं। अदालत ने मामले को पहले दिए गए आदेश के तहत 26 नवंबर को सुनवाई के लिए पेश करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यह आदेश प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन मामले में इसी वर्ष स्वयं संज्ञान लेकर दर्ज कराई गई जनहित याचिका पर दिया। इससे पहले अदालत ने राज्य सरकार को जवाबी हलफनामे में 9149 अदालतों के गठन मामले में पहले दिए गए आदेश के तहत हुई प्रगति का ब्योरा पेश करने का आदेश दिया था।

दुर्घटना में मौत पर 24.75 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने दोपहिया वाहन दुर्घटना में एक युवती की मौत के बाद उसके माता-पिता को 24.75 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। युवती की दो दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल से यात्रा के दौरान दुर्घटना में मौत हो गई थी। पीठासीन अधिकारी रुचिका सिंगला ने सात दिसंबर 2020 को हुई दुर्घटना में मारी गई शिल्पा के माता-पिता द्वारा दायर दावा याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। शिल्पा और उसकी दोस्त अंजलि दोपहिया वाहन पर सवार थे, जबकि उनका दोस्त रोहित उस वाहन को चला रहा था। न्यायाधिकरण ने कहा कि वाहन किसी अन्य व्यक्ति का है और उसका बीमा नहीं था। वाहन चालक और मालिक संयुक्त रूप से तथा पृथक रूप से मुआवजा देने के लिए उत्तरदायी हैं।

हिरासत में मौत सिस्टम पर धब्बा, देश नहीं करेगा बर्दाश्त

थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा- हिरासत में मौत नहीं होने दे सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिरासत में हिंसा और मौत व्यवस्था पर एक धब्बा है और देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी संबंधी एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले में पारित अपने आदेश का हवाला दिया और कहा कि राजस्थान में आठ महीनों में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। पीठ ने कहा, आप हिरासत में मृत्यु नहीं होने दे सकते।

सितंबर में शीर्ष अदालत ने मीडिया की राजस्थान की एक खबर का स्वतः संज्ञान लिया था। यहां पुलिस हिरासत में हुईं 11 लोगों की मौत में से सात मामले उदयपुर संभाग से आए थे। एक अलग मामले में कोर्ट ने 2018 में मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान, पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे की दलीलें भी सुनीं जो एक अलग मामले में 'एमिकस क्यूरी' के रूप में शीर्ष अदालत की सहायता कर रहे हैं।

इस मामले में शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2020 में एक आदेश पारित किया था। उस आदेश में शीर्ष अदालत ने केंद्र को सीबीआई, ईडी और एनआईए सहित जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया था। पीठ को बताया गया कि केवल 11 राज्यों ने ही अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं। दवे ने कहा कि पहले के मामले में भी कई राज्यों ने हलफनामे दाखिल नहीं किए थे। दवे ने कहा कि तीन केंद्रीय जांच एजेंसियों ने सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं, लेकिन अन्य तीन ने शीर्ष अदालत के निर्देशों का पालन नहीं किया है।

बेंच ने पूछा- केंद्र इस अदालत को हल्के में ले रहा है क्या

पीठ ने केंद्र से भी पूछा कि उसने अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ ने पूछा, केंद्र इस अदालत को बहुत हल्के में ले रहा है, क्यों। मेहता ने कहा कि कोई अदालत को हल्के में नहीं ले सकता, केंद्र तीन सप्ताह में अनुपालन हलफनामा दाखिल करेगा। पीठ ने हलफनामे दाखिल न करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन सप्ताह का समय देते हुए सुनवाई 16 दिसंबर के लिए निर्धारित की। कहा, यदि इस तिथि तक हलफनामे दाखिल नहीं किए जाते हैं तो गृह विभाग में उनके प्रधान सचिव अपने स्पष्टीकरण के साथ अदालत के समक्ष उपस्थित रहेंगे। केंद्रीय एजेंसियों के निदेशकों को भी अदालत में आना पड़ सकता है।

गलत कारावास पर मुआवजे के लिए केंद्र राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गलत कारावास पीड़ितों को मुआवजा दिए जाने संबंधी अनुरोध को लेकर दायर जनहित याचिका पर केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है। इसमें पीड़ितों को बरी किए जाने के बाद उनके लिए मुआवज़े और पुनर्वास की व्यापक राष्ट्रीय रूपरेखा बनाने की मांग की गई है। कोर्ट ने केंद्र व सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि गलत या लंबी विचाराधीन हिरासत मौलिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

जल जीवन मिशन : 7 राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना

- परियोजना में गड़बड़ी पर केंद्र का कदम, गुजरात पर सबसे ज्यादा 120 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन में अनियमितताओं को लेकर केंद्र ने सात राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सबसे ज्यादा 120.65 करोड़ का जुर्माना गुजरात पर लगाया गया है। इस जुर्माने की वसूली की भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

केंद्र ने पांच साल की अवधि में देश के हर घर में नल का जल कनेक्शन उपलब्ध कराने की मंशा से 2019 में जल जीवन मिशन शुरू किया था। जिन सात राज्यों से वसूली शुरू की गई है, उनमें गुजरात के अलावा तमिलनाडु, त्रिपुरा, असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान शामिल हैं।

20% बढ़ चुका है परियोजना का खर्च

अधिकारी ने बताया, इस योजना का प्रारंभिक परिव्यय 3.60 लाख करोड़ रुपये था, लेकिन इस पर 4.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है। योजना में अनियमितताओं को लेकर देश भर से शिकायतें आ रही थीं, जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सख्ती करने के निर्देश जारी किए थे।

एक अधिकारी के मुताबिक केंद्र ने गुजरात से जुर्माना वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी है और 6.65 करोड़ रुपये वसूल चुका है।

इथोपिया से उठी ज्वालामुखी की राख से दिल्ली में कुछ उड़ानें रद्द, कई लेट

नई दिल्ली, एजेंसी

- डीजीसीए ने विमानन कंपनियों को दिया नियमों के पालन का निर्देश

इथियोपिया में ज्वालामुखी विस्फोट से उठे राख के गुबार के कारण मंगलवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर करीब सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं और 10 से ज्यादा विदेशी उड़ानें देर से रवाना हो पाईं। अकेले एअर इंडिया ने सोमवार से अब तक 13 उड़ानें रद्द कर दीं।

दरअसल, इथियोपिया में हाल ही में हुए हेली गुब्बी ज्वालामुखी विस्फोट से उठे राख के बादल उड़ानों के संचालन को प्रभावित कर रहे हैं और ऐसी खबरें हैं कि ये बादल भारत के पश्चिमी हिस्सों की ओर बढ़ रहे हैं। एक अधिकारी के मुताबिक ज्वालामुखी के राख के गुबार के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर आने और जाने वाली सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया और 12 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें विलंबित रहीं। राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा है, जहां रोज 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन होता है।

मंगलवार को अन्य भारतीय विमानन कंपनियों की ओर से स्थिति के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी गई। हालांकि उनकी भी कई उड़ानें प्रभावित होने की संभावना है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने सोमवार को विमानन कंपनियों से कहा था कि वे ज्वालामुखी की राख से प्रभावित क्षेत्रों व उड़ान स्तर पर नियमों का सख्ती से पालन करें।

गंभीर संकट | सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने जारी की रिपोर्ट, दिल्ली के बाद असम प्रदूषण से सर्वाधिक प्रभावित

दिल्ली में मानक से 20 गुना ज्यादा हुआ पीएम- 2.5 का स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय राजधानी में देश भर में सबसे ज्यादा प्रदूषण का जहर

देश के 33 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली सबसे प्रदूषित हो गई है. जहां पीएम 2.5 प्रदूषक तत्वों की सांद्रता का वार्षिक औसत 101 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया है। यह भारतीय मानक से 2.5 गुना और विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों से 20 गुना ज्यादा है। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' ने उपग्रह-आधारित विश्लेषण के आधार पर इस संबंध में रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 से फरवरी 2025 तक चंडीगढ़ में पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर 70 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया और वह इस मामले में दूसरे स्थान पर रहा, जिसके बाद हरियाणा में 63 और त्रिपुरा में 62 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर का

स्तर दर्ज किया गया। असम 60, बिहार 59, पश्चिम बंगाल 57, पंजाब 56, मेघालय 53 और नगालैंड 52 में भी स्तर राष्ट्रीय मानक से अधिक था। कुल 749 जिलों में से 447 यानी 60 प्रतिशत जिलों में राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक से अधिक स्तर दर्ज किया गया। इन जिलों में वार्षिक पीएम2.5 का स्तर 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। विश्लेषण से पता चला कि सबसे प्रदूषित जिले कुछ ही राज्यों के हैं। इनमें दिल्ली और असम के 11-11 जिले मिलकर इस मामले में शीर्ष 50 में से लगभग आधे जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसके बाद बिहार और हरियाणा में सात-सात का स्थान है। उत्तर प्रदेश में चार, त्रिपुरा में तीन, राजस्थान में दो और पश्चिम बंगाल में दो जिले शामिल हैं।

आशंका: इथोपिया से उठा ज्वालामुखी की राख का गुबार और जहरीली हो सकती है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की हवा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को भी घनी धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता ' 'बेहद खराब'' बनी रही। इस बीच आशंका जताई जा रही है कि इथियोपिया में ज्वालामुखी फटने के बाद उठा राख का गुबार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण को और बढ़ा सकता है। इथियोपिया के अफार क्षेत्र में स्थित ढाल-ज्वालामुखी हायली गुब्बी रविवार को फट गया, जिससे राख का गुबार करीब 14 किमी (45,000 फुट) की ऊंचाई तक गया और लाल सागर की ओर पूर्व दिशा में फैलने लगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार ये राख के गुबार चीन की ओर बढ़ रहे हैं और मंगलवार शाम साढ़े सात बजे तक भारत से दूर चले जाएंगे। विभाग ने बताया कि पूर्वानुमान मॉडल के मुताबिक मंगलवार को गुजरात, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा पर राख का कुछ प्रभाव देखा जा सकता है।

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 26 नवंबर 2025

अयोध्या राम मंदिर। अमृत विचार

ध्वजारोहण होते ही जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी रामनगरी

मठ-मंदिरों में बजे घंटे-घड़ियाल, भगवान की उतारी गयी आरती, बांटा गया प्रसाद

हाथ में त्रिशूल लेकर जय श्रीराम का उद्घोष करता साधु। अमृत विचार

रामधुन पर नाचते-गाते श्रद्धालु। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर का भव्य प्रांगण, सुबह करीब 11:52 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरएसएस प्रमुख डॉ.मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मौजूदगी में जैसे ही बटन दबाया, धर्म ध्वजा धीरे-धीरे कर ऊपर जाने लगी। तीन मिनट में भगवा ध्वज राम मंदिर के शिखर पर लहराकर मंदिर निर्माण की पूर्णता का संदेश देने लगा। यह दृश्य देखकर राम मंदिर प्रांगण में बैठे करीब सात हजार लोग, शहर में करीब 50 स्थानों पर लगी एलईडी, मंदिरों व घरों की छतों समेत पूरे विश्व में टीवी के माध्यम यह ऐतिहासिक दृश्य देख रहे लोगों को भक्ति भाव से ओतप्रोत कर दिया। मंदिर प्रांगण ही नहीं पूरी अयोध्या जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी। रामपथ, धर्मपथ समेत पूरे शहर के लोग सड़कों पर आ गए व मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी। अयोध्या के बुजुर्ग संत राम स्वरूप दास, पटवा मंदिर के पुजारी सत्येंद्र दास, राघव मंदिर के संत रंजीव शरण दास ने कहा कि आज के इस पल का गवाह बनकर हम अयोध्यावासी अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। प्रसाद विक्रेता राकेश गुप्त, केशरीनंदन गुप्ता, राजेश गुप्त, ओंकार गुप्त, राम नाम संकीर्तन करने वाले वैभव तिवारी, अुतल दास आदि हनुमानगढ़ी के पास श्रद्धालुओं को लड्डू बांटते दिखे। अपनी छतों से मंदिर के शिखर पर ध्वज लहराते देख खुशी मनाने वाले रायगंज निवासी स्वाति, प्रीति, गुंजन, गौरी, स्तुति, दंतधावनकुंड नई कॉलोनी निवासी केडी मिश्र आदि ने कहा कि मोदी-योगी ने वह किया है जो पूर्व में कोई नहीं कर सका। श्रावस्ती से आए राजेंद्र पांडेय, विश्वनाथ जायसवाल ने कहा कि मोदी और योगी ने अयोध्या का गौरव वापस दिलाया है।

लता चौक पर रामधुन पर नाचते साधु। अमृत विचार

सांस्कृतिक उत्सव में बदला समारोह

बिहार के गोपालगंज से हनुमान जी की वेशभूषा में पहुंचे एक रामभक्त ने अपने नृत्य और गायन से माहौल को भक्ति रस में रंग दिया। दिल्ली से आई श्रद्धालु महिलाएं मधु, धारणा, संतोष और पूजा ने कहा कि राम मंदिर परिसर पहुंचते ही उन्हें देवलोक जैसी अनुभूति हुई। संत रमाकांत शर्मा, जो 25 वर्षों से अयोध्या आते रहे हैं, ने कहा कि अयोध्या आधुनिक भी हुई है और अपनी त्रेतायुगीन झलक भी पा चुकी है। ढोल और मंजीरों के मधुर स्वरों के बीच संतों की टोली ने इस आयोजन को एक दिव्य सांस्कृतिक पर्व में परिवर्तित कर दिया।

सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे श्रीराम आए हैं...

फूलों से सजे राम मंदिर द्वार के सामने जय श्रीराम का उद्घोष करते भक्त। अमृत विचार

विशाल तिवारी, अयोध्या

अमृत विचार : रामनगरी मंगलवार को फिर त्रेतायुग में लौट आई। अलौकिक, अद्भुत और अप्रतिम सौंदर्य से पूरा शहर राममय हो उठा। सारा वातावरण सुगंधित पुष्पों की महक से सराबोर था। पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर बज रहे भजन सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे प्रभु श्रीराम आए हैं..., लोगों को भक्ति के सागर में गोते लगवा रहे थे।

रामपथ समेत नगर के प्रमुख मार्गों पर लगी गेंदा और आम के पत्तों की मालाएं पूरे वातावरण को धार्मिक रंग में रंग रही थीं। राम मंदिर के वीआईपी प्रवेश द्वार जगदगुरु आद्य शंकराचार्य, जगीगुरु रामानंदाचार्य मार्ग समेत प्रवेश का प्रमुख मार्ग श्रीराम जन्मभूमि पथ पर बना भव्य द्वार किसी खास आयोजन का गवाह बन रहा था। मुख्य चौक-चौराहों पर केसरिया, पीले, लाल और सफेद फूलों की लड़ी इतनी सुंदर लग रही थी कि दूर से देखने पर लगता था मानो पूरा शहर सोने-चांदी के आभूषणों से सजा हो। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में गर्भगृह से लेकर मुख्य द्वार तक, हर तरफ गेंदे, गुलाब, चमेली और बेला के फूलों का ऐसा समां बंधा कि हवा में भी मिठास घुल गई। हनुमानगढ़ी के पास बेगूसराय से आए रत्नेश राय, अमिता राय, कुमकुम, मीरा आदि बोले वाह, यह है राजा राम की नगरी के ठाठ, लग रहा है आज सच में त्रेतायुग लौट आया। श्रृंगार हाट में बलिया से आए मीनाक्षी, देवनारायन, श्रीनाथ, राजकुमारी आदि ने कहा कि पूरा शहर फूलों से महक रहा है, हवा में भी राम नाम की सुगंध है। तुलसी उद्यान के पास गोंडा से आई बुजुर्ग बीना पांडेय बोलीं मैंने इतना सुंदर दृश्य कभी नहीं देखा। लता चौक के पास खड़े युवा श्रद्धालु आयुष, आर्यन, प्रशांत, शुभम ने कहा ये फूल, ये सुगंध, यह भक्ति भाव सब कुछ कह रहा है कि राम हमारे बीच हैं। रेलवे स्टेशन पर मिले रीवा के संजीव व उनकी पत्नी सुमन ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को भी बताया जाएगा कि जब राम अपने घर लौटे, तो अयोध्या ने उनका कैसे स्वागत किया।

अतिथियों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। अमृत विचार

निषाद चौराहे पर तिरंगा लहरातीं महिलाएं। अमृत विचार

राम मंदिर परिसर से प्रसाद लेकर लौटीं महिलाएं। अमृत विचार

रामपथ पर पीएम मोदी को हर कोई अपने मोबाइल कैमरे में कैद करते दिखा।

पीएम मोदी का स्वागत करते बटुक। अमृत विचार

ध्वजारोहण करने के लिए जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

बटन दबाकर ध्वजारोहण करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत व ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी महाराज। अमृत विचार

- सभी फोटो शुभांकर चक्रवर्ती और प्रशांत शेखर

राम बारात में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

गाजे-बाजे व हाथी-घोड़ा के साथ धूमधाम से निकली श्रीराम बारात

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की नगरी में मंगलवार को एक अलग उल्लास और उत्साह रहा जहां एक तरफ राम मंदिर के शिखर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न किया गया। वहीं दूसरी ओर विवाह पंचमी के मौके पर भगवान श्री राम और माता सीता का विवाह उत्सव की धूम दिखाई दी। शाम ढलते अलग-अलग मंदिरों से भगवान राम की बारात मुख्य सड़क मार्ग पर रवाना हो गई। अपने आराध्य के विवाह उत्सव में झूमते नाचते गाते भगवान राम के पावन पुनीत विवाह उत्सव में शामिल है।

अयोध्या के प्रसिद्ध रंग महल, दशरथ महल, राम वल्लभा कुंज, जानकी महल, विहूति भवन सहित अन्य मंदिरों से राम बारात निकाली गई। आकर्षण दशरथ महल में दिखाई दिया। पांच अलग-अलग राज्यों के बैंड बाजों के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से जब भगवान राम की बारात निकाली गई तो अपने आराध्य के विवाह की उत्सव की खुशी में श्रद्धालु जमकर नाचते हुए नजर आए।विवाह पंचमी तिथि पर आज पूरी रात मंदिरों में भगवान राम और सीता का विवाह आयोजन होगा। रंग महल मंदिर के महंत रामशरण दास ने बताया कि जिस समय भगवान राम ने धनुष तोड़ा था विवाह तो उसी समय हो गया था, लेकिन समाज में प्रेम और सनातन धर्म की प्रगति के लिए भगवान राम ने विवाह की उन सारी परंपराओं को निभाया। जिसे आज हम अनुसरण कर रहे हैं। भगवान राम सीता का विवाह सनातन धर्म की परंपरा का प्रमाण है। दशरथ भवन मंदिर के उत्तराधिकारी महंत रामभूषण दास कृपालु ने बताया कि आज बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। अयोध्या नरेश महाराजा दशरथ के पुत्रों का विवाह संपन्न हुआ था।

पीएम के रोड शो ने एक किमी. की दूरी सात मिनट में की तय

अयोध्या, अमृत विचार : तीन चॉपर के पीएम का हवाई बेड़ा मंगलवार सुबह 10:02 बजे साकेत महाविद्यालय पर बने हैलीपैड पर उतरा। यहां उनका स्वागत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इसके बाद उनका रोड शो करीब 10:12 बजे साकेत महाविद्यालय से बाहर निकला व निषादराज चौराहा होता हुआ क्रॉसिंग नंबर-11 जगदगुरु आद्य शंकराचार्य द्वार से राम मंदिर में प्रवेश किया। करीब एक किमी. की दूरी तय करने में उन्हें सात मिनट लगे। इस दौरान राज्यपाल व मुख्यमंत्री भी उनके साथ रहे। प्रधानमंत्री काले रंग की एसयूवी में सवार थे, जिसे उनके सुरक्षाकर्मी दिल्ली से लेकर आए थे। रास्ते में 12 स्थान पर लगे सांस्कृतिक मंचों पर कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति देकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

छावनी में बदली रामनगरी

अयोध्या, अमृत विचार : पूरी अयोध्या सुरक्षा के कड़े घेरे में रही। रामपथ, धर्मपथ समेत गलियों में भी वाहनों के चलने पर रोक थी। शहर की गलियों से रामपथ पर निकलने वाले सभी मार्ग को पूरी तरह से बंद रखा गया था। किसी को रामपथ पर आने की अनुमति नहीं थी। शहर में 10 हजार सुरक्षा कर्मियों का घेरा रहा, एसपीजी, एटीएस, एनएसजी से लेकर कई सुरक्षा इकाईयां मुस्तैद रहीं।

दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने जाना संघ के वरिष्ठ प्रचारक पुरुषोत्तम का हाल

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रारंभिक दौर के साक्षी, विहिप की प्रबंध समिति के सदस्य व संघ के वरिष्ठ प्रचारक पुरुषोत्तम नारायण सिंह की तबीयत की जानकारी लेने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे। दोनों के मेडिकल कॉलेज पहुंचते ही हड़कंप मच गया। वे सीधे लिफ्ट से मेडिकल वार्ड चले गए। उनके साथ विहिप के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा भी मौजूद रहे। प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा से पुरुषोत्तम नारायण का हाल जाना। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा पुरुषोत्तम जैसे संत-समर्पित कार्यकर्ता राम मंदिर आंदोलन की रीढ़ रहे हैं। ब्रजेश पाठक ने भी उनके प्रति कृतज्ञता जताते हुए कहा कि ऐसे वरिष्ठ प्रचारकों का सम्मान और सेवा करना सरकार का दायित्व है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को अपना हाल बताते पुरुषोत्तम नारायण सिंह, साथ में डिप्टी सीएम केशव मौर्य व विहिप के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा। अमृत विचार

राम मंदिर में नौ घंटे के बाद हुए रामलला के दर्शन

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार: राम मंदिर में मंगलवार को नौ घंटे के बाद श्रद्धालुओं को राम मंदिर में रामलला का दर्शन प्रारंभ हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच भक्तों को मंदिर परिसर में प्रवेश दिया गया। लगभग सात घंटे तक चले दर्शन में एक लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। सुरक्षा के कारण आने वाले श्रद्धालुओं को परकोटा और अन्य सप्त ऋषि मंदिर में दर्शन प्राप्त नहीं हो सके। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक दिसंबर के अंतिम सप्ताह से संपूर्ण मंदिर परिसर का दर्शन प्राप्त हों सकेंगे। राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के बाद दोपहर तीन बजे से ट्रस्ट ने राम मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि आज राम मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम के निमित्त सुबह से ही श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन नहीं प्राप्त हो सके थे। इस दौरान परिसर में आए अतिथियों को भी सुगमता से राम मंदिर में दर्शन कराये गये।

ध्वजारोहण सकुशल संपन्न प्रशासन ने ली राहत की सांस

अयोध्या, अमृत विचार : श्रीराम मंदिर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया। प्रशासन ने राहत की सांस ली। ध्वजारोहण और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन से पुलिस तक के लोग महीने भर से तैयारी कर रहे थे। ध्वजारोहण कार्यक्रम में सबसे अहम् मुद्दा सुरक्षा व्यवस्था था। सतर्कता की जिम्मेदारी को लेकर अधिकारी हलकान रहे। फिलहाल ध्वजारोहण के साथ पीएम मोदी का कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया।

एक्स पर ट्रेंड करता रहा हैशटैग अयोध्या और श्रीराम

अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या के राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह पर देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों की नजर रही। सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या पहुंचते ही आभासी दुनिया में वह छा गए। सोशल मीडिया के सबसे बड़े प्लेटफार्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर दिन भर हैशटैग अयोध्या व हैशटैग श्रीराम ट्रेंड करता रहा। यही नहीं अन्य प्लेटफार्म पर भी ध्वजारोहण की तस्वीरें छाई रहीं। वाट्सएप डीपी से लेकर फेसबुक पेज पर सिर्फ राम मंदिर की ही चर्चा रही।

न्यूज ब्रीफ

गुरु तेगबहादुर सिंह का शहीदी दिवस मनाया

रूरा। मंगलवार को सिखों के नवें गुरु तेग बहादुर सिंह का 350वां शहीदी दिवस मनाया गया। उनके बलिदान पर चर्चा हुई। प्रदेश कांग्रेस के सदस्य दिलीप कुमार सिंह मुन्ना व सेवादल के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार शुक्ला बीरे की अगवाई में श्रद्धाभाव से गुरु तेग बहादुर सिंह के चित्र पर माल्यार्पण हुआ। दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर का बलिदान हर समाज में याद किया जाएगा। यहां सरदार कुलदीप सिंह, गुरमीत सिंह, बापू सिंह सेगर, सत्यम सिंह सेगर, संजय गुप्ता, सावल सिंह, विनोद सविता, माना गौतम आदि लोग उपस्थित रहे।

डीसीएम की टक्कर डिलीवरी ब्वॉय गंभीर

शिवली। रूरा रोड पर केसरीनिवादा गांव की नहर के पास गजानिवादा गांव में सामान देने जा रहे कानपुर नगर के बिल्हौर क्षेत्र के देव कटरा निवासी डिलीवरी ब्वॉय हेमंत श्रीवास्तव (30) को तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दी। एंबुलेंस से सीएससी लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डा. सिंधुजा ने कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया। आईएमटी दिनेश कुमार ने बताया कि सिर व पैरों में गंभीर चोट लगी है। हादसे की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची।

सेखूपुर में रोजगार मेला आज लगेगा

कानपुर देहात। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि पुरुष-महिला बेरोजगारों के लिए 26 नवंबर को एशियन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट कैंपस शेखूपुर में निःशुल्क रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें निजी क्षेत्र की कंपनियां भाग लेंगी। इस मेले में आईटीआई, नान आईटीआई डिप्लोमा, स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। अभ्यर्थी अपने शैक्षिक प्रमाणपत्र और बॉयोडाटा की छाया प्रति लाएंगें। जॉब सीकर पोर्टल पर पंजीयन की व्यवस्था है। जनपद के अभ्यर्थीइसका लाभ उठा सकते हैं।

बाल विवाह को लेकर जागरूकता की मुहिम

कानपुर देहात। हब फॉर इम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन की जिला समन्वयक प्रतिमा श्रीवास्तव ने बताया कि बाल विवाह और बाल श्रम रोकने के लिए मुहिम चलाई जा रही है। इसका उद्देश्य 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों की पहचान व बाल श्रम में लगे बच्चों को मुक्त कराना है। उन्हें बाल विवाह से बचाना भी है। अभियान विभागीय टीमों द्वारा प्रतिष्ठानों में सघन जांच कर चलाया जाता है। बाल श्रम रोकने के लिए दुकानों, होटलों और वर्कशॉप जैसे प्रतिष्ठानों में जांच करना एवं बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता जैसे कार्यक्रम होते हैं। कार्यक्रमों में बालिकाओं को शिक्षा हेतु जागरूक किया जाता है। साथ ही गुड टच, बैड टच संबंधित जानकारी दी जाती है।

आज से दो दिवसीय खेल प्रतिस्पर्धाएं

कानपुर देहात। युवा कल्याण विभाग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता 26 एवं 27 नवंबर को सिकंदरा के नुमाइश मैदान पर होगी। जिला युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग में वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं होंगी। प्रतियोगिताएं विधायक खेल प्रतिस्पर्धा के नाम से तीन आयु वर्ग सब जूनियर, जूनियर, सीनियर (पुरुष एवं महिला) में होंगी। इसके लिए साथी पोर्टल पर निःशुल्क रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबाल बैडमिंटन और भारोत्तोलन आदि स्पर्धाएं शामिल होंगी।

राम विवाह में झूमे श्रद्धालु

रनियां कस्बे में सनातन धर्म प्रचार समिति की ओर से चल रही रामकथा में मंगलवार को चित्रकूट धाम के पीठाधीश्वर स्वामी रामस्वरूपार्य महाराज ने 'जसि रघुबीर ब्याह विधि बरनी, सकल कुंवर ब्याहे तेहिं करनी' चौपाई के साथ राम विवाह का प्रसंग सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। पांडाल में भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान कामदगिरि पीठाधीश्वर की चरण पादुका का पूजन किया गया। छठवें दिन पीठाधीश्वर स्वामी रामस्वरूपार्य महाराज ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम विवाह कथा का वर्णन करते हुए कहा कि मार्गशीष शुक्ल पंचमी को भगवान राम ने माता सीता के साथ विवाह किया था। इस तिथि को श्रीराम विवाहोत्सव के रूप में मनाया जाता है। पं रविकांत तिवारी ने भजनों से भक्ति रस में सराबोर कर दिया। ● अमृत विचार

ब्लैक स्पॉट पर मांगे सुरक्षा इंतजाम

संवाददाता, सिकंदरा

अमृत विचारः क्षेत्र में ओवरब्रिज के नीचे से नगर पंचायत की ओर आने वाले मुगल रोड पर लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर आकाशदीप फाउंडेशन ने मंगलवार को एसडीएम प्रद्युम्न कुमार को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधियों ने कहा कि सड़क पर तेज रफ्तार, तीव्र मोड़, कम दृश्यता तथा सर्दी के मौसम में कोहरे की बढ़ोतरी जैसे कारणों से दुर्घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं।

संस्था के अध्यक्ष आकाश सक्सेना, संरक्षक प्रदीप कुमार त्रिवेदी, उपाध्यक्ष प्रभु दयाल कुशवाहा, उप सचिव प्रदीप गुप्ता उर्फ बब्बन, सचिव दिलीप कटियार उर्फ दीपू कटियार और कोषाध्यक्ष रामावतार राजपूत ने बताया कि खामियों के चलते हाल ही में इसी मार्ग पर दो अलग-अलग हादसों में शैलेंद्र यादव उर्फ छैया (32 वर्ष) और एक महिला बाइक सवार (35 वर्ष) की मौत हो चुकी है। यह क्षेत्र तेजी से दुर्घटना-बहुल जोन बनता जा रहा है। आकाशदीप फाउंडेशन ने सड़क के सुधरे होने के बावजूद सुरक्षा इंतजामों की कमी को दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बताते हुए कार्रवाई की मांग की।

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते संस्था के पदाधिकारी। अमृत विचार

एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में हाईवे के ब्लैक स्पॉट को दुर्घटना बहुल क्षेत्र घोषित किए जाने की मांग की गई। इसके अलावा ओवरब्रिज के नीचे से आने वाले मार्ग पर गति सीमा निर्धारित करने, आबादी क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर स्थापित किए जाने और मार्ग के किनारे पर चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर, और रात्रिकालीन दृश्यता बढ़ाने वाले संकेतक लगाए जाने की मांग की गई है। प्रकरण पर उप जिलाधिकारी प्रद्युम्न कुमार ने संबंधित विभागों को निर्देशित कर तत्काल प्रभाव से आवश्यक कदम उठाए जाने का भरोसा दिया है।

गल्ला व्यापारी का ऊसर में मिला शव, हत्या की आशंका

धान खरीद के लिए सोमवार शाम घर से निकला था अरशदपुर गांव का राजाबाबू

संवाददाता, शिवली

- शव के पास मिला सुसाइड नोट पुलिस मान रही आत्महत्या
- सुसाइड नोट में प्रेम प्रसंग का जिक्र, फोरेंसिक टीम पहुंची

अमृत विचारः धान के व्यापार के सिलसिले में घर से निकले अरशदपुर गांव के युवक का शव केशरी निवादा-भेवान रोड के ऊसर में संदिग्ध हालात में पड़ा मिला। शव के पास मिले सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस फिलहाल आत्महत्या मान रही है, जबकि परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही किसी नजीते पर पहुंचने की बात कही है।

शिवली क्षेत्र के अरशदपुर के राजाबाबू राजपूत (22) का शव केशरी निवादा-भेवान नहर रोड पर मंगलवार की सुबह पड़ा मिला। शव से सटी बाइक भी पड़ी थी। शव पड़े होने की सूचना से आसपास सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। पिता संतराम और भाई प्रमोद कुमार ने बताया कि राजाबाबू धान की खरीद का काम करता था। उसी सिलसिले में सोमवार शाम को घर से निकला था। मंगलवार सुबह उसका शव पड़ा मिला। उन्होंने हत्या किए जाने की आशंका जताई है। मां सुखदेई, पिता संतराम, ताऊ चंद्रशेखर फफक-फफक कर रोते रहे। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए। एएसपी राजेश पांडेय ने बताया कि राजाबाबू के पास सुसाइड नोट भी मिला है। सभी पहलुओं की जांच की जाएगी। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद काफी हद तक तस्वीर साफ हो जाएगी। कुछ ग्रामीणों राजाबाबू की छाती में चोट के निशान होने की बात भी कही है।

भेवान रोड के पास ऊसर में शव मिलने के बाद रोती परिवार की महिलाएं। अमृत विचार

राजाबाबू राजपूत।

हैंड राइटिंग की जांच कराएगी पुलिस

- राजाबाबू के पास सुसाइड नोट मिला, जिसमें एक युवती से प्रेम प्रसंग की बातें लिखी हैं। इसके आधार पर पुलिस प्रथम दृष्टया आत्महत्या मान रही है। पुलिस का कहना है कि सुसाइड नोट की एक्सपर्ट से हैंडराइटिंग की जांच कराई जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद भी मौत की तह तक जाने और खुलासे में पुलिस को मदद मिल सकती है। थाना प्रभारी प्रवीण यादव ने बताया कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या का केस लग रहा है।

गिलास और शराब की खाली शीशी मिली

- राजाबाबू का शव नहर रोड से करीब 50 मीटर दूर ऊसर में मिला। पास में ही दो प्लास्टिक के गिलास और शराब का खाली क्वार्टर भी पड़ा था। ग्रामीणों में चर्चा रही कि घटनास्थल पर चार पहिया वाहन के टायरों के निशान भी थे। शव से सटी बाइक पड़ी थी। सुबह खेत पहुंचे ग्रामीणों के शव देखे जाने के बाद सनसनी फैल गई। कुछ देर बाद शव की शिनाख्त अरशदपुर के राजाबाबू के रूप में हुई।

आशा की मौत के मामले में केस डायरी कोर्ट में तलब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- विवेचक पर आरोपियों को लाभ पहुंचाने का लगाया गया आरोप

अमृत विचारः राजपुर थाना क्षेत्र के दमनपुर की आशा देवी को जबरन ज़हर खिलाने और उपचार के दौरान मृत्यु होने के मामले में सीजेएम ने केस डायरी तलब की है। पुलिस की विवेचना पर उठे सवालों को देखते हुए न्यायालय ने विवेचक को एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। अगली सुनवाई एक दिसंबर को होगी।

29 अक्टूबर को खेत पर लकड़ी के विवाद को लेकर वीर सिंह व अन्य आरोपियों ने आशा देवी से झगड़ा किया था। बेटे अंकित सिंह को गालियां देते हुए दौड़ाया। आरोप है कि मारपीट कर आशा देवी को जबरन ज़हर की गोलियां खिलाई। कानपुर के हैलट अस्पताल में मृत्यु हो गई। बेटे अंकित सिंह ने कोर्ट में धारा 175(4) व 175(5) बीएनएसएस के तहत अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान से प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि पुलिस ने हत्या संबंधी धारा हटाकर आत्महत्या के लिए उत्प्रेरण की धारा 108 बीएनएस लगा दी है, जबकि आशा ने मृत्यु से पूर्व वीडियो कैमरा में बयान दिया था कि आरोपियों ने ही उन्हें जबरन ज़हर खिलाया।

अंकित का आरोप है कि पुलिस ने दो आरोपियों सुनील सिंह, कृष्णा सिंह को पकड़कर उसी दिन छोड़ दिया। विवेचक द्वारा उचित धाराएं न लगाने और आरोपियों को लाभ पहुंचाने के आरोपों को लेकर वादी ने एसपी से भी शिकायत की थी, जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अधिवक्ता जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि आरोपों की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने विवेचक को एक सप्ताह में विवेचना की प्रगति आख्या प्रस्तुत करने का आदेश दिया है और केस डायरी भी तलब की है। अधिवक्ता ने कहा कि मृत्यु पूर्व बयान और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान इस बात का स्पष्ट आधार है कि मामला हत्या का है।

जिंदा को मृत बताने वाला पंचायत सचिव निलंबित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- सरवनखेड़ा विकास खंड क्षेत्र के तिलौंची गांव का मामला
- पंचायत सचिव की रिपोर्ट पर रोकी गई थी वृद्धावस्था पेंशन

अमृत विचारः सरवनखेड़ा ब्लाक के तिलौची ग्राम पंचायत में बगैर सत्यापन किए बुजुर्ग महिला को मृत दिखाने और इसके बाद उसकी पेंशन बंद होने के मामले में कार्रवाई हुई है। सत्यापन में दोषी पाए जाने के बाद ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया है।

बुजुर्ग कुंती देवी पत्नी स्व जयनारायण निवासी ग्राम तिलौची को वृद्धावस्था पेंशन मिल रही थी। हाल में उनकी पेंशन अचानक बंद हो गई। जांच के लिए अफसरों के यहां गई तो पता लगा कि जांच में उन्हें मृत घोषित किया गया है। इस कारण पेंशन जारी नहीं हुई। तब कुंती देवी ने माती आकर जिलाधिकारी कार्यालय में मामले की शिकायत की। समाज कल्याण अधिकारी व खंड विकास अधिकारी को मामले की जांच सौंपी गई।

जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल ने बताया कि 20 नवंबर को मामले की जांच रिपोर्ट मिली। इसमें स्पष्ट किया गया कि ग्राम पंचायत तिलौची में कार्यरत सचिव खुशबू श्रीवास्तव द्वारा वृद्धावस्था पेंशन की लाभार्थी कुंती देवी को मृतक दर्शाकर उनको पेंशन से वंचित किया गया है। इस प्रकार वृद्धावस्था पेंशन के लाभार्थी सत्यापन सूची में सत्यापन के दौरान जीवित व्यक्ति को मृतक दर्शाकर उच्चाधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों के उल्लंघन कर खुशबू श्रीवास्तव द्वारा पदीय दायित्वों में घोर लापरवाही और उदासीनता बरती गई है। प्रकरण में सचिव के विरूद्ध जिलाधिकारी द्वारा तत्काल कठोर कार्रवाई किए जाने के आदेश दिए गए। नतीजन, ग्राम सचिव खुशबू श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

ट्राला से भिड़ा ट्रक फंसा रहा ड्राइवर

कानपुर देहात। सिकंदरा थाना क्षेत्र में हाईवे पर मंगलवार को तड़के खोजाफूल गांव के पास तेज रफ्तार ट्राला ट्रक आगे चल रहे ट्राला से जा टकराया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। एक ट्राला चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है।

लोगों के मुताबिक हादसा सुबह करीब साढ़े चार बजे चालक के नींद में होने के कारण ट्रक बेकाबू हुआ और आगे जा रहे ट्राले से टकरा गया। रफ्तार अधिक थी, जिससे वाहनों के टकराने की आवाज दूर तक सुनाई दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पीछे वाले ट्रक का केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर दूसरे ट्राले से चिपक गया। हादसे के बाद कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। सूचना पर थाना प्रभारी दिनेश कुमार गौतम पहुंचे। उन्होंने क्रेन से गाड़ियों को हटवाकर फंसे ड्राइवर को बाहर निकाला और तुरंत सिकंदरा सीएचसी भेजा। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक घायल चालक शिवकांत गांधीधाम से चना लोड कर कानपुर जा रहा था।

पकड़ी रफ्तार बूथ लेवल अधिकारियों को तेजी लाकर समय से काम पूरा करने के निर्देश

डीएम ने बूथों पर जांची एसआईआर व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः एसआईआर को लेकर जिला प्रशासन संजीदा हो गया है। अभियान की कमान खुद डीएम कपिल सिंह ने संभाली है। मंगलवार को वह मिल्किनपुरवा, आलमचंदपुर, मुरीदपुर और पातेपुर के कई पोलिंग बूथों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने पुनरीक्षण कार्य के प्रत्येक बिंदु की विस्तारपूर्वक समीक्षा की और कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप समस्त प्रक्रिया समय सीमा के भीतर पूर्ण करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित बीएलओ से घर-घर प्रत्येक मतदाता तक गणना प्रपत्रों का वितरण, एकत्रीकरण, सत्यापन और डिजिटाइजेशन की अद्यतित स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम निर्वाचक नामावली में शामिल कराया जाए तथा जिन मतदाताओं का नाम हटाया जाना है उनके संबंध में नियमानुसार सत्यापन और दस्तावेजों का संधारण सावधानीपूर्वक किया जाए। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही, विलंब या त्रुटि स्वीकार्य नहीं होगी। डीएम ने कहा कि बीएलओ अपने निर्धारित क्षेत्र में प्रतिदिन फील्ड विज़िट अवश्य सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने फॉर्मों के भौतिक सत्यापन, अभिलेखों के रख-रखाव, रिकॉर्ड अपडेटिंग, फोटो मिलान, आयु पुष्टि, पते की शुद्धता की प्रविष्टियों की सटीकता जैसे बिंदुओं का विस्तृत आकलन किया।

जिलाधिकारी कपिल सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समस्त रिकॉर्ड पूर्णतः व्यवस्थित, अद्यतन और सत्यापित अवस्था में रखे जाएं ताकि आगे की जांच तथा अनुमोदन में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने यह भी कहा कि सभी बीएलओ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नागरिकों के साथ समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। विशेषकर उन युवाओं, प्रथम बार मतदान करने वाले नागरिकों, स्थानांतरित परिवारों तथा दिव्यांग मतदाताओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

एसआईआर प्रक्रिया का जायजा लेने बूथ पर पहुंचे डीएम। अमृत विचार

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 26 नवंबर 2025

अखिलेश व राहुल भूल जाएं कि उन्हें सत्ता नसीब होगी : धर्मपाल

जिले के प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, बोले- बिहार में 65 लाख फर्जी वोट कटे पर बंगाल में यह आंकड़ा करोड़ों का होगा

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। पीडब्लूडी सभागार में जिले की सुरक्षा व विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करने के बाद पशुधन मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने प्रेसवार्ता के दौरान एसआईआर का विरोध कर रहे विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एसआईआर का विरोध वे लोग कर रहे हैं जिनका अब कोई जनाधार नहीं बचा है। वे भ्रमित कर लाभ उठाना चाहते हैं। उन्होंने अखिलेश यादव व कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे भूल जाएं कि उन्हें कभी सत्ता नसीब होगी।

एससीएसटी कानून व आरक्षण को खत्म करने वाले रामभद्राचार्य के बयान पर मंत्री ने कहा कि संत की वाणी और व्यवस्था पर किसी का नियंत्रण नहीं होता। हम संवैधानिक मर्यादा में काम करते हैं। कोई भी सरकार संविधान के इतर काम नहीं कर सकती। बीएलओ के सुसाइड के सवाल पर ममता बनर्जी द्वारा चुनाव आयोग को दोषी ठहराने के सवाल पर कहा बिहार में मात्र 65 लाख फर्जी वोट कटे हैं। जबकि ममता के बंगाल में यह आंकड़ा करोड़ों का होगा। क्योंकि वहां घुसपैठिए वोट बनवा चुके हैं जो एसआईआर में बाहर होंगे। उत्तर प्रदेश में सपा, कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष एसआईआर को लेकर हाय तौबा मचाए है। वो इसलिए कि उनकी जमीन तो खिसक गई जनता का वोट उन्हें पड़ने वाला नहीं है। इसलिए वोट चोरी का नाम लेकर विपक्ष भाजपा पर हावी होकर जनता के बीच आना चाह रहा है।

सांसद, विधायक व अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक करते प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह।

आरक्षण हटाने का किसी को अधिकार नहीं: सांसद

उन्नाव। रामभद्राचार्य के एसएसटी कानून व आरक्षण हटाने के बयान पर सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि किसी को भी बाबा साहब के बनाए गए संविधान को चैलेंज नहीं करना चाहिए। कहा रामभद्राचार्य मेरे मित्र हैं मैं उन्हें विद्वान मानता हूं। जब तक भाजपा सरकार केंद्र में है तब तक भारत लोकतंत्र व बाबा साहब के संविधान से चलेगा। आरक्षण की व्यवस्था बाबा साहब की देन है। यह किसी के कहने से खत्म नहीं हो सकती।

प्रजातंत्र में एसआईआर पहले भी होता था। पहले कांग्रेस चोरी छिपे यह काम कराती थी। भाजपा सब खुलकर कर रही है। इस दौरान सांसद साक्षी महाराज, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, सदर विधायक पंकज गुप्ता, पुरवा विधायक अनिल सिंह, शिक्षक एमएलसी प्रतिनिधि संजीव त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

गौवंशों के लिए सर्दी में पूरे हों इंतजाम

पीडब्लूडी सभागार में डीएम गौरांग राठी व एसपी जय प्रकाश सिंह की मौजूदगी में प्रभारी मंत्री ने सुरक्षा व विकास कार्यों की समीक्षा में कहा कि सरकार की प्राथमिकता में इस समय निराश्रित गौवंश हैं। उन्होंने घोषणा की कि गौवंशों के भरण-पोषण के लिए मिलने वाली राशि 30 से बढ़ाकर 50 रुपये कर दी गई है। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को जाड़े का समय देखते हुए गौशालाओं में चारा, भूसा, पानी, स्वच्छता व ठंड से बचाव में कोई कमी न होने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने धान क्रय केंद्रों पर किसानों को अच्छी सुविधा देने व बुवाई के लिए अच्छे बीज व खाद की समस्या से किसानों को परेशान न होने देने के अफसरों को निर्देश दिए। एसपी को कानून व्यवस्था पर पूरा नियंत्रण रखने और व्यवस्था में बाधा बनने वालों पर तुरंत कार्रवाई करने को भी कहा।

न्यूज ब्रीफ

किशोरी ने निगली टीबी की दर्जनों गोलियां, रेफर

बांगरमऊ। नगर के मोहल्ला नौनिहालगंज निवासी यासीन की 16 वर्षीय बेटी खुशी ने मंगलवार दोपहर बाद अज्ञात कारणों से घर में रखी टीबी रोग की दो दर्जन से अधिक टैबलेट निगल लीं। इससे उसकी हालत बिगड़ने लगी। यह देख मां शमा आनन-फानन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कल मनेगी स्कूल की रजत जयंती

बांगरमऊ। नगर के उन्नाव मार्ग स्थित संत एलोसियस स्कूल की रजत जयंती आगामी 27 नवंबर को शाम 4 बजे मनाई जाएगी। इसमें मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत कटियार होंगे। स्कूल के प्रधानाचार्य फादर डाक्टर बिपिन बिलंग ने सभी छात्र-छात्राओं व उनके अभिभावकों से समारोह में शामिल होने की अपील की है।

हार्ट अटैक से ग्रामीण की हुई मौत

बांगरमऊ। कोतवाली सफीपुर क्षेत्र के गांव पीखी निवासी असलम (50) पुत्र सिराजुद्दीन मंगलवार शाम बाइक से बेटे सादान के साथ बांगरमऊ क्षेत्र के गांव सुरसेनी जा रहे थे। तभी हरदोई-उन्नाव मार्ग स्थित एक पेट्रोल पंप के पास असलम को चक्कर आने लगा। यह देख पीछे बैठे बेटे सादान ने उन्हें संभाला और आनन-फानन सीएचसी लाया। जहां डाक्टर ने उन्हें देख मृत घोषित कर दिया।

दुष्कर्म के 4 आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

फतेहपुर चौरासी। एसपी जय प्रकाश सिंह के निर्देश पर अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चल रहे अभियान के क्रम में पुलिस ने दुष्कर्म के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है। प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार ने बताया कि उन्होंने हमराहियों हेड कान्स्टेबल धर्मपाल, नरेन्द्र सिंह, गौतम, हिमांशु चौधरी, रोहताश के साथ महिला से दुष्कर्म के मामले में वांछित ललित, विपिन, अजय पुत्र धीरेन्द्र व धीरेंद्र पुत्र रामगुलाम निवासी शाहनगर को हुसैनपुर माफी मोड़ से गिरफ्तार किया। सभी को कोर्ट में पेश किया गया है।

छेड़छाड़ के दोषी को 3 साल की सजा

उन्नाव। सफीपुर के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 5 फरवरी-2019 को वह अपनी 14 वर्षीय बेटी व पड़ोस की 15 वर्षीय किशोरी के साथ खेत गई थी। कुछ देर बाद बेटी व किशोरी घर जाने की बात कहकर चली गई थीं। काम निपटाकर घर जाते समय उसे रास्ते में रोने की आवाज सुनाई दी। इस पर वह मौके पर पहुंची तो देखा कटरी अल्लीपुर गांव निवासी राम खेलावन व राम सजीवन उसकी बेटी व उसकी सहेली से छेड़छाड़ कर रहे थे। उसे आता देख दोनों भाग गए थे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर दोनों को जेल भेजा था। आईओ राघवन कुमार सिंह ने साक्ष्य एकत्र कर 22 जुलाई-2019 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। मंगलवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश विवेकानंद विश्वकर्मा ने शासकीय अधिवक्ता चंद्रिका प्रसाद वाजपेई की दलील व साक्ष्य के आधार पर रामखेलावन को 3 साल की सजा सुनाने के साथ 6 हजार का जुर्माना भी लगाया।

छात्रवृत्ति की संशोधित समय सारणी जारी

उन्नाव। वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2025-26 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक वर्ग पूर्वदशम (कक्षा 9-10) व दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनांतर्गत कक्षा 11-12 के छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति भुगतान हेतु संशोधित समय सारिणी जारी की गई है। जिसमें छात्रवृत्ति योजनांतर्गत संबंधित विद्यालयों को मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने व छात्रों द्वारा आनलाइन आवेदन डीआईओएस के समक्ष सभी प्रपत्र प्रस्तुत करने की तिथि 25 नवंबर से 1 दिसंबर कर दी गई है। प्रोफाइल को आनलाइन डिजिटल हस्ताक्षर से सत्यापित करने की अंतिम तिथि 25 नवम्बर, से 8 दिसम्बर तक कर दी गई है।

आटो व बाइक में हुई टक्कर, चार घायल

बांगरमऊ। हरदोई जिले के थाना मल्लावां अंतर्गत गांव तेजीपुर निवासी मनोज (26) पुत्र शंभू बेहटा मुजावर से आटो लेकर बांगरमऊ आ रहा था। तभी रास्ते में मंगलवार दोपहर बाद संडीला मार्ग पर गांव मटुकरी चौराहे के पास आटो व बाइक में टक्कर हो गई। इसमें आटो चालक मनोज व बाइक चालक जनार्दन (28) पुत्र गोविंद व उसकी पत्नी शिवानी (26) व छोटा भाई जयवीर (22) निवासी गांव मदारपुर थाना पतरौली हरदोई गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस चारों को बांगरमऊ सीएचसी लाई। जहां चिकित्सक ने उन्हें गंभीर देख जिला अस्पताल भेज दिया।

4 घंटे ठप रही नगर की बिजली

शुक्लागंज। मंगलवार दोपहर मगरवारा के पास 33 केवी लाइन का इंसुलेटर अचानक धमाके के साथ दग गया, जिससे शुक्लागंज नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। घटना दोपहर करीब एक बजे हुई, जब सप्लाई चालू ही हुई थी। इंसुलेटर दगने के बाद शुक्लागंज पावर हाउस, गंगाघाट टाउन सबस्टेशन और त्रिभुवनखेड़ा सबस्टेशन से होने वाली सप्लाई बाधित हो गई। लगभग चार घंटे बाद, शाम करीब पांच बजे नगर और ग्रामीण इलाकों की बिजली सप्लाई दोबारा सुचारू हो सकी।

एबीसी लाइन बदलने के लिए दो फीडर 8 घंटे रहे बंद : शुक्लागंज। री-वैम्प योजना के तहत मंगलवार को राजधानी मार्ग स्थित चन्द्रमुक्ता मार्केट के पास पुरानी और जर्जर एबीसी केबल को बदले जाने का कार्य किया गया। इस तकनीकी कार्य के कारण फीडर-1 और फीडर-2 की बिजली आपूर्ति सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक पूरी तरह बंद रही। कार्यदायी संस्था के कर्मचारियों ने पूरे दिन केबल बदलने और लाइन को सुरक्षित करने का काम किया। करीब आठ घंटे तक दर्जनों मोहल्लों में बिजली गुल रही।

सड़क हादसों में वृद्ध और अधेड़ की मौत

उन्नाव, अमृत विचार। पुरवा कोतवाली अंतर्गत अलग-अलग जगह हुए सड़क हादसों में अधेड़ व वृद्ध की जान चली गई।

अचलगंज थानाक्षेत्र के गोहाना गांव के मजरा बंदी खेड़ा निवासी राम स्वरूप (70) पुत्र रज्जन लाला खेती करता था। मंगलवार को वह खेत जा रहा था। तभी पुरवा कोतवाली क्षेत्र के 11 मिल तिराहा के पास ठिकरा पुल पर अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। रामस्वरूप बीते 4 साल से पंचम खेड़ा गांव निवासी अपनी बहन जनक दुलारी के घर पर रहता था।

वहीं पुरवा कोतवाली क्षेत्र के लंगरपुर गांव निवासी रामबाबू (52) खेती करता था। बीती 21 नवंबर की दोपहर दही-मोहनलालगंज पर लंगरपुर चौराहे पर सड़क पार करते समय बाइक की टक्कर से वह गंभीर घायल हो गया था। उसे पहले सीएचसी से जिला अस्पताल फिर कानपुर के हैलट अस्पताल भेजा गया था। बीती सोमवार देररात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पति की मौत से पत्नी सुमन, बेटा आकाश व विकास बेहाल हैं। भाई विकास दुबई में है।

राम बाबू (फाइल फोटो)

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

उन्नाव। अचलगंज के मवैया माफी गांव निवासी जितेंद्र (22) पुत्र मुन्ना शर्मा पड़ोसी माखन लोध के साथ सोमवार शाम शादी में शामिल होने दही थानाक्षेत्र के शिव नगर मोहल्ला स्थित एक गेस्ट हाउस आए थे। जहां से देररात लौटते समय लखनऊ-कानपुर हाईवे पर सदर कोतवाली अंतर्गत हुसैन नगर चौराहे के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। उछलकर सड़क पर गिरने से जितेंद्र की मौके पर मौत हो गई। वहीं माखन भी घायल हो गया। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

धारदार हथियार से हमला कर युवक की हत्या

उन्नाव। आसीवन थानाक्षेत्र में शराब के नशे में हुए विवाद में धारदार हथियार से हुए हमले में एक युवक की मौत हो गई। कूरेमऊ गांव निवासी अरविन्द कुमार कुरील (45) पुत्र छोटेलाल मंगलवार देरशाम गांव में ही एक डाक्टर के दवाखाने के पास किसी काम से गया था। तभी गांव निवासी मनोज शर्मा पुत्र मूलचंद से किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया। बताते हैं कि दोनों शराब के नशे में थे। मामला मारपीट में तब्दील हो गया। मनोज ने अरविंद पर धारदार हथियार (बांका) से एक के बाद एक कई वार कर दिए। लोगों को आता देख वह मौके से भाग निकला। लोगों की सूचना पर पहुंचे परिजन उसे लहूलुहान हालत में मियागंज सीएचसी लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी पर थाना प्रभारी फोर्स के साथ पहुंचे और जांच की। पुलिस ने शव मोर्चरी भेजा है। चर्चा है कि दोनों शराब के लती थे। मनोज को शक था कि अरविंद उसके घर में किसी से बात करता था। थाना प्रभारी अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

युवक का रात में व युवती का सुबह हुआ अंतिम संस्कार

घर के बाहर बैठे गमगीन परिजन। अमृत विचार

नवाबगंज, अमृत विचार। जातीय बंधन के कारण शादी न होने से परेशान प्रेमी युगल के ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या करने की घटना की दूसरे दिन भी लोग चर्चा करता रहे। युवक के शव का परिजनों ने देररात अंतिम संस्कार कर दिया था। वहीं युवती के शव का मंगलवार को अंतिम संस्कार किया गया।

बता दें कि अजगैन कोतवाली क्षेत्र के जमालापुर मढ़ी निवासी सुरेंद्र रावत (23) पुत्र स्व. शिवलाल का घर से दो किमी आगे सोहरामऊ थाना क्षेत्र के गौरी सलोनपुर गांव निवासी सोनी गौतम (20) पुत्री रामलखन से कई वर्षों से प्रेम प्रसंग था। दोनों ने शादी कर अपना घर बसाना चाहते थे। लेकिन बिरादरी की दीवार इसके आड़े आने से परिजन तैयार नहीं थे। करीब 20 दिन पहले सोनी घर छोड़कर सुरेंद्र के पास आ गई। इस पर दोनों के परिजनों में वार्ता के बाद शादी करने पर सहमति बनी थी। सोनी को परिजन लेकर चले गए। मई जून में शादी करने की बात तय हुई थी। लेकिन कुछ दिन बाद दोनों को लगा कि उन्हें अलग करने की साजिश के तहत इतना लंबा समय दिया गया है। इससे सोमवार भोर पहर दोनों अपने घरों से निकल कर जैतीपुर रेलवे स्टेशन के पहुंचे कानपुर से लखनऊ जा रही मालगाड़ी के आगे कूदकर दोनों ने जान दे दी।

सिलेंडर में विस्फोट महिला ने तोड़ा दम

शुक्लागंज। गांधी नगर निवासी रमा बाजपेई के मकान में रहने वाले सुभाष गुप्ता सुबह अपनी 13 वर्षीय बेटी शगुन को स्कूल छोड़ने के लिए घर से निकले थे। बेटी को स्कूल छोड़कर वह सीताराम कॉलोनी स्थित अपनी डिस्पोजल की दुकान चले गए। उस समय घर में उनकी पत्नी खुशबू गुप्ता (37) अकेली थी। खुशबू कानपुर के एक आफिस में काम भी करती थी। मंगलवार सुबह खाना बनाते हुए उन्होंने पोनी रोड झंडा चौराहा निवासी अपनी बहन एकता गुप्ता को फोन किया और बात करते-करते किचन में काम जारी रखा। सुबह करीब पौने नौ बजे अचानक गैस सिलेंडर से लीकेज होने पर आग भड़क उठी। कुछ ही क्षणों में सिलेंडर की निचली सतह तेज आवाज के साथ फट गई। आग की लपटें खुशबू को अपनी चपेट में ले चुकी थीं। गंभीर रूप से जली खुशबू को आनन-फानन में उर्सला अस्पताल, कानपुर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

खुशबू (फाइल फोटो)

महिला, किसान व दो युवकों के फंदे से लटके मिले शव

उन्नाव, अमृत विचार। अलग-अलग स्थानों पर महिला व दो युवकों के शव फंदे से लटके मिले। संबंधित क्षेत्रों की पुलिस ने जांच के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

केस-1: ससुराल में रह रहे युवक का शव पेड़ से लटका मिला

अचलगंज थानाक्षेत्र के दौलतपुर गांव निवासी धीरज (39) पुत्र स्व. फूल सिंह कानपुर कचहरी के पास सिविल लाइन मोहल्ले में ससुराल में रहता था। वह अपना लोडर चलाकर परिवार पालता था। मंगलवार सुबह सदर कोतवाली अंतर्गत गदन खेड़ा चौराहा के आगे लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित एक निजी विद्यालय के सामने पेड़ पर उसे लटका देख लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने उसे अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बड़े भाई धीर सिंह ने पारिवारिक कलह के चलते भाई के आत्महत्या करने की बात बताई। उसका आरोप था कि धीरज की पत्नी उस पर शक करती थी। इसे लेकर दोनों में अक्सर विवाद होता था। बताया कि पत्नी को शक था कि धीरज के किसी और महिला से संबंध है। वहीं पति की मौत से पत्नी रीना बेटी रिद्धि, बेटा उज्जवल रो-रोकर बेहाल रहे। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने बताया कि पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों का कोई आरोप नहीं है।

शुक्लागंज में मौके पर लगी ग्रामीणों की भीड़, जांच करती पुलिस। अमृत विचार

केस-2 : लापता युवक का फंदे से लटका मिला शव

अचलगंज थानाक्षेत्र के जरगांव के मजरा रूपपुर निवासी निर्भय रावत (22) पुत्र पुत्तीलाल रावत खेती करता था। बीती सोमवार दोपहर वह परिजनों को बिना बताए घर से निकला था। देरशाम तक वापस न लौटने पर उसकी तलाश की गई। लेकिन पता नहीं चला। बड़े भाई नीरज के मुताबिक उसका फोन भी रिसीव नहीं हुआ। तलाश करने के दौरान घर से 500 मीटर आगे गांव के निवासी भीखा के खेत में लगे नीम के पेड़ में उसका शव लटका मिला। चर्चा रही कि युवक का किसी युवती से प्रेम प्रसंग था। एसओ ब्रजेश शुक्ल ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों का कोई आरोप नहीं है।

केस-3 : महिला ने फंदे से लटककर दी जान

कोतवाली क्षेत्र के मलझा गांव निवासी रितु (30) पत्नी चंद्र प्रकाश ने मंगलवार दोपहर घर में साड़ी के फंदे से लटककर जान दे दी। घटना के समय वह घर में अकेली थी। पति बुआ को छोड़ने नई सराय गया था। ससुर देवी प्रसाद व अन्य परिजन खेत में थे। बुआ को छोड़ कर लौटा पति पत्नी का शव देख बेहाल हो गया। चंद्र प्रकाश के अनुसार बच्चों को लेकर उसकी रितु से कहासुनी हुई थी। सूचना पर पहुंचे नेवाज खेड़ा निवासी पिता गणेश लोधी, भाई आकाश, चाचा रामनरेश ने ससुरालियों पर हत्या कर शव टांगने का आरोप लगाया है। वहीं मां की मौत से बेटी प्राची, बेटा अकील व अंशु बेहाल रहे। कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

केस-4 : आम के पेड़ पर लटका मिला किसान का शव

गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के त्रिभुवन खेड़ा गांव निवासी लल्लू प्रसाद (52) खेती कर परिवार पालता था। बेटे राजकुमार के मुताबिक बीती सोमवार रात पिता खेत में फसल की रखवाली करने गए थे। लेकिन देररात तक वापस नहीं लौटे। सुबह लोगों ने खेत में लगे आम के पेड़ में उनका शव लटका होने की सूचना दी। इस पर वहां पहुंची पत्नी कमला, बेटे राजकुमार, विजय व सुजीत शव देख बेहाल हो गए। सूचना पर दोगा विनोद सिंह ने जांच के बाद शव नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है।

उपलब्धि

मतदाता पुनरीक्षण कार्य करने वाले दो बीएलओ को डीएम ने किया सम्मानित

एसआईआर मैपिंग कार्य में जिले को पहला स्थान

उन्नाव, अमृत विचार। कलक्ट्रेट सभागार में मीडिया को संबोधित करते हुए डीएम गौरांग राठी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 8 लाख 12 हजार मतदाताओं के फॉर्म कलेक्ट कर डिजिटाइजेशन किया जा चुका है और एसआइआर मैपिंग कार्य में उन्नाव ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है।

डीएम ने अभियान में शत-प्रतिशत मतदाता पुनरीक्षण कार्य करने वाले दो बीएलओ यतींद्र यादव (बांगरमऊ) व अनुभा बाजपेयी (सदर) को सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि मतदाता केवल एक जगह वोट बनवा सकते हैं और प्रक्रिया पूरी करने के लिए फॉर्म जल्द से जल्द बीएलओ को सौंप दें। ऑनलाइन पंजीकरण voters.eci.gov.in पर किया जा सकता है लेकिन किसी को भी अपना ओटीपी शेयर न करने की हिदायत दी है। नागरिकों की सुविधा के लिए सभी तहसीलों व कलक्ट्रेट में हेल्पडेस्क स्थापित किए गए हैं। उन्होंने अपील की कि सभी नागरिक सही दस्तावेज़ों के साथ सहयोग करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि 1987 से पहले जन्मे मतदाताओं को कोई प्रूफ नहीं देना है जबकि 2004 के बाद जन्म लेने वालों को माता-पिता का प्रूफ देना होगा। त्रुटि सुधार की प्रक्रिया कभी भी की जा सकती है। इस दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, नायब तहसीलदार पूर्णिमा तिवारी व सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी आदि मौजूद रहे।

कलक्ट्रेट में बीएलओ यतींद्र व अनुभा को सम्मानित करते डीएम गौरांग राठी।

सिटी डायरी

डीजे पर डांस को लेकर भिड़े वर-वधू पक्ष, दूल्हा घायल, बिन दुल्हन लौटी बरात

बांगरमऊ, उन्नाव, अमृत विचार। डीजे पर डांस करने को लेकर वर-वधु पक्ष के युवकों के मारपीट हो गई। सूचना पर पहुंची पीआरवी मारपीट में गंभीर घायल हुए दोनों पक्षों के आधा दर्जन लोगों को सीएचसी लाई। जिसमें दूल्हा व दुल्हन के भाई सहित 3 घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। विवाद के बाद बिना दुल्हन के बारात बैरंग लौट गई।

बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के चकपीर नगर गांव निवासी मोतीलाल विश्वकर्मा की बेटी शीलू की शादी सीतापुर जिले के थाना नैमिषारण्य क्षेत्र के गयावर गांव निवासी कैलाश के बेटे सुमित से तय हुई थी। बीते सोमवार बैंड-बाजा के साथ बारात वधु के दरवाज़े पहुंची। वधू के भाई अजय ने बताया कि अगवानी व जयमाल के बाद बारात में शामिल नशे में रहे कुछ युवक डीजे पर डांस करने पहुंचे। जिन्होंने वे उनके पक्ष के लोगों से अभद्रता व गाली-गलौज शुरू कर दी। दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट होने लगी। इसमें उन लोगों ने एक-दूसरे पर लात-घूंसों व डंडों से हमला किया गया। सूचना पर पहुंची पीआरवी ने किसी तरह झगड़ा शांत कराया और वर पक्ष के दो लोगों को कोतवाली लाई। साथ ही पुलिस ने झगड़े में घायल दूल्हे सुमित, दुल्हन के भाई अजय व उसके पक्ष के रमन, सचिन, उमेश व अंकित को सीएचसी पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने दूल्हा सुमित व दुल्हन के भाई अजय सहित 3 को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। झगड़े में दूल्हे के घायल होने से भांवरें की रस्म अदा नहीं हो पाई और बारात बिना दुल्हन के लौट गई। कोतवाल अनुराग सिंह ने बताया कि झगड़े की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। दो बारातियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अभी तक किसी पक्ष द्वारा घटना की तहरीर नहीं दी गई है।

आपसी विवाद में दो स्थानों पर चली गोली, दो युवक घायल

उन्नाव। दही थाना व सदर कोतवाली क्षेत्र में पुरानी खुन्नस को लेकर हुए विवादों में मारपीट के दौरान फायरिंग हो गई। जिसमें दो युवक गंभीर घायल हुए। बता दिया कि दही थाना क्षेत्र के रायपुर बुजुर्ग गांव में भोला सिंह (35) पुत्र राम बहादुर अपने घर के दरवाजे पर बंधे मवेशियों को पानी पिला रहा था। तभी आरोप है कि गांव निवासी कोमल व उसके साथी मीठलले आया और रंजिश के चलते गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी। शोर सुन परिजन दौड़े इस पर उन्होंने फायर कर दिया। आरोप है कि गोली भोला के सिर पर लगी। इससे वह गंभीर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया। एसपी जय प्रकाश सिंह ने परिजनों से घटना की जानकारी ली। भोला को गंभीर हालत में कानपुर के हैलेट अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसओ ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। वहीं सदर कोतवाली क्षेत्र के पीतांबर नगर निवासी सचिन विमल पुत्र शिव प्रसाद का कोतवाली क्षेत्र के मोती नगर मोहल्ला निवासी भूपेंद्र सिंह से जमीन के रुपये को लेकर विवाद चल रहा था। मंगलवार को भूपेंद्र ने सचिन विमल को अपने मोहल्ले बुलाया। जहां दोनों में विवाद हुआ। इसके बाद भूपेंद्र ने उसके सीने में सटाकर तमंचे से गोली मार दी। दोस्त सुभाष उसे अस्पताल लाया। सूचना पर इंस्पेक्टर क्राइम व अस्पताल चौकी प्रभारी ने जांच की। सचिन को भी जिला अस्पताल भेजा गया। निरीक्षक राजेश यादव ने बताया कि दोनों युवकों पर पहले से केस भी दर्ज है। मामले की जांच की जा रही है।

कोर्ट के निर्देश पर पत्नी समेत 5 पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के हाजीपुर चौकी के टपरा गांव में छह माह पहले फांसी पर लटके युवक की मौत के मामले में आखिरकार पुलिस ने कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार टपरा गांव निवासी फूल कुमारी के 32 वर्षीय पुत्र रामचंद्र रैदास उर्फ भूरा का शव 19 मई को घर के कमरे में साड़ी के फंदे से लटका मिला था। घटना के बाद मां ने बेटे की हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने का आरोप लगाते हुए गंगाघाट पुलिस से कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने कोई कदम नहीं उठाया। इसके बाद पीड़िता ने न्याय की गुहार लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने पुलिस को मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए। कोर्ट के आदेश पर मंगलवार को गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने मृतक की पत्नी माधुरी, प्रेम व अजय निवासी समालपुर, महेश तथा कोरारी निवासी एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ हत्या की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब घटना से जुड़े सबूत व तथ्यों की तहकीकात में जुट गई है।

जिला क्रिकेट एसोसिएशन की टीम उरई रवाना

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए रवाना होते चयनित खिलाड़ी। अमृत विचार

उन्नाव। जिला क्रिकेट एसोसिएशन जालौन द्वारा उरई में आयोजित राज्य स्तरीय अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु मंगलवार को जिला क्रिकेट एसोसिएशन की टीम उरई रवाना हुई। बता दें कि 24 नवम्बर को हुए ट्रायल में चयनित 13 खिलाड़ियों को टीम का चयन किया गया था। जिनमें आयुष जायसवाल, देवाशीष, सचिन पांडे, मानविक मिश्रा, देवांश, सुयश सिंह, ओम, आदित्य गुप्ता, प्रियांशु रावत, आकाश राठौर,अमित, अभिनव राजपूत, आकाश तिवारी का नाम शामिल है।

सुविचार

शक्ति न हो तो तुम्हारी पुकार पर कोई ध्यान नहीं देगा और न ही परवाह करेगा। कारण वे जानते हैं कि यह दुबला जीव हमारा कुछ भी बिगाड़ नहीं सकता। - डा. केशव राव बलिराम हेडगेवार

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, बुधवार 26 नवंबर 2025

कानपुर के प्रमुख समाचार

- जाति तोड़ो-विदेशी वस्तुएं छोड़ो और युवाओं को जोड़ो- II
- कानपुर विवि में गुरु तेग बहादुर शोध संस्थान जल्द- III
- जानकी और श्रीराम विवाह के दृश्य ने मन मोहा- IV

आज का मौसम

रात दिन के तापमान में आगे आने वाले दिनों में उतार चढ़ाव की संभावना है।

24.0⁰	13.0⁰
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06:36	सूर्यास्त 05:16

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

सिटी ब्रीफ

आज शाम को नहीं आएगा पानी

कानपुर। रा वॉटर पंपिंग स्टेशन भैरोघाट पर विद्युत पैनल बदलने का कार्य बुधवार को शुरू होगा। यहां 600 एमएम साइज का एम .एस बैण्ड बदलने का कार्य किया जाएगा। इससे शाम को होने वाली जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। जलकल जीएम एके त्रिपाठी ने बताया कि आम जनता सुबह होने वाली जलापूर्ति से पानी को स्टोर कर लें।

26 जनवरी से शुरू होगा मेट्रो का ट्रायल

कानपुर। आईआईटी से नौबस्ता तक मेट्रो का ट्रायल 26 जनवरी से ही शुरू होगा। इस रूट पर मेट्रो चलने के बाद आईआईटी से मोतीझील स्टेशन के आगे जाने के लिए मोतीझील पर दूसरी मेट्रो बदलनी नहीं होगी। पांच क्रॉसओवर बनकर तैयार हो चुके हैं। अभी तक मोतीझील से सेंट्रल तक क्रॉसओवर न होने से जिस लाइन पर मेट्रो जाती है, उसी से मोतीझील तक वापस आती है। भूमिगत सेक्शन में अभी 15 मिनट बाद दूसरी मेट्रो मिलती है। नौबस्ता तक मेट्रो चलने के बाद भूमिगत सेक्शन में हर पांच से छह मिनट में दूसरी मेट्रो मिलने लगेगी। अभी तीन क्रॉसओवर हैं जो आईआईटी, गीता नगर और मोतीझील मेट्रो स्टेशन में हैं।

दुकान से पार कर ले गए हजारों की नगदी

कानपुर। जाजमऊ में चोर एक दुकान की सीमेंटेड चादर तोड़कर अंदर घुसे और दुकान के गल्ले से 14 हजार रुपये पार कर ले गए। घटना के बाद पीड़ित दुकानदार ने जाजमऊ थाने में शिकायत की है। ताड़बगिया निवासी विनोद कुमार की जेके कॉलोनी में अंडे और कोल्डड्रिंक की दुकान है। विनोद के अनुसार सोमवार रात दुकान बंद कर घर चले गए थे। मंगलवार सुबह जब वह दुकान पहुंचे तो पाया कि चोर छत की सीमेंटेड चादर तोड़कर अंदर घुसे और फ्रिज से कोल्डड्रिंक निकालकर पीने के बाद गल्ले में रखे 14 हजार रुपये चोरी कर ले गए हैं। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी जाजमऊ जितेंद्र सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

फंडिंग कनेक्शन: 3 एनजीओ के खाते सीज

डॉ. शाहीन व एनजीओ के खाता धारकों के बीच मिले थे कनेक्शन, खाताधारकों के फोन बंद

आतंक के आका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आतंकी फंडिंग के लिए सामने आए तीन एनजीओ के बैंक खातों को सीज कर दिया गया। दिल्ली धमाके की आरोपी डॉ. शाहीन व डॉ. परवेज का एनजीओ के खाता धारकों के बीच कनेक्शन मिला था। इन खाताधारकों के फोन बंद है। खातों में विदेशों से भी आई रकम, जिसमें 30 फीसदी रकम रोककर 70 का बंटवारा हो गया। खातों से किए गए ट्रांजेक्शन की जांच चालू है। विदेशों से जो रकम खातों में आई और रुपयों को जिन खातों में भेजा गया उनके संपर्क शाहीन से हैं। तीनों एनजीओ के रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिए गए हैं। एनजीओ सदस्यों की जांच शुरू है।

आतंकी फंडिंग में जिन एनजीओ के नाम प्रकाश में आए, वह तीनों एनजीओ सुरक्षा एजेंसियों की जांच विंग के रडार पर हैं। तीनों एनजीओ करीब 10 साल पुराने हैं। एनजीओ के बैंक खातों में करोड़ों रुपये का लेनदेन होना सामने आया है। सुरक्षा एजेंसी की जांच विंग ने एनजीओ से जुड़े लोगों की तलाश व जांच शुरू कर दी है। एनजीओ से जुड़े वह लोग जो पहले ही छोड़ चुके हैं, उनमें भी अफरातफरी है। कारण है कि दो बैंक खाते ऐसे मिले, जिनमें बड़ी रकम का ट्रांजेक्शन नौ माह में हुआ है। इन दोनों खाता धारकों की मृत्यु हो चुकी है। दोनों की मौत पर सुरक्षा एजेंसियों को शक है और जांच तेज कर दी है। चकेरी के रहने वाले सत्यमोहन के खाते की जांच व उनके परिजनों से पूछताछ हुई। सुरक्षा एजेंसियों को पता चला कि 2011 में कौमी एकता के नाम से एनजीओ रजिस्टर्ड हुआ था। जिसमें कई लोग जुड़े थे, लेकिन रुपये का लेनदेन सत्यमोहन के खाते से होता था और उनकी मृत्यु हो चुकी है। सुरक्षा एजेंसी ने एनजीओ से जुड़े लोगों की जांच चालू कर दी है। दूसरा एनजीओ विश्व एक रूपता के नाम से 2009 में रजिस्टर्ड हुआ। इसमें 11 सदस्य हैं। अधिकांश नोएडा के रहने वाले हैं। कानपुर के आनंद प्रकाश एनजीओ के संचालक हैं। इसके खाते में भी कई बार बड़ी रकम आई है और 30 फीसद रोककर बाकी रकम ट्रांसफर हुई।

डॉ. शाहीन। अमृत विचार

- **विदेशों से भी आई रकम, 30 फीसदी रकम रोककर 70 का बंटवारा, ट्रांजेक्शन की जांच चालू**

कहां से आया कहां गया रुपया, होगी जांच

- टेरर फंडिंग में एनजीओ और डॉ. शाहीन का कनेक्शन मिलने के बाद अब सुरक्षा एजेंसियों ने खातों में रकम कहां से आई और कहां गई। इसकी जांच तेज है। एजेंसियों के अनुसार रकम के आने व जाने का खुलासा महत्वपूर्ण होगा। जिसमें बैंक कर्मियों और रजिस्ट्रार ऑफिस के कर्मचारियों के साथ उन लोगों के शामिल होने की बात सामने आएगी कि किसके खातों में ट्रांजेक्शन हुआ।

डॉ. शाहीन को लखनऊ ले जाने की रही चर्चा

- एनआईए के द्वारा मंगलवार को डॉ. शाहीन को लखनऊ, कानपुर व सहारनपुर ले जाने की चर्चा रही, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं है। सूत्रों के अनुसार लखनऊ के इंटिग्रल यूनीवर्सिटी में डॉ. शाहीन को ले जाया गया। एनआईए की टीम उससे यह जानने की कोशिश कर रही है कि वह लखनऊ, कानपुर व सहारनपुर में किन लोगों के संपर्क में थी और परवेज को किसने कार खरीद कर दी थी।

दुबई व थाइलैंड में दी जाती थी ट्रेनिंग

- शाहीन जिन डॉक्टरों को अपने नेटवर्क में शामिल होने के लिए तैयार करती, उसे दुबई, थाईलैंड और अन्य देशों में ट्रेनिंग दी जाती थी। जिसमें विभिन्न प्रकार के बम बनाने की भी ट्रेनिंग शामिल है। इसके लिए सामग्री उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी शाहीन के संपर्क वाले डॉक्टरों व आतंकियों की थी। यहीं कारण है कि एनआईए उसका नेटवर्क खंगालने के लिए रिमांड पर लखनऊ और कानपुर से लेकर सहारनपुर तक के उसके संपर्कों को जानने की कोशिश करेंगी। रिमांड के दौरान व सख्त सुरक्षा में होगी।

टेरर फंडिंग में कैसे करते एनजीओ का इस्तेमाल

ऐसे क्रियाकलापों के लिए पुराने एनजीओ पर नजर रखी जाती है। 20 से 30 साल पहले के रजिस्टर्ड एनजीओ की फाइलें निकलवाकर उसका इस्तेमाल किया जाता है। यानी जो लोग जीवित नहीं हैं, उनके नाम से बैंक खाता चलता रहता है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार एनजीओ कार्यकारिणी की बैठक और नवीनीकरण पहले हर साल होता था और अब पांच साल में होता है। कई दशक पहले शुरू एनजीओ अगर किसी वजह से नहीं चल पाए तो सदस्य बंद कर देते हैं। वहीं जिनके मंसूबे ठीक नहीं होते वह रजिस्ट्रेशन ऑफिस से संपर्क कर एनजीओ को चालू करा लेते हैं।

1044 भूखंडों को खरीदने के लिए बढ़ाया गया समय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केडीए की विभिन्न योजनाओं में निकले आवासीय व व्यवसायिक 1044 भूखंडों को खरीदने की तिथि बढ़ गई है। केडीए की अलग-अलग योजनाओं में 580 भूखण्डों को ई-ऑक्शन के माध्यम से खरीदने की तारीख अब 9 दिसंबर तक हो गई है। इसी तरह शताब्दी नगर सेक्टर-3, जवाहरपुरम सेक्टर-1, 1ए एवं 4 योजना के 464 भूखंडो की लॉटरी के लिए निर्धारित की गई तारीख को भी 9 दिसंबर तक कर दिया गया है। इससे पहले यह सीमा 25 नवंबर तक ही थी। केडीए अधिकारियों के अनुसार आम जनमानस की ओर से लगातार डिमांड बढ़ रही थी जिसकी वजह से समय बढ़ाया गया है।

केडीए ने शताब्दी नगर और जवाहरपुरम योजना में 464 भूखंडों के लिए आवेदन मांगे थे। भूखंड को लॉटरी के माध्यम से लिया जा सकेगा। दोनों ही सेक्टर वाइज योजनाओं में 60 वर्गमीटर से लेकर 300 वर्गमीटर तक के भूखंड निकाले गए। सबसे अधिक दाम शताब्दी नगर सेक्टर-3 के भूखंडों का है। 70 हजार रुपये की दर से प्रतिवर्ग मीटर जमीन खरीदी जा सकेगी। वहीं, सबसे कम 36900 रुपये प्रतिवर्ग मीटर जमीर जवाहरपुरम योजना में रखी गई है। लॉटरी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए शहरवासियों को 25 नवंबर तक भाग लेने के लिए समय दिया गया था, लेकिन अब इसे अब 9 दिसंबर तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह महावीर नगर विस्तार योजना में नर्सरी स्कूल, नर्सिंग होम, शताब्दी नगर योजना में पेट्रोल पंप, मंदाकिनी इन्क्लेव में नर्सिंग होम, पनकी भौसिंह में व्यवसायिक के साथ ही पनकी, कैटिल कॉलोनी, न्यू ट्रांसपोर्ट नगर, सुजातगंज, स्वर्णजयंती विहार, बर्रा-2, तात्याटोपे नगर, यूपीयूडीपी कारगिल पेट्रोल पंप के पास होटल, मिक्स यूज, ग्रुप हासिंग भूखंडों को लेने के लिए ई-ऑक्शन की डेट 9 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। इससे पहले 25 नवंबर शाम 5 बजे तक ही ई-ऑक्शन में भाग लेने का समय था।

- **केडीए के भूखंडों को लेने के लिए ई-ऑक्शन व लॉटरी की डेट बढ़ी**

हरियाली निगल गया प्रदूषण, गमले ले गए लोग

प्रदूषण ने निगली हरियाली तो नगर निगम खा गया गमले। यह फजलगंज स्थित नगर निगम विभाग का कार्यालय जोन नंबर 6 की हरित पट्टी दीवार है जिसमें प्लास्टिक के गमले लगाए गए थे और उनमें पौध लगे थे। लेकिन शहर की दूषित हवा से फैले प्रदूषण ने हरियाली का गला घोंट दिया और जो गमले बचे थे उनमें से आधे से अधिक गायब हो गए। ● मनोज तिवारी

जरीब चौकी से रामादेवी तक अंधेरे में सड़क

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **खराब स्ट्रीट लाइटों व पॉवर कट की वजह कारण राहगीरों की परेशानी बढ़ गई है**
- **पावर सप्लाई में रुकावट और कम वोल्टेज की वजह से आ रही समस्या**

अमृत विचार। शहर की व्यस्ततम जीटी रोड पर अंधेरा है। खराब स्ट्रीट लाइटों व पॉवर कट की वजह कारण राहगीरों की परेशानी बढ़ गई है। जरीब चौकी से रामा देवी चौराहे तक करीब आठ किलोमीटर लंबे खंड में लगी सैकड़ों लाइटें लगातार जल-बुझ रही हैं। कभी पूरा मार्ग अचानक घनघोर अंधेरे में डूब जाता है, तो अगले ही पल तेज रोशनी झटके से लौट आती है। समस्या के चलते ठंड की राते राहगीरों के लिए और मुसीबत भरी हो गई हैं।

जीटी रोड पर रोजाना लाखों वाहन गुजरते हैं, लेकिन, स्ट्रीट लाइटों की खराबी दुर्घटनाओं की आशंका को दोगुना कर रही हैं। सीओडी पुल के ऊपर और नीचे दोनों तरफ लगी लाइटों के अनियमित रूप से जलने-बुझने से वाहन चालकों को सड़क का अंदाजा लगाने में कठिनाई हो रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई महीनों से समस्या बनी हुई है, बावजूद इसके नगर निगम या बिजली विभाग की ओर से कोई ठोस सुधार नहीं हुआ। राहुल और राकेश गुप्ता ने बताया कि कई बार शिकायत की गई, मगर स्थिति जस की तस बनी हुई है।

लोग आशंकित हैं कि टिमटिमाती लाइटें किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकती हैं। नगर निगम के मार्ग प्रकाश के अधिकारी विद्यासागर ने बताया कि जीटी रोड पर पावर सप्लाई में रुकावट और कम वोल्टेज की वजह से लाइटें बार-बार बंद हो रही हैं। खासकर रेलबाजार से सीओडी पुल तक वोल्टेज की समस्या सबसे अधिक है। उन्होंने बताया कि केसा विभाग से समन्वय कर नए ट्रांसफार्मर की स्थापना की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ट्रांसफार्मर लगते ही बिजली आपूर्ति सामान्य हो जाएगी और सभी स्ट्रीट लाइटें नियमित रूप से जलने लगेंगी।

जीटी रोड में रात के समय बंद स्ट्रीट लाइट। अमृत विचार

भीड़ में लटके युवक की ट्रेन से गिरकर गई जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **ट्रकों की चेचिस डिलीवरी करने छत्तीसगढ़ गया था युवक**
- **लौटते समय गोविंदपुरी पर गिरा हरदोई का रहने वाला था**

अमृत विचार। छत्तीसगढ़ से लौट रहे युवक की गोविंदपुरी स्टेशन पर ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। घरवालों ने बताया कि तीन दिन पहले युवक ट्रकों की चेचिस की डिलीवरी करने छत्तीसगढ़ गया था। ट्रेन में भीड़ के कारण गेट पर खड़े होकर सफर करते समय गिरने से जान गई हैं।

मूलरूप से हरदोई के आलूथोक निवासी 41 वर्षीय चंद्र कुमार उर्फ अभय रुद्रपुर स्थित फर्म से ट्रकों की चेचिस डिलीवरी करने का काम करते थे। परिवार में पत्नी शशिकला व तीन बेटियां, नीशू, नव्या, छुटकी व एक बेटा अर्थव है। परिजनों ने बताया कि तीन दिन पहले अभय चेचिस की डिलीवरी करने के लिए छत्तीसगढ़ गए थे। वहां से ट्रेन से लौट रहे थे। घरवालों को फोन करके उसने यह जानकारी दी थी। सोमवार को अभय की बेटी ने फोन किया तो किसी अनजान ने उठाया और हादसे की खबर दी। ट्रेन से गिरने का पता चलने पर परिजन कानपुर आए। अभय का शव देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

परिजनों ने बताया कि ट्रेन में भीड़ होने के कारण अभय खड़े होकर सफर कर रहे थे। स्टेशन पर रुकने के लिए धीमी हो रही थी, तभी लोग खिड़की के पास आकर खड़े हो गए। तभी धक्का लगने से अभय नीचे जा गिरे। जीआरपी व आरपीएफ ने उसे हैलट में भर्ती कराया जहां, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर, जल्दी करें

कानपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने मतदाताओं से अपील की है कि गणना प्रपत्र जमा करने का इंतजार नहीं करें। 4 दिसंबर 2025 फार्म जमा करने की अंतिम तारीख है, ऐसे में तुरंत बीएलओ को फार्म भरकर दें। जिलाधिकारी ने कहा है कि सभी 10 विधानसभाओं में इन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण लगभग पूर्ण हो चुका है और बीएलओ इनके डिजिटाइजेशन का कार्य तेजी से कर रहे हैं जिससे मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित तैयार किया जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि डिजिटाइजेशन और सबमिशन की अंतिम तिथि 4 दिसंबर है और अब कुछ ही दिन शेष हैं, वर्तमान में कुल वितरित फॉर्मों में से एक तिहाई से अधिक फॉर्म डिजिटाइज हो चुके हैं, किंतु बड़ी संख्या में मतदाता अब भी अपने भरे हुए फॉर्म बीएलओ को जमा नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि ड्राफ्ट रोल में नाम के प्रकाशन के लिए इन्यूमरेशन फॉर्म का जमा होना अनिवार्य है। फॉर्म भरना सरल है क्योंकि गणना प्रपत्र में नाम, पता और फोटो पहले से दर्ज हैं। मतदाताओं को केवल आवश्यक विवरण, विशेषकर वर्ष 2000 से 2003 के बीच की अपनी या परिवार की उपलब्ध जानकारी भरनी होती है। यदि किसी को फॉर्म भरने में कठिनाई हो तो वे हस्ताक्षरित फॉर्म बीएलओ को सौंप दें।

गलत खोदाई का आरोप पार्षद ने काम रुकवाया

अधिकारियों से पार्षद व पूर्व पार्षद विरोध जताते हुए। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **किदवई नगर में सीएम ग्रिड योजना के तहत चल रहा है काम**

अमृत विचार। किदवई नगर में सीएम ग्रिड योजना के तहत चल रहे काम में पार्षद ने गलत तरीके से खोदाई करने का आरोप लगाते हुए अधिकारियों से विरोध जताया और काम रुकवा दिया। पार्षद ने महापौर के माध्यम से सीएम को शिकायत करने की बात कही।

किदवई नगर में सीएम ग्रिड योजना के तहत नाला खोदाई का काम चल रहा है। ठेकेदार ने नाले के लिए टेड़े मेढ़े तरीके से खोदाई की है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पार्षद शालू कन्नौजिया और पूर्व पार्षद सुनील मौके पर पहुंचे तो कर्मचारियों से नोकझोंक होने लगी। इधर, जोन तीन नगर निगम के सहायक अभियंता योगराज सिंह पहुंचे। इस दौरान पार्षद शालू पूव पार्षद सुनील कनौजिया ने अधिकारियों से कहा कि जगह-जगह काम के गुणवत्ता की शिकायत सही तरीके से ड्राइंग के आधार पर काम न करना और विकास कार्य की जगह जन सुविधाओं को बाधित करना जैसे तमाम अनियमिताओं को फर्म द्वारा अपनाया जा रहा है। खोदाई में कहीं 10 फीट तो कहीं 10 फुट बाहर नाला और नाली खोद दिया गया है। इस दौरान पार्षद ने काम बंद करवा दिया।

जय सिया राम | रामंदिर में हुए कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया, हनुमान चालीसा का पाठ किया

आंदोलन, बलिदान और न्याय का प्रतीक है राम मंदिर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अयोध्या में श्रीराम मंदिर आंदोलन, बलिदान और न्याय का प्रतीक है। करोड़ों सनातनियों की आस्था, संघर्ष, कारसेवकों के बलिदान, न्याय और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की कथा है। पांच दशकों के लंबे संघर्ष और इंतजार के बाद आज वो शुभ घड़ी आ गई, जब देश-दुनिया के आस्था के केंद्र प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में भव्य राम मंदिर पूरा हो गया। जूही हनुमान मंदिर प्रांगण में राममंदिर में हुए ध्वजारोहण कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के दौरान भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल अनुष्ठान नहीं है। बाबर की शह पर 1528 में रामनगरी में जिस मंदिर को तोड़ दिया गया था, वहीं भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण की पांचवी सदी से चली आ रही प्रतीक्षा समाप्त होने का ऐतिहासिक पल आ गया है। मंगलवार को एलईडी पर अयोध्या में पीएम नरेंद्र मोदी के ध्वजारोहण कार्यक्रम को देखा गया। तालियों की गड़गड़ाहट और जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा पंडाल गूंजने लगा। पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया और साधु संतों को सम्मानित किया गया। एमएलसी अरुण पाठक, भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, विधायक महेश त्रिवेदी, अनीता गुप्ता, रघुनंदन भदौरिया, जसविंदर सिंह, सुरेन्द्र तिवारी ,गणेश शुक्ला, अनुराग शुक्ला , अरविन्द वर्मा, बिट्टू परिहार, दीपांकर मिश्रा, विनीत दुबे, दीपू पासवान आदि मौजूद रहे।

जुही डिपो स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में लाइव प्रसारण देखते भाजपा नेता। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

बीमारी से परेशान होकर फांसी लगाकर दी जान

कानपुर। नौबस्ता के मछरिया निवासी 58 वर्षीय बृजेश बुक स्टॉल संचालक थे। परिवार में पत्नी शांति, दो बेटे रूपेंद्र व भूपेंद्र हैं। रूपेंद्र जम्मू में सीआरपीएफ में हेड कांस्टेबल हैं। उन्होंने बताया कि पिता बृजेश बीपी व शुगर की बीमारी से पीड़ित थे। जिसका एक साल से इलाज चल रहा था, लेकिन लाभ न मिलने से पिता तनाव में रह रहे थे। सोमवार रात पिता खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने गए थे। मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे मुख्यद्वार में लगी जाली से रस्सी बांधकर उन्होंने फांसी लगाकर जान दे दी। बेटे के अनुसार बीमारी से परेशान होकर पिता ने आत्महत्या की है।

बृजेश।

तमंचे संग फोटो वायरल करने वाला गया जेल

कानपुर। चकेरी में तमंचे के साथ अपनी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। चौकी प्रभारी चंद्र प्रकाश मिश्रा ने बताया कि कुछ दिन पहले एक युवक की तमंचे के साथ अपनी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल की थी। उसकी तलाश की जा रही थी। सोमवार देर रात को सूचना के आधार पर आरोपी काजीखेड़ा निवासी सागर चौहान को पकड़ा गया। चौकी प्रभारी ने बताया कि आरोपी इलाके में वर्चस्व के लिए तमंचा लगाकर घूमता था। उसके पास से एक तमंचा और कारतूस बरामद किया गया है। आरोपी को जेल भेजा गया है।

हादसे में घायल महिला की जान गई

कानपुर। पनकी पड़ाव निवासी अमित कठेरिया ने बताया कि 13 नवंबर को वह पत्नी कंचन देवी को लेकर बाइक से मौसरी बहन को देखने अस्पताल जा रहे थे। तभी पनकी पड़ाव के पास ब्रेकर पर बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल कंचन का बीते 13 नवंबर को हैलट में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मंगलवार सुबह मौत हो गई। मां की मौत पर बच्चों में चीख-पुकार मच गई।

घायल मजदूर की इलाज के दौरान मौत

कानपुर। चकेरी के सावित्रीनगर में कमरे की छत तोड़ते समय गिरने से तीन मजदूर घायल हो गए थे। पुलिस ने तीनों को हैलट में भर्ती कराया था। जहां एक मजदूर की इलाज के दौरान मौत हो गई। जगई पुरवा निवासी अरविंद कुमार पाल का सनिगवां स्थित सावित्रीनगर में प्लाट है। सोमवार सुबह महाराजपुर के रूमा निवासी राजाराम, तकदीर अली और नर्वल के पाली बेहटा निवासी 40 वर्षीय सोमनाथ कमरे की छत को तोड़ने का काम कर रहे थे। तभी छत अचानक तीनों मजदूरों पर गिर गई थी। पुलिस ने तीनों को हैलट में भर्ती कराया था। मंगलवार तड़के इलाज के दौरान सोमनाथ की मौत हो गई। थाना प्रभारी चकेरी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि छत तोड़ते समय हादसा हुआ था। परिजनों से तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जहरीला पदार्थ खाने से महिला मृत

कानपुर। चकेरी के कोयलानगर स्वर्ण जयंती विहार निवासी राजू की 35 वर्षीय पत्नी लक्ष्मी ने सोमवार को जहरीला पदार्थ खा लिया था। गंभीर हालत में परिजनों ने उन्हें हैलट अस्पताल में भर्ती कराया था। जहाँ मंगलवार सुबह इलाज के दौरान लक्ष्मी की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

जाति तोड़ो-विदेशी वस्तुएं छोड़ो और युवाओं को संघ से जोड़ो

आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समझा गए सनातन के सूत्र

विशेष संवाददाता, कानपुर

- पंचपरिवर्तन अभियान की समीक्षा, एसआईआर पर भी बात की
- बस्तियों पर फोकस करने पर दिया जोर, घर-घर जाकर वितरित किए भारतमाता के चित्र
- संघ और इसकी विचारधारा से जुड़कर जनसेवा का आह्वान किया

अमृत विचार। अपने दिन दिन प्रवास के दौरान आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान चल रहे कार्यक्रमों की समीक्षा की और कहा कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़ें। बैठक में उन्हें पंचपरिवर्तन से जुड़े कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी गई। इसके जवाब में उन्होंने तेजी लाने के निर्देश दिए। कहा कि महिलाओं और युवाओं के साथ बस्तियों पर भी फोकस करें। उन्होंने एसआईआर पर भी विस्तार से बात कि और विचार जाने कि इसका क्या प्रभाव है और आगे क्या असर होगा। समन्वय बनाकर काम करने पर ज़ोर दिया। कहा कि शाखाओं की संख्या बढ़ाएं, संपर्क करें और घर-परिवार के बीच बैठक कर संघ, शाखा और कार्यक्रमों का महत्व बताएं। जातिवाद को खत्म करने के लिए जागरूक करें, क्योंकि यह वह विष है तो हिंदू एकता को कमजोर करता है।

दत्तात्रेय होसबाले।

सर कार्यवाह होसबाले ने प्रमुख समाजसेवियों और विभिन्न पेशे से जुड़े प्रमुख लोगों से मुलाक़ात की और उनसे उनके विचार जानने के साथ ही उनसे जातिवाद खत्म करने और देश को विकास के रास्ते पर ले जाते हुए मजबूत करने की बात कही। उन्होंने मर्चेंट चैम्बर सभागार में मातृशक्ति को सम्बोधित करते हुए कहा कि वह चाह लें, तो कोई विदेश वस्तु घर नहीं आ सकती। स्वदेशी का व्रत लें। सर कार्यवाह होसबोले ने बेनाझाबर के पास बस्तियों में भारतमाता के चित्र बांटे। युवाओं को संघ का महत्त्व बताया और इससे जुड़ने की बात कही। युवाओं के सम्मेलन करवाने और संघ की विचारधारा से जोड़ने को कहा। बैठक में प्रान्त प्रचारक श्रीराम, प्रान्त संघचालक भवानी भीख, सह प्रान्त प्रचारक मुनीश, प्रान्त कार्यवाह रामकेश, विभाग संघ चालक श्यामबाबू गुप्ता, विभाग प्रचारक बैरिस्टर सहित संघ के और भी पदाधिकारी मौजूद रहे।

संयुक्त परिवार की प्राचीन पद्धति अपनाएं

कानपुर। उन्होंने कहा कि प्रथम गुरु मां होती है और उसके सिखाए संस्कार परिवार का शक्ति देते हैं और फिर देश मजबूत होता है। परिवार साथ में बैठ कर भोजन करे। एकाकी परिवार नहीं, अब संयुक्त परिवार की प्राचीन पद्धति अपनानी होगी। घरों में कैकटस और रबर के नहीं, तुलसी के पौधे लगाएं, जो हमारी सनातन जुड़े सुख-शांति के आधार हैं। उन्होंने बीएनएसडी शिक्षा निकेतन में बैठक के दौरान कहा कि पंचपरिवर्तन तभी आकार ले पाएगा, ज़ब समाज का प्रत्येक व्यक्ति इसके नियम जीवन में उतरेगा और समाज का विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व कर रहे लोगों की जिम्मेदारी है कि वे इस विषय को आगे बढ़ाएं।

पार्ट टाइम जॉब के झांसे में लेकर सात लाख ठगे

कानपुर। हनुमंत विहार में पार्टटाइम जॉब का झांसा देकर साइबर ठगों ने सात लाख रुपये हड़प लिए। ठगों ने युवक को टेलीग्राम एप के जरिए फंसाया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। खाड़ेपुर निवासी अजीत सिंह परिहार ने बताया कि टेलीग्राम एप के जरिए उनके पास तान्वी नामक एक अनजान का मोबाइल पर मैसेज आया था। बातचीत के दौरान उसने पार्टटाइम जॉब का ऑफर दिया। मना करने पर कहा कि ट्राई कर लो। इस पर वह ग्रुप में जुड़ गए। शुरुआत में 850 रुपये खाते में आए। उसके बाद 10 हजार रुपये जमा करने को कहा। तान्वी ने बताया कि 2500 रुपये कंपनी निवेश करेगी। बातों में आकर 7499 रुपये निवेश किया तो 12661 रुपये मिल गए। फिर 10 हजार रुपये निवेश करने पर 13 हजार रुपये मिले। फिर बताया गया कि कंपनी का वार्षिकोत्सव है, ज्यादा निवेश पर अधिक मुनाफा है। लालच में आ गए और तीन बार में सात लाख रुपये जमा कर दिए। और रुपयों की मांग हुई। ग्रुप से हटा दिया गया। हनुमंत विहार थाना प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

शराब के नशे में गिरकर अधेड़ व युवक की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जूही गढ़ा निवासी 40 वर्षीय प्रिंस चप्पल कारखाने में काम करता था। परिवार में मां सुशीला देवी, तीन भाई श्याम, राहुल और राम हैं। राहुल ने बताया कि मंगलवार सुबह पांच बजे प्रिंस ने मां से पैसे लिए और शराब पीने चला गया था। राखी मंड रोड पर शराब पीकर आ रहा था, तभी लड़खड़ाकर गिर गया। नाली में सिर चला गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं नौबस्ता निवासी 58 वर्षीय शराब के लती पप्पू श्रीवास्तव की भी नशे की हालत में गिरने से मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि लत के कारण ही पप्पू का पत्नी से अनबन चल रही थी। वह बच्चों के साथ शास्त्रीनगर में किराए पर रहने लगी थीं। परिजनों ने बताया कि सोमवार शाम पप्पू शराब पीकर आए और सड़क पर गिर पड़े। सिर पर चेहरे पर गंभीर चोट आई। क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

संदिग्ध हालात में दरोगा की मौत

कानपुर। हनुमंत विहार निवासी 35 वर्षीय दरोगा आशीष सिंह की झांसी के शिवपुरी थाने में तैनाती थी। परिजनों ने बताया कि पत्नी से तलाक के बाद आठ साल से वह बच्चे के साथ अलग रह रहे थे। नौकरी के दौरान एक अक्टूबर को उनके पेट में इंफेक्शन हो गया था। जांच में पीलिया की पुष्टि हुई। इसके बाद 26 अक्टूबर को इलाज के लिए घर आए और रीजेंसी में इलाज चला। कुछ दिन बाद फिर झांसी चले गए। दवाओं से लाभ न होने पर परेशान रहते थे। अचानक हालत बिगड़ने पर सोमवार रात उन्हें फिर रीजेंसी में भर्ती किया गया। जहां देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई।

अखिलेश दुबे पर रिपोर्ट दर्ज कराने वाले पर मुकदमा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पीड़ित चाचा-भतीजे ने आरोपी दंपती व अधिवक्ता समेत चार को कराया नामजद
- एक करोड़ 20 लाख में प्लाट का हुआ था सौदा, दो चेक से दिए 24 व 16 लाख

अमृ विचार। किदवईनगर में दंपती व अधिवक्ता समेत चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी कर 44 लाख रुपये हड़पने की रिपोर्ट दर्ज हुई है। धोखाधड़ी का शिकार हुए उस्मानपुर के रहने वाले पीड़ित चाचा-भतीजे ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की थी। एक एनजीओ का पदाधिकारी है। जिसने अधिवक्ता अखिलेश दुबे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसे पत्नी समेत आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने जांच शुरू की है।

उस्मापुर कालोनी निवासी आर्डिनेंस फैक्ट्री से सेवानिवृत्त जितेंद्र नाथ श्रीवास्तव ने बताया कि उनके भतीजे आशीष की दोस्ती नौबस्ता के आवास विकास हंसपुरम में रहने वाले प्रापर्टी डीलर अंकित शर्मा से थी। अंकित ने 2022 में उनकी मुलाकात अपने जीजा आवास विकास निवासी शैलेंद्र कुमार से कराई थी। उन्होंने साकेतनगर में एक 200 वर्ग का प्लाट बिकाऊ बताया और कहा कि उसे खरीद लें। प्लाट के तीन लोग मालिक है, जिनसे उनकी बात हो चुकी है। एक करोड़ 20 लाख रुपये में प्लाट का सौदा तय हुआ। इसके बाद शैलेंद्र ने बताया कि उन्होंने एक तिहाई हिस्सा खरीद रखा है। बाकी हिस्सा खरीदने को लेकर बात चल रही है। रुपयों की मांग होने पर उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना लिखापढ़ी के रकम देना संभव नहीं है और मना कर दिया। इस पर उनके अधिवक्ता गोविंदनगर निवासी अजय प्रकाश अग्निहोत्री ने कहा कि वह एक तिहाई हिस्से का भुगतान करके रजिस्ट्री करवा लें। इस पर राजी होकर चेक से 24 लाख और 16 लाख रुपये भुगतान करके एक तिहाई हिस्से की रजिस्ट्री करवा ली। इतना ही अंकित ने 50 हजार रुपये दलाली भी ली। कुछ दिन बाद बाकी हिस्से के लिए बतौर बयाना चार लाख और लिया और फिर रजिस्ट्री करने को लेकर टरकाने लगे। करीब दो साल बीतने के बाद शैलेंद्र ने उन्हें फोन किया और कहा कि उनकी रजिस्ट्री गलत हो गई है। वह उनकी रकम ब्याज सहित वापस कर देंगे, लेकिन रुपये वापस नहीं किए। शैलेंद्र का कामकाज देखने वाली उनकी पत्नी से संपर्क किया तो उन्होंने भी टरका दिया। दबाव बनाने पर धमकाने लगे। इस पर पुलिस से शिकायत की। किदवईनगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है।

बीएलओ ऑफ द डे बने प्रमोद कुमार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृ विचार। एसआईआर कार्य में विधानसभा घाटमपुर के बीएलओ प्रमोद कुमार सचान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपने बूथ पर शत-प्रतिशत वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन का कार्य निर्धारित समय से 9 दिन पहले ही पूरा कर लिया। इस अनुकरणीय कार्य को देखते हुए उन्हें एसडीएम घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह ने सम्मानित किया। बीएलओ प्रमोद कुमार सचान, जो प्राथमिक पाठशाला मोतीपुर, भाग सं. 89 के बीएलओ हैं, पिछले 10 वर्षों से अधिक समय से बीएलओ का दायित्व निभा रहे हैं। बूथ पर पंजीकृत 646 मतदाताओं के संबंध में गणना प्रपत्रों का वितरण, पुनः प्राप्ति और संपूर्ण डिजिटाइजेशन

एसडीएम घाटमपुर ने बीएलओ का सम्मान किया। अमृत विचार

उन्होंने पूरी जिम्मेदारी, पारदर्शिता और अनुशासन के साथ सम्पादित किया। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि समय से पहले कार्य पूर्ण करना न केवल दक्षता का संकेत है, बल्कि निर्वाचन कार्यों के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का भी उदाहरण है।

शव सड़ने से स्पष्ट नहीं हो सका मौत का कारण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सचेंडी में नाले में मिला शव सड़ने के कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया। कैंधा बाजार में देशी शराब ठेके के पास नाले में एक दिन पहले 40 वर्षीय युवक का शव मिला था। शव करीब छह दिन पहले की होने की पुष्टि हुई है। वहीं परिजनों का आरोप है कि थाने में शिकायत करने पर गुमशुदगी नहीं दर्ज की गई। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर कार्रवाई हुई।

रायपुरवा के कारवालोनगर निवासी 40 वर्षीय अखिलेश विश्वकर्मा इलेक्ट्रीशियन और प्राइवेट नौकर भी करता था। परिवार में मां हीरावती, पत्नी कंचन, एक बेटा वंशु व दो बेटियां वंशिका और दीपाली हैं। छोटा भाई कमलेश ने बताया कि 18 नवंबर की सुबह अखिलेश कैंधा निवासी अपने दोस्त प्रेमनाथ और मनोज से मिलने जाने की बात कहकर घर से निकला था। यह बात उसकी पत्नी ने बताया। घर न पहुंचने पर दोस्तों से पूछताछ की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। आरोप है कि अगले दिन थाने में सुनवाई न होने पर पुलिस कमिश्नर के आदेश पर सचेंडी गुमशुदगी दर्ज कराई। इसके बाद सोमवार को कैंधा बाजार के पास मिले शव की शिनाख्त अखिलेश के रूप में हुई। परिजनों का आरोप है कि जिस दिन वह घर से निकले थे, उसी दिन हत्या कर शव फेंक दिया था। पुलिस टरकाती रही।

अस्पताल संचालक समेत 34 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

- नया शिवली रोड स्थित अस्पताल में दबंगों ने की थी मारपीट

कल्याणपुर। कल्याणपुर में एक दबंग हॉस्पिटल संचालक ने साथियों के साथ नया शिवली रोड स्थित अस्पताल में घुसकर वहां के संचालक समेत कर्मचारियों को पीटते हुए वहां जमकर तोड़फोड़ की। पीड़ित अस्पताल संचालक की तहरीर पर पुलिस ने दबंग अस्पताल संचालक समेत 34 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

जवाहर नगर निवासी मनीष कुमार वर्मा नई शिवली रोड पर मां चाइल्ड हास्पिटल चलाते हैं। मनीष के मुताबिक सोमवार रात वह अस्पताल में मौजूद थे। तभी वहां अपने 30 अज्ञात साथियों के साथ पहुंचे बेबी पैराडाइज हास्पिटल संचालक अमित कनौजिया, गोलू यादव, पवन राजपूत व अनुज कनौजिया अस्पताल का गेट तोड़कर अंदर घुस आए। आरोप है कि विरोध करने पर दबंगों ने मनीष वर्मा व उनके सहयोगी रितिक कटियार पर लात-घूंसों व बेल्ट से हमला बोल दिया। पूरी घटना वहां लगे सीसी कैमरे में कैद हो गई। कल्याणपुर इंस्पेक्टर राजेंद्र कांत शुक्ला ने बताया कि घटना के संबंध में चार नामजद व 30 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित अस्पताल संचालक को गिरफ्तार अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है।

प्रवास | 17 जिलों के भाजपा नेता शामिल, 29 नवंबर को पहुंचेंगे

प्रतिनिधिमंडल गुजरात के लिए हुआ रवाना

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

कानपुर सेंट्रल से रवाना हुए नेता। अमृत विचार

अमृत विचार। भाजपा युवा मोर्चा कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष सुनील साहू के नेतृत्व में मंगलवार को युवा प्रतिनिधि गुजरात यात्रा के लिए रवाना हुए। दोपहर 2 बजे कानपुर सेंट्रल और झांसी महानगर कुल 17 जिलों के 39 यूथ डेलीगेट्स शहर से निकले। मुख्य अतिथि प्रकाश पाल और रघुनंदन भदौरिया, अनिल दीक्षित, शिवराम सिंह ने पटका, टोपी और माल्यार्पण कर सभी को सम्मानित कर रवाना किया।

भाजयुमो क्षेत्रीय अध्यक्ष सुनील साहू ने बताया कि 26 नवंबर को यह यात्रा भारत सरकार युवा मंत्रालय के संसाधनों से 26, 27, 28, 29 नवंबर को विभिन्न पड़ाव और कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए युवा प्रतिनिधि 29 नवंबर की शाम तक गुजरात पहुंचेंगे। 30 नवंबर व 1 दिसंबर दो दिन गुजरात में हो रही पदयात्रा में सहभागिता करेंगे 2 दिसंबर को यात्रा से निकलकर युवा मंत्रालय द्वारा सभी युवा प्रतिनिधि उपलब्ध कराए गए संसाधनों से स्टैचू ऑफ यूनिटी के दर्शन करेंगे।

इस जत्थे की देखरेख के लिए झांसी इंचार्ज ओम बिहारी भार्गव, शशांक गुरुनानी और कानपुर इंचार्ज सौरभ पटेल को जिम्मेदारी सौंपी गई। युवा प्रतिनिधि बड़ोदरा पहुंचकर अपने निवास स्थान कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र को आएंगे। इस दौरान खेमराज शर्मा, मनीष बाजपेई, सचिन शुक्ला, शिवेंद्र सिंह, उज्जवल जायसवाल, राम जी शुक्ला, शिखा मिश्रा, साहिल श्रीवास्तव, पंकज सिंह, सुशील राजपूत, सुनील राठौर आदि रहे।

आपका स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता

नारायना हॉस्पिटल

सुपर स्पेशियालिटी - 1050 बेड सुसज्जित अस्पताल

(इकाई नारायना मेडिकल कॉलेज)

गंगागंज, पनकी कानपुर

द्वारा आयोजित

फ्री हेल्थ चेकअप कैंप

18 नवम्बर से 31 दिसम्बर 2025 तक

स्थानः नारायना हॉस्पिटल परिसर

समयः प्रातः 8 बजे से शाम 6 बजे तक

फोन करके अपना रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित कर लें

Mob.:7800007704, 7800007705

पंजीकरण के समय आधार कार्ड और रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर अवश्य लाएं

सभी विभागों द्वारा निःशुल्क परामर्श

अब हर रोगी की पहुँच में उत्तम सर्जरी, अच्छा इलाज, आधुनिक सुविधाएं युक्त सरकारी एवं किफायती दरों पर

अत्याधुनिक तकनीक और अनुभवी सर्जनों के साथ सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध

- सामान्य प्रसव ₹3,000
- ऑपरेशन विधि द्वारा डिलीवरी ₹10,000
- बड़े चीरे द्वारा बच्चेदानी का ऑपरेशन ₹15,000
- बिना चीरे द्वारा बच्चेदानी का ऑपरेशन ₹12,000
- दूरबीन विधि द्वारा ऑपरेशन ₹25,000
- दूरबीन द्वारा नसबंदी ₹5,000
- कॉल्पोस्कोपी ₹1,000

नाक, कान, गला का ऑपरेशन

- कान के पर्दे का ऑपरेशन ₹10,000
- कान के पर्दे + मास्टॉइड का ऑपरेशन ₹12,000
- नाक की हड्डी सीधी करने का ऑपरेशन ₹10,000
- टॉन्सिल निकालने का ऑपरेशन ₹10,000
- साइनस का एंडोस्कोपी वाला ऑपरेशन ₹12,000
- सांस की नली में छेद बनाना ₹8,000
- जबड़े के नीचे वाली लार ग्रंथि निकालना ₹10,000
- थायरॉइड का ऑपरेशन ₹15,000
- मुँह की बायोप्सी + CECT जाँच ₹5,000

आर्थोपेडिक्स के प्रमुख ऑपरेशन

- फ्रैक्चर / जोड़ से संबंधित ऑपरेशन
- कूल्हा प्रत्यारोपण
- घुटना प्रत्यारोपण
- दूरबीन विधि से घुटने/कंधे के लिगामेंट का ऑपरेशन
- कंधा प्रत्यारोपण
- रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन
- स्लिप डिस्क
- रीढ़ की नसों का दबाव कम करने का ऑपरेशन
- स्पोर्ट्स इन्जरी का ऑपरेशन
- जन्मजात बच्चे में विकृतियां सुधार का ऑपरेशन
- लिगामेंट टेंडन रिपेयर ऑपरेशन
- हाथ-पैर के छोटे-छोटे जोड़ का ऑपरेशन

न्यूरो विभाग के ऑपरेशन

- ब्रेन ट्यूमर का ऑपरेशन
- दिमास की नस में खून जमना या फटने का ऑपरेशन

मोतियाबिंद का ऑपरेशन निःशुल्क (सिर्फ लेंस के खर्च पर)

- फेको (दूरबीन विधि द्वारा)

जनरल सर्जरी विभाग

- हाइड्रोसील ₹5,000
- चर्बी की गांठ ₹3,000
- मवाद की गांठ ₹3,000
- हर्निया - (दूरबीन विधि से ऑपरेशन) ₹40,000
- हर्निया - (चीरे से ऑपरेशन) ₹15,000
- पित्त की पथरी (दूरबीन से या चीरे से) ₹15,000
- एपेन्डिक्स (दूरबीन या चीरे से) ₹15,000
- आँतों में सुराख ₹25,000
- आँतों में रुकावट ₹25,000
- पेशाब की थैली में पथरी का ऑपरेशन ₹12,000
- बवासीर, फिस्टुला (भगन्दर) का ऑपरेशन ₹10,000
- बवासीर का दूरबीन विधि (MIPH) ₹30,000

मात्र ₹499/- Group 1: CBC, RBS, TSH, SGOT, SGPT, Serum Creatinine, Serum Urea और Urine R/M Test.

मात्र ₹999/- Group 2 : CBC, RBS, Thyroid Profile, KFT, LFT, Lipid Profile, Vitamin-D, Serum Creatinine, Serum Urea और Urine R/M

मात्र ₹1499/- Group 3 : CBC, LFT, KFT, Urine R/M Test, T3-T4-TSH, Vitamin-D, Vitamin-B12, HbA1c और Lipid Profile.

दवाओं की खरीद पर 10% तक की छूट

मात्र 4 घंटे में CT Scan और MRI की रिपोर्ट प्राप्त करें

	SPECIAL RATE	NORMAL RATE
X-RAY	₹150/-	~~₹400/-~~
ULTRASOUND	₹150/-	~~₹800/-~~
CT SCAN	₹900/-	~~₹3500/-~~
MRI	₹1800/-	~~₹5500/-~~

नोटः कन्ट्रास्ट स्कैन पर ₹1200/- अतिरिक्त देय होगा

सरकारी दरों पर सफल इलाज

आयुष्मान कार्ड धारक एवं अन्य ECHS / CGHS / TPA

कार्ड धारकों का निःशुल्क इलाज

*T&C Apply

24x7 सुविधायें: आई.सी.यू. • एन.आई.सी.यू. • पी.आई.सी.यू. • एम.आर.आई • सी.टी.स्कैन • डिजिटल एक्स-रे • ब्लड बैंक • पैथोलॉजी एवं बायोप्सी • डायलेसिस • ऑक्सीजन प्लांट • वेंटिलेटर एम्बुलेंस • एम्बुलेन्स • मेडिकल स्टोर • ई.सी.जी. • एन.सी.वी. • ई.एम.जी. • ई.सी.टी.

24 घंटे इमरजेन्सी सुविधा एवं नारायना अस्पताल से 3 किमी. तक एम्बुलेन्स की सुविधा बिल्कुल मुफ्त

www.narainamedicalcollege.com | Email: nhrc@narainagroup.net

सिटी ब्रीफ

भारत रत्न दिए जाने की मांग

कल्याणपुर। विश्व हिन्दू महासंघ के पदाधिकारियों ने मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ को भारत रत्न दिए जाने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संगठन के जिला अध्यक्ष हरिओम मिश्रा ने विश्व हिंदू महासंघ के संस्थापक, गोरक्षपीठाधीश्वर एवं पूर्व सांसद ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ के राष्ट्र, धर्म व समाज के प्रति किए गए कार्यों व दिए गए अतुलनीय योगदान की सराहना की।

ऑरेंज एकादश ने मैच 31 रन से जीता

कानपुर। कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) की ओर से आयोजित टैलेंट बूमेंस लीग में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में आलराउंडर वर्षा ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाई। सप्रू मैदान में खेले गए मैच में केसीए आरेंज एकादश ने पहले बल्लेबाजी कर 35 ओवर में छह विकेट पर 175 रन बनाए। टीम की ओर से वर्षा शर्मा ने 85 रन व पूजा उपाध्याय ने 43 रन की शानदार पारी खेली। गेंदबाजी में सिम्पी थापा ने चार विकेट लिया। जवाब में केसीए ग्रीन एकादश की टीम 4 रन ही बना सकी। आरेंज एकादश ने मैच 31 रन से जीता।

धर्म ध्वजा फहराते ही हुआ मिष्ठान वितरण

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा अयोध्या में श्रीराम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा फहराते ही कल्याणपुर भाजपा कार्यकर्ताओं ने गौतम बुद्धा पार्क के सामने जय श्रीराम का नारा लगाया। लोगों में मिष्ठान वितरण कर प्रसन्नता व्यक्त किया। सांसद मीडिया प्रभारी अशोक सिंह दद्दा ने कहा आज का गौरवशाली दिन इतिहास में हमेशा स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। भाजपा नेता ललित मिश्रा ने कहा न जाने कितने बलिदानों के बाद आज अयोध्या में प्रभु श्रीराम का मंदिर धर्म ध्वजा फहराते ही संपूर्ण हो गया। यह भारत के राष्ट्रभक्तों के एक-एक वोट की कीमत का परिणाम है। मअशोक सिंह (दद्दा), ललित मिश्रा, अनिल मिश्रा, चंचल सिंह भदोरिया, महेंद्र दीक्षित, वीरू श्रीवास्तव, राजेश गुप्ता,राजेश दीजित,नीरज सिंह राजावत, आयुष सिंह, रामप्रसाद आदि रहे।

गुरु तेग बहादुर साहिब जी।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब को मत्था टेकने के लिए आई संगत। अमृत विचार

भव्य पंडाल में शबद गायन करते रागी जत्थे। अमृत विचार

कानपुर विवि में गुरु तेग बहादुर शोध संस्थान जल्द

गुरु के शहीदी पर्व पर कई कार्यक्रम हुए, सिख गुरुओं की कुर्बानियों से नयी पीढ़ी होगी वाकिफ, श्री गुरु सिंह सभा कानपुर ने रखे कई प्रस्ताव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन एवं पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह की पहल पर छत्रपति शाहू जी महाराज विवि कानपुर में जल्द ही गुरु तेग बहादुर शोध संस्थान की स्थापना होगी। जिसकी विधिवत घोषणा गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वीं शहादत वर्षगांठ के अवसर पर मोतीझील ग्राउंड पर भव्य पंडाल में आयोजित कार्यक्रम में की गई।

गुरु तेग बहादुर साहिब जी के शहीदी पर्व पर श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के द्वारा तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके तीसरे एवं अंतिम दिन मंगलवार को मोतीझील ग्राउंड पर आयोजित भव्य पंडाल में कानपुर विवि के कुलपति विनय पाठक द्वारा मंच से इसके स्थापित करने की जानकारी दी गयी। मंच से गुरुद्वारा भगत कबीर जी मगहर की प्रमुख परमजीत कौर राणा, जसवीन कौर, प्रधान केंद्रीय श्री गुरु सिंह सभा उत्तर प्रदेश (महिला विंग) तथा प्रधान श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर (महिला विंग) डॉ हरप्रीत कौर ने कई प्रस्ताव रखे।

गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी पर पर्व पहुंचे कानपुर के मंडलायुक्त के विजेंद्र पांडियन, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, कानपुर विवि के कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक व अन्य अतिथियों का सरदार कुलदीप सिंह ने स्वागत किया। अमृत विचार

सिख अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना हो

श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर एवं केंद्रीय श्री गुरु सिंह सभा उत्तर प्रदेश द्वारा विशेष सभागार में आयोजित बैठक में दो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। भारत से बाहर गुमराह युवाओं की विचारधारा में सकारात्मक परिवर्तन लाने, सिख इतिहास एवं सभ्यता के संरक्षण तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में स्थापित सिख अध्ययन शोध पीठ को मजबूत करने के लिए पारित किया गया। सिख अध्ययन शोध पीठ के भवन निर्माण एवं अधोसंरचना के लिए स्वीकृत 25 रुपये करोड़ का अनुदान तत्काल अनुमोदित कर प्रदान किया जाए। इस शोध केंद्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करते हुए भविष्य में इसे इंटीट्यूट आफ नेशनल इम्पोर्टेंट का दर्जा दिया जाये। विधान मंडलों में एक प्रतिशत सीटें सिख प्रतिनिधित्व के लिए आरक्षित की जाएं। उत्तर प्रदेश में एक सिख अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की जाये। कानपुर में एक स्थायी सिख शैक्षिक एवं सांस्कृतिक परिसर दिया जाए। पंजाबी एवं सिंधी अनुसंधान केंद्र की स्थापना हो। राज्य विधानमंडल में सिख प्रतिनिधित्व का आरक्षण हो।

मंडलायुक्त कुलपति समेत कई सम्मानित

- श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन एवं पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह द्वारा मंडलायुक्त के विजय पांडियन महापौर प्रमिला पांडेय, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, छत्रपति शाहू जी महाराज विवि कानपुर के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक, स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज के निदेशक डॉ. सर्वेश मणि त्रिपाठी, डॉ. हेमंत मोहन आदि को सिरोपा देकर सम्मानित किया गया। सभा के प्रधान सिमरनजीत सिंह, सरदार मोहकम सिंह, तेजिंदर पाल सिंह, गुरुविंदर सिंह, अमितपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

लाखों लोगों ने लंगर छका। अमृत विचार

शहीदी पर्व पर पंडाल में पहुंची संगत। अमृत विचार

जीटीबी हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर लगा। अमृत विचार

जांच करते डॉ. हेमंत मोहन। अमृत विचार

गुरु तेग बहादुर साहिब जी के नाम पर सिक्के का विमोचन किया

गुरु के नाम के सिक्के का विमोचन करतीं जसवीन कौर। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केंद्रीय श्री गुरु सिंह सभा उत्तर प्रदेश (महिला विंग) तथा श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर (महिला विंग) की प्रधान जसवीन कौर ने गुरु तेग बहादुर साहिब के 350 वें गुरु पूरब पर एक सिक्के का विमोचन किया। प्रधान ने मंच से गुरु तेग बहादुर साहिब महिला विंग की भी घोषणा की। ये विंग कानपुर नगर में महिलाओं को जोड़कर समाजसेवा में जुटेगी। पंडाल में लगभग 700 महिलाओं ने इसकी सदस्यता ली। जसवीन कौर ने बताया कि जो महिलाएं इससे जुड़ेंगी, उन सभी महिलाओं को गुरु के नाम का सिक्का दिया जाएगा।

लाखों ने छका लंगर, रक्तदान किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुरु तेग बहादुर साहिब के 350 वें शहीदी पर्व पर मोतीझील में आयोजित लंगर में 4 लाख से अधिक लोग लंगर छकने के लिए पहुंचे। संगत और पंगत ने एक साथ बैठकर लंगर छका। पंजाब समेत कई स्थानों से आए रागी जत्थों ने गुरु तेग बहादुर साहिब पर विभिन्न शबद गायन करके संगत का मन मोहा। शबद कीर्तन के दौरान वाहे गुरु जी का खालसा वाहे गुरु जी की फतेह का जयघोष होता रहा। दूसरी ओर अवध स्मृति संस्थान, जीटीबी अस्पताल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन तथा रोटरी क्लब उत्तर के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर जीटीबी अस्पताल में लगाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजसेवकों, युवाओं, स्वयंसेवकों एवं जागरूक नागरिकों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी प्रवीण कुमार शुक्ल, डॉ. दीपक श्रीवास्तव, हरविंदर सिंह लार्ड रहे।

आरोग्यधाम का निशुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य मेला, सैकड़ों की जांच

कानपुर। मोतीझील ग्राउंड पर आरोग्य धाम के डॉ. हेमंत मोहन एवं डॉ. आरती मोहन द्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब जी के शहीदी दिवस पर निःशुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य मेला लगाया गया।

550 से अधिक लोगों को दवाएं भी वितरित की गईं। डॉक्टर हेमंत मोहन डॉक्टर आरती मोहन संस्थापिका पुष्पा मोहन को सिरोंपा भेंट कर सम्मानित किया गया। समाजसेवी महेश मिश्रा, शिवम खन्ना, आर एन खन्ना, सचिन आनंद शुक्ला, राजीव तिवारी, एडवोकेट रामकिशन, उमा शर्मा, शुभम शर्मा आदि थे।

विवि में विषम सेमेस्टर में आठ हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने दी परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के कैंपस में विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं मंगलवार 25 नवंबर से शुरू हुईं। परिसर की परीक्षाएं 18 दिसम्बर तक चलेंगी। पहले दिन पहली पाली में प्रथम सेमेस्टर के 121 पेपर की परीक्षा हुई जिसमें कैंपस के 5697 छात्र-छात्राएं रहे। दूसरी पाली में पांचवे सेमेस्टर के 48 पेपर की परीक्षा हुई। जिसमें 2773 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। 50 छात्र-छात्राएं गैरहाजिर रहे।

विश्वविद्यालय कैंपस के परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी पी सिंह ने बताया कि दूसरे विभागों के शिक्षकों को कक्ष निरीक्षक बनाया गया है। परीक्षा केंद्रों का डीन एकेडमिक, परीक्षा प्रभारी और वरिष्ठ प्रोफेसर्स ने औचक निरीक्षण किया। उन्होने कहा कि नकल विहीन परीक्षा के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। परिसर के 19 विभागों में यह परीक्षा हुई।

परीक्षा देते परीक्षार्थी। अमृत विचार

मूल्यांकन शुरू

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में चल रही सत्र 2025-26 की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं से संबंधित उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शुरू हो गया है। मूल्यांकन कुल 26 केंद्रों पर शुरू हुआ। पहले दिन विभिन्न विषयों की 11000 कापियों का मूल्यांकन कार्य संपन्न हुआ। विषम सेमेस्टर की उत्तर पुस्तिकाओं की कड़ी सुरक्षा के बीच हो रहे मूल्यांकन कार्य के लिए बहु स्तरीय निगरानी की व्यवस्था भी की गई है। पिछले साल की तरह इस वर्ष भी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन डिजिटल पद्धति से कराया जा रहा है।

बाजार | विदेशी दलहन के आयात को नियंत्रित करने की मांग

व्यापारी बोले- 30 प्रतिशत करें आयात शुल्क

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रधानमंत्री के स्वदेशी व आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूत व सार्थक करने के लिए आयातित विदेशी दलहन दालों के आयात को नियंत्रित करने के लिए 30 प्रतिशत आयात शुल्क की मांग जोर पकड़ने लगी है। नौबस्ता गल्ला मंडी में देश को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने, दलहन में आयात नीति के संबंध में,प्रमुख आयतित दलहन में आयात शुल्क लगाने की मांग को लेकर नौबस्ता गल्ला मंडी के मंडी के व्यापारी, आढ़ती व दाल मिलर्स एकत्र होकर प्रधानमंत्री को ई मेल के माध्यम से ज्ञापन भेजा। 400 से आधिक व्यापारियों, आढ़तियों व दाल उद्यामियों ने ई मेल की।

मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते व्यापारी। अमृत विचार

भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र व राष्ट्रीय महामंत्री बनवारी लाल गुप्ता के नेतृत्व में नौबस्ता गल्ला मंडी में देश को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने, दलहन में आयात नीति के संबंध में,प्रमुख आयतित दलहन में 30 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की मांग की गई।

भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान वोकल फॉर लोकल तथा घर-घर स्वदेशी अपनाने की भावना से प्रेरित होकर हम देश को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण सुझाव इस ज्ञापन के माध्यम से दे रहे हैं। इस अभियान में प्रमुख रूप से नौबस्ता गल्ला मंडी से संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय बाजपेई,दाल उद्यमी व जिला संयुक्त महामंत्री केके गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीरज शुक्ला,वरिष्ठ मंत्री गोपाल शुक्ला,रजत गुप्ता,विजय किशोर गुप्ता,श्यामजी गुप्ता,शिवकुमार गुप्ता, गोपाल वर्मा, आनंद मिश्र,अनुज त्रिपाठी,मनोज द्विवेदी,अनीश शुक्ला, नितिन त्रिवेदी,राजकुमार जायसवाल, संदीप तिवारी,आशू गुप्ता,अजय गुप्ता,विकास गुप्ता, रिंकू गुप्ता,मोनू गुप्ता, विश्वनाथ जायसवाल, संजय राठौर, हरिकिशन गुप्ता, किशोर अरोड़ा, अरुण सोनी, महेश गुप्ता, शरद गुप्ता,विनय गुप्ता आदि थे।

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार 26 नवंबर 2025

सिटी ब्रीफ

अनियंत्रित होकर पलटा डंपर

कानपुर। चकेरी के कोयलानगर फ्लाईओवर पर गिट्टी लदा डंपर अनियंत्रित होकर पलट गया। पुलिस ने हाइड्रा और जेसीबी से डंपर हटवाया। कोयलानगर चौकी प्रभारी ने बताया कि मंगलवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे चालक डंपर में गिट्टी लादकर नौबस्ता से रामादेवी की तरफ आ रहा था। अरौल निवासी जुल्फिकर डंपर चालक है। कोयलानगर फ्लाईओवर पर एक होटल के पास अचानक चालक को झपकी आ जाने से डंपर अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे गिट्टी सड़क पर फैल गई। गनीमत रही कि हादसे में चालक व परिचालक सुरक्षित हैं। डंपर पलट जाने से नौबस्ता से रामादेवी आने वाली लेन बाधित हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हाइड्रा और क्रेन की मदद से डंपर को हटवाया।

आयुष्मान कार्ड बनवाएं

कानपुर। डिप्टी सीएमओ डॉ आरपी यादव के अनुसार प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जिले में पात्र परिवारों को आयुष्मान योजना से जोड़ने के लिए एक माह का विशेष अभियान 25 नवम्बर से आरंभ हो चुका है जो 25 दिसंबर तक चलाया जाएगा। अभियान के लिए जिला प्रशासन ने 3,17,437 व्यक्तियों का लक्ष्य तय किया है, जिनमें 1,42,811 ग्रामीण तथा 1,74,626 शहरी क्षेत्र के लाभार्थी शामिल हैं। नगरीय क्षेत्र में कोटेदार की दुकान एवं 50 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर शिविर का आयोजन कर आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा।

लोडर की टक्कर से किसान की मौत

कानपुर। बिठूर में शादी समारोह में जा रहे किसान को लोडर ने टक्कर मार दी। घायल किसान को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस लोडर का पता लगाने में जुटी है। कानपुर देहात के रूरा निवासी 50 वर्षिय अशर्फी लाल कठेरिया खेती-किसानी करते थे। परिवार में पत्नी गीता व दो बेटियां व दो बेटे हैं। बेटे सुमित ने बताया कि सोमवार रात पिता मौसा रजत के बेटी की शादी समारोह में शामिल होने बिठूर गए थे। बाइक से मंधना चौराहा से आगे की तरफ जाते समय पीछे से आ रही तेज रफ्तार लोडर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

जानकी और श्रीराम के विवाह का मंगल उत्सव, गूंजे जयकारे

रूमा के जेएम पैलेस में भव्य आयोजन, श्रद्धालुओं ने भव्य राम बारात भी निकाली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रूमा स्थित जेएम पैलेस में भगवान श्रीराम-जानकी विवाह मंगलोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ। मर्यादा-पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम एवं सीता जी के दिव्य विवाह का अलौकिक दृश्य को देख श्रद्धालु भावविभोर हो गए। पं. योगेशाचार्य जी महाराज द्वारा प्रस्तुत विवाह मंगला पदावली ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंगल गायन के दौरान उपस्थित जनमानस ने श्रीराम-सीता विवाह की परंपरा, संस्कृति और आदर्शों का गहन अनुभव किया। कार्यक्रम के आयोजक तिरंगा अगरबत्ती समूह के निदेशक पं. नरेंद्र शर्मा बताया कि यह आयोजन समाज में राम-भक्ति, सदाचार और भारतीय संस्कृति के मूल्यों के प्रसार के उद्देश्य से किया गया। इस अवसर पं. प्रकाश चंद्र शर्मा, पदमा शर्मा, विनीता शर्मा, बृजेन्द्र शर्मा मौजूद रहे। वहीं श्रीराधा कृष्ण संकीर्तन मंडल द्वारा विवाह पंचमी पर वार्षिक महोत्सव मनाया गया। श्रद्धालुओं ने भव्य राम बारात निकाली। त्रेता युग में श्रीराम का विवाह, विवाह पंचमी की तिथि में ही हुआ था। इसी परम्परा का निर्वाह करते हुए प्रतिवर्ष श्रीराधा कृष्ण संकीर्तन मंडल द्वारा प्रभु श्रीराम की राम बारात का आयोजन किया जाता रहा है। राम बारात में फूलों से सजे रथ में प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण जानकी जी का विग्रह विराजमान कराकर विधि विधान से पूजन अर्चन कर रथ की अजय गौड़ ने उतारकर राम बारात का शुभारम्भ किया। राम बारात में ढोल ताशे सर्वप्रथम गणेश जी का रथ, कुल गुरु वशिष्ठ जी, राम लक्ष्मण जानकी की झांकी, डोली में भगवान शालीग्राम व तुलसा जी मुख्य रथ में राम लक्ष्मण जानकी जी का विग्रह। भजन मंडली आज मेरे राम की शादी है, ऐसा लगता है जैसे संसार की शादी है..., राम जी की निकली सवारी राम जी की लीला है न्यारी..., कभी राम बनके कभी श्याम बनके चले आना प्रभु जी हमारे घर में..., जग में सून्दर है दो नाम चाहे कृष्ण कहो या राम आदि भजनों में भक्त नाचते झूमते चल रहे थे। राम बारात खास बाजार से प्रारम्भ होकर प्रयाग नारायण शिवाला, संगमलाल मन्दिर, कमला टॉवर, लाठी मोहाल, मनीराम बगिया, टोपी बाजार चौक सर्राफा, नारियल बाजार आकर पुनः खास बाजार पहुंचकर विश्राम लिया। शोभायात्रा में मुख्य रूप से पं अजय कुमार गौड़, ज्ञानेन्द्र विश्नोई, पवन दुबे, ओम नरायण दीक्षित, अनिल तिवारी, विजय ओमर, ओम प्रकाश गुप्ता, सौरभ सिंह, अनिल तिवारी, सुरेश गुप्ता उपस्थित रहे।

तिरंगा अगरबत्ती के निदेशक पं. नरेंद्र शर्मा का सम्मान किया गया। अमृत विचार

भामस श्रम संहिता आंदोलन में शामिल नहीं है : अनिल

कानपुर। केंद्र सरकार की ओर से लागू की गईं चारों श्रम संहिताओं को लेकर मंगलवार को नवीन मार्केट स्थित भारतीय मजदूर संघ कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें चारों श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन का स्वागत किया गया। प्रदेश महामंत्री अनिल उपाध्याय ने बताया कि 26 नवंबर को कुछ कुछ श्रम संगठन चारों श्रम संहिताओं के विरोध में आंदोलन कर रहे हैं। भारतीय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश इस प्रकार के किसी आंदोलन में शामिल नहीं है। प्रदेश महामंत्री ने बताया कि वेज कोड व सोशल सिक्योरिटी कोड वर्कर्स को लाभ पहुंचाने वाले हैं। हालांकि संगठन ने अन्य दो कोड, इंडस्ट्रियल रिलेशन्स कोड और ऑक्यूपेशनल सेफ्टी हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशन कोड में कुछ चिंताओं सहित कई श्रम-संबंधी मुद्दों पर विस्तृत मांगपत्र केंद्रीय श्रम मंत्री को देकर आवश्यक संशोधनों की मांग की है। केंद्रीय मंत्री ने बीएमएस को आश्वत किया है कि सभी चिंताओं का समाधान किया जाएगा। बैठक में श्रीकांत अवस्थी, प्रदीप राय, संजय प्रताप सिंह, दिवाकर मिश्र, केडी द्विवेदी रहे।

कर्मचारी और नियोक्ताओं के लिए सुनहरा अवसर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कर्मचारी नामांकन अभियान की शुरुआत की गई

अमृत विचार। प्रधानमंत्री-विकसित भारत रोजगार योजना के साथ कर्मचारी नामांकन अभियान-2025 की शुरुआत की गई है। यह अभियान 1 नवंबर 2025 से 30 अप्रैल 2026 तक सीमित अवधि के लिए लागू रहेगा।

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-1, कानपुर शाहिद इकबाल ने क्षेत्रीय कार्यालय के सभी कर्मचारी, नियोक्ताओं से अपील की है कि वे इस इस ऐतिहासिक पहल का अधिकतम लाभ उठाते हुए पात्र कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़े। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित इस योजना का उद्देश्य उन कर्मचारियों को ईपीएफओ से जोड़ना है जो अब तक इस सुरक्षा दायरे में नहीं आ पाए थे। यह केवल योजना नहीं, बल्कि वह अवसर है जिसके माध्यम से नियोक्ता अपनी पिछली चूकों को नियमित कर सकते हैं, कानूनी जटिलताओं को कम कर सकते हैं और अपने कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के मजबूत ढांचे से जोड़ सकते हैं।"उन्होंने बताया कि दंड/क्षतिपूर्ति शुल्क को घटाकर मात्र 100 रुपये (एकमुश्त) कर दिया गया है जो तीनों योजनाओं भविष्य निधि, जमा-निधि बीमा योजना एवं पेंशन योजना पर लागू होगा।

अभियान की प्रमुख विशेषताएं

- नियोक्ता अपने प्रतिष्ठान में 1 जुलाई 2017 से 31 अक्टूबर 2025 तक कार्यरत रहे सभी पात्र कर्मचारियों को नामांकित कर सकते हैं।
- इस अवधि के लिए कर्मचारी अंशदान पूर्णतः माफ रहेगा, बशर्ते नियोक्ता ने पूर्व में कर्मचारी से यह राशि प्राप्त न की हो।
- नियोक्ता को केवल पिछली अवधि का नियोक्ता अंशदान, लागू ब्याज और प्रशासनिक शुल्क जमा करना होगा।

मलाबार ने ब्राइड्स ऑफ इंडिया कैंपेन का ग्रैंड एडिशन लॉन्च किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने शुरू किया

अमृत विचार। सोने और हीरे की रिटेल चेन में से एक, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने भारत के समृद्ध सांस्कृतिक संरचना में दुल्हन के आभूषणों के महत्व को लंबे समय से समझा है।

ब्राइडल रेंज में वे डिजाइन शामिल हैं जिन्हें मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने सोच-समझकर चुना, गढ़ा और विकसित किया है।

ऐसे आभूषण जो पवित्रता, उद्देश्य और उत्कृष्ट कारीगरी के साथ तैयार किए गए हैं और हर दुल्हन की परंपराओं का सम्मान करते हैं। इस वर्ष के संस्करण में 22 दुल्हनें और 10 सेलिब्रिटी शामिल हो रही हैं। आलिया भट्ट, करीना कपूर खान, एनटीआर, कार्थी, अनिल कपूर, श्रीनिधि शेट्टी, रुक्मिणी मैत्रा, सब्यसाची मिश्रा, प्रार्थना बेहेरे और मानसी पारेख, जो अभियान के पैमाने, विविधता और भावनात्मक गहराई को दर्शाते हैं।

फिल्म का निर्देशन अभिषेक वर्मन ने किया है और संगीत शुभाजीत मुखर्जी ने तैयार किया है, जो एक दृश्य और संगीतमय कहानी को एक साथ लाता है।

15वें संस्करण के महत्व के बारे में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के अध्यक्ष एमपी अहमद का कहना है कि प्रत्येक वर्ष, ब्राइड्स ऑफ इंडिया अभियान इस देश की दुल्हनों के प्रति हमारी सम्मानपूर्ण अभिव्यक्ति है और 15वां संस्करण हमारे लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। हमने इस बात पर प्रकाश डाला है कि कैसे दुल्हनें अपनी अभिव्यक्ति लाते हुए परंपराओं का सम्मान करती हैं। यह संस्करण उन परंपराओं की गहराई का जश्न मनाता है।

कलश यात्रा में बरसे फूल, पंचमुखी हनुमान के दर्शन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पनकी धाम में कलश यात्रा के साथ धार्मिक आयोजनों की शुरुआत

अमृत विचार। श्री पंचमुखी हनुमान मन्दिर पनकी धाम में मंगलवार को कलश यात्रा के साथ 10 दिवसीय 22वें वार्षिक धार्मिक आयोजनों की शुरुआत हुई। महन्त जितेन्द्र दास के नेतृत्व में मंदिर प्रांगण से कलश यात्रा निकाली गई जो विभन्न मार्गो से भ्रमण करते हुए पनकी स्टेशन स्थित पनकी नए हनुमान मन्दिर में पहुंची, यहां अल्प विश्राम के बाद यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए मन्दिर प्रांगण में समाप्त हुई। यात्रा में सुसज्जित सिंहासन पर विराजमान श्री पंचमुखी हनुमान जी की प्रतिमा और गुरु प्रतिमा पर जगह-जगह लोगों ने रोककर पुष्पवर्षा और भोग अर्पित कर आरती की। जितेन्द्र दास ने मन्दिर प्रांगण में स्थित यक्षशाला में गौरी गणेश पूजन, गुरू पूजन, वेदी पूजन किया। प्रमुख आचार्य अमित कुमार अग्निहोत्री व रामकथा वाचक सुरेश चन्द्र तिवारी की मौजूदगी में श्री पंचमुखी हनुमान जी का श्रंगार करते हुए महायज्ञशाला का पूजन किया गया। जितेन्द्र दास ने बताया कि यह कार्यक्रम 10 दिनों तक निरन्तर चलेगा। 2 दिसम्बर को बाबा भुवनेश्वर दास चौबे निःशुल्क नेत्र चिकित्सालय व आरोग्यधाम ग्वालटोली के संयुक्त तत्वधान में वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक हेमंत मोहन, डा. आरती मोहन, डॉ. आलोक श्रीवास्तव की ओर से शिविर लगाया जायेगा। इस दौरान पुजारी चन्द्रशेखर पाण्डेय, बालकदास, रामकमाल त्रिपाठी, सुरेशदास, दिवाकर शुक्ला, उमाशंकर पण्डेय, बदीनारायण तिवारी, विनोद, अमित पाण्डेय, लव शुक्ला, सुमित पाण्डेय, आचार्य कुशचन्द्र शुक्ला, अंकित पाण्डेय, कमलेश, हरिश्चन्द्र दोसर, भीष्म त्रिवेदी आदि रहे।

मंदिर प्रांगण से कलश यात्रा निकाली गई। अमृत विचार

खेल में दिव्यांगों ने दिखाई प्रतिभा

मेडल और प्रशस्तिपत्र के साथ विजेता दिव्यांग बच्चे। अमृत विचार

संवाददाता घाटमपुर

- 70 दिव्यांग बच्चों ने अपनी -अपनी प्रतिभा का किया प्रदर्शन
- बीईओ ने विजेता बच्चों को वितरित किये पुरस्कार

अमृत विचार। विकासखंड घाटमपुर में दिव्यांग बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में 70 दिव्यांग बच्चों ने अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इन दिव्यांग बच्चों के लिये विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं को आयोजन किया गया। इनमें छूकर पहचानो, रंगोली प्रतियोगिता, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता, रस्सा कशी एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने प्रतिभा का प्रदर्शन करके सभी का मन मोह लिया। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार कुशवाहा ने प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार पाने वाले बच्चों को मेडल व प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही प्रतिभाग करने वाले सभी बच्चों को सांत्वना पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया।

आरपी प्रणव अवस्थी, सुसेंद्र ब्लॉक अध्यक्ष, अशोक संखवार, व्यायाम अध्यापक शिव कुमार, स्पेशल एजुकेटर अंजनी पांडे, संध्या अग्निहोत्री, पवन कुमार, गरिमा सचान, अर्चना सिंह, संगीता शर्मा, रतना यादव आदि लोगों ने मिलकर दिव्यांग बच्चों की सहायता करके प्रतियोगिताओं को संपन्न कराया।

कान्हा की लीलाओं का किया वर्णन

घाटमपुर। घाटमपुर साढ़ क्षेत्र के शाहपुर गांव में श्री मद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के पांचवे दिन भागवत व्यास शोभित कृष्ण अवस्थी महाराज ने श्री कृष्ण की लीलाओं का वर्णन किया।

कथा सुनाते आचार्य।

भागवत कथा में आचार्य ने भगवान का नामकरण संस्कार किया। कृष्ण पक्ष में जन्म होने के कारण कृष्ण नाम रखा गया। थोड़ा बड़े होने पर उन्हें भगवान को माखन का स्वाद लग गया और वे माखन की चोरी करने लगे। वे स्वंय तो माखन की चोरी करते ही थे साथ ही ग्वाल बालों को भी माखन चोरी करना सिखाते थे। इस मौके पर कथा परीक्षित रामस्वरूप दास, राजेश वर्मा, सुनीता वर्मा, शैलेन्द्र वर्मा, सूरजपाल सिंह ,आशु राणा, गोविंद शुक्ला ,लाखन सिंह ,नितिन मिश्र आदि लोग उपस्थित रहे।

'सरदार पटेल आज भी हमारे दिलों में जीवित हैं'

संवाददाता बिल्हौर

- मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद सुब्रत पाठक भी मौजूद रहे
- यात्रा में वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगते रहे

अमृत विचार। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में बिल्हौर की धरती पर एक ऐतिहासिक और विशाल एकता यात्रा निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने किया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री व पूर्व सांसद सुब्रत उपस्थित रहे। यात्रा के दौरान सैकड़ों लोग मौजूद रहे। सभी लोग भारत माता की जय व वंदेमातरम के नारे लगाते हुए चल रहे थे।

एकता यात्रा बिल्हौर के सुंदर कोल्ड स्टोर से प्रारंभ हुई। एकता यात्रा में सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। यात्रा के दौरान सभी लोग अपने हाथों में तिरंगा लिए भारत माता की जय, वन्देमातरम्, सरदार पटेल अमर रहें और अखंड भारत—महा भारत के गगनभेदी नारे लगाते हुए चल रहे थे।

यात्रा में मौजूद विधायक राहुल बच्चा सोनकर व सुब्रत पाठक। अमृत विचार

एकता यात्रा में मौजूद लोगों की भीड़। अमृत विचार

यात्रा में मौजूद मुख्य अतिथि सुब्रत पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि आज भारत जिस रूप में खड़ा है, वह किसी चमत्कार का परिणाम नहीं, बल्कि सरदार पटेल की लौह इच्छाशक्ति, उनकी दूरदर्शिता और राष्ट्रसमर्पित नेतृत्व का परिणाम है। वहीं विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने अपने संबोधन में कहा कि जनसैलाब हमें यह विश्वास दिलाता है कि सरदार पटेल आज भी हर भारतीय के हृदय में जीवित हैं। उनके नेतृत्व में रियासतों का विलय कोई राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का पुनर्जागरण था। यात्रा का समापन बिल्हौर ब्लॉक स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और विशाल जनसभा के साथ हुआ। एकता यात्रा में जय प्रकाश कुशवाहा, सुशील कटियार, रामशरण कटियार, कौशल अवस्थी, राजेंद्र कटियार, मनोरमा कठेरिया, जयप्रकाश कटियार, रवि बाजपेई, संतोष बाजपेई, गोपाल दीक्षित, गीता गुप्ता, राजू दुबे, अनिरुद्ध शुक्ल, शानू राठौर, शुभ्रांशु कटियार, सौरभ शर्मा, नीलू पाल, नरेंद्र प्रताप, जितेंद्र राजपूत, नवले मिश्र, सिपाहीलाल कठेरिया, गिरीश वर्मा, सुनीता कटियार, अमरनाथ राजपूत, सुबोध कटियार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता, समाजसेवी, व्यापारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

खेल के मैदान से | घाटमपुर में सांसद-विधायक खेल स्पर्धा में प्रतिभागियों ने किया शानदार प्रदर्शन

मुस्कान, मिनी, निखिल व आशुतोष ने दौड़ में मारी बाजी

संवाददाता घाटमपुर

विजेता बच्चों के साथ मौजूद अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। घाटमपुर विधानसभा क्षेत्र में युवा कल्याण विभाग द्वारा सांसद-विधायक खेल स्पर्धा का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इन खलों का आयोजन 24 से 26 नवम्बर 2025 तक बीआरसी ग्राउंड, घाटमपुर में किया जा रहा है।

घाटमपुर में 25 नवंबर को हुए खेलकूद स्पर्धा में लंबी कूद सब-जूनियर बालक वर्ग में हिमांशू ने बाजी मारी। कबड्डी सीनियर बालक वर्ग में विशाल स्टार टीम विजेता बनी। सब-जूनियर बालिका कबड्डी में एमजी. एजुकेशन सेंटर चंवर प्रथम और चीना पब्लिक स्कूल द्वितीय रहा। कबड्डी जूनियर बालक वर्ग में शाखा वारियर्स की टीम प्रथम रही, जबकि सीनियर बालक वर्ग में डी सेवन क्लब प्रथम स्थान पर रहा। बालिका जूनियर कबड्डी वर्ग में आर्यावर्त की टीम विजेता बनी।

एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में 200 मीटर जूनियर बालिका वर्ग में मुस्कान प्रथम, रिया द्वितीय और शिवानी तृतीय रहीं। 200 मीटर सब-जूनियर बालिका वर्ग में मिनी पाल प्रथम, आरोही द्वितीय और अंशी तृतीय स्थान पर रहीं। 100 मीटर जूनियर बालिका वर्ग में मिनी पाल प्रथम, रिया द्वितीय और अपर्णा तृतीय रहीं। 100 मीटर जूनियर बालक वर्ग में निखिल प्रथम और अंशु द्वितीय रहे। 100 मीटर सब-जूनियर बालक वर्ग में अशुतोष प्रथम रहे। 800 मीटर जूनियर बालक वर्ग में आयुष सिंह प्रथम और अंकुश द्वितीय स्थान पर रहे। वहीं बैडमिंटन सीनियर बालक वर्ग में रेहान प्रथम और नवनीत द्वितीय स्थान पर रहे। जूनियर बालक वर्ग में दीपक प्रथम स्थान पर रहे। बैडमिंटन बालिका वर्ग में काजल प्रथम और आंचल द्वितीय स्थान पर रहीं। खो-खो प्रतियोगिता में घाटमपुर की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में विधायक प्रतिनिधि सत्यम सिंह चौहान, उपजिलाधिकारी घाटमपुर एवं जिला युवा कल्याण अधिकारी कानपुर नगर उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के अंतिम दिवस 26 नवम्बर, 2025 को भारोत्तोलन, कुश्ती एवं जूडो प्रतियोगिताओं का आयोजन सूर्या पब्लिक इंटर कॉलेज, घाटमपुर में तथा वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन ग्रामीण स्टेडियम, तेजपुर पतारा में प्रातः 10:00 बजे से किया जाएगा।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की गई जान

चौबेपुर। कस्बे में मंगलवार शाम रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान मानसिक रूप से बीमार वृद्ध ट्रेन की चपेट में आ गया। जानकारी पर रेलवे पुलिस जब तक मौके पर पहुंचती तब तक परिजन शव को उठाकर घर ले गए।

चौबेपुर ग्राम पंचायत के मजरा ककरहा निवासी बलदेव राठौर (60) मानसिक रूप से बीमार चल रहा था। जिसका परिजन लंबे समय से उपचार भी करा रहे थे। बताया गया है कि मंगलवार शाम बलबीर कस्बे से पैदल घर जा रहा था, तभी रेलवे स्टेशन के निकट ट्रैक पार करने के दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए और रेलवे पुलिस का इंतजार किए बगैर शव को घर लेकर चले गये। थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे ने बताया कि मामला रेलवे के अधीन होने के कारण उन्हें घटना के बाबत अधिक जानकारी नहीं है।

महावीर बाबा के दर्शन को उमड़े भक्त

संवाददाता, चौबेपुर

भंडारे में प्रसाद वितरित करते जिला पंचायत सदस्य कार्तिकेय शुक्ला व अन्य।

अमृत विचार। क्षेत्र के किशुनपुर गांव स्थित बड़े महावीरन के मंदिर में मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने महावीर बाबा को प्रसाद अर्पित कर पूजा अर्चना की। वहीं विशाल भंडारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

किशुनपुर गांव स्थित बड़े महावीर के दर्शन के लिए यूं तो वर्षभर भक्तों का आवागमन बना रहता है। लेकिन अगहन माह की अमावस्या के बाद पहले व दूसरे मंगलवार को यहां लगने वाले मेले में इलाकाई लोगों के अलावा आसपास के उन्नाव, हरदोई, कन्नौज ,फतेहपुर, कानपुर देहात आदि जनपदों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंच कर महावीर बाबा (हनुमान जी) के दर्शन व पूजन करते हैं। मंदिर में प्रसाद के रूप में चढ़ाया जाने वाला ढाई सौ ग्राम का पेड़ा दूर-दूर तक विख्यात है। यहां लगने वाले मेले में प्रसाद के अलावा घरेलू वस्तुओं की दुकानें भी बड़ी संख्या में सजती हैं। विशेष पर्व पर बच्चों के कर्ण छेदन व मुंडन संस्कार आदि भी में कराए जाते हैं।

मंगलवार को जिला पंचायत सदस्य कार्तिकेय शुक्ला व समाजसेवी धर्मेंद्र पाल द्वारा कराये गए भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर पूर्व ब्लाक प्रमुख अनुभव शुक्ला, शिवराजपुर ब्लॉक प्रमुख शुभम बाजपेई ,छोटे शुक्ला, संजू त्रिवेदी, मयंक शुक्ला, हिमांशू दीक्षित, मुकेश चौरसिया, नंदू बाजपेई, अरुण यादव, विभू तिवारी और बृजेश यादव आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मंदिर में स्थापित महावीरन बाबा की प्रतिमा।

कोविड की दस्तक के बाद संक्रमितों के लिए संजीवनी साबित हुआ 300 बेड अस्पताल

बस एक प्रयास ... फिर सरकारी तंत्र की रीढ़ बनेगा 300 बेड अस्पताल

वर्ष 2019 में जब कोविड ने दस्तक दी तो जिले में त्राहि-त्राहि मच गई, उस दौरान शासन के आदेश पर 300 बेड अस्पताल को कोविड अस्पताल बनाने के निर्देश दिए गए। 300 बेड से सुसज्जित इस अस्पताल में हजारों संक्रमित मरीजों को बेहतर इलाज मिलने से नई जिंदगी मिली लेकिन यहां मरीजों की भर्ती प्रक्रिया आरंभ नहीं हो सकी है। हालांकि जल्द से जल्द इसका संचालन सुपर स्पेशिलिटी रुप में हो सके इसके लिए जन प्रतिनिधियों के साथ ही प्रशासनिक व स्वास्थ्य विभाग के अफसर भी शासन तक लगातार पत्राचार कर रहे हैं।

जल्द मिलेगी ट्रामा विंग की सौगात

निजी ही नहीं सरकारी सेवाओं में भी बरेली जिला किसी मायने में पीछे नहीं है, हालांकि सुविधाएं मिलने में भले ही अभी वक्त है बीते वर्षों में जहां मरीज सरकारी सुविधा लेने से कतराते थे. लेकिन अब इन सुविधाओं में भी व्यापक सुधार हो रहा है। जिला अस्पताल में गंभीर मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है लेकिन बहुत जल्द ही ऐसे मरीजों को जिला अस्पताल स्थित ट्रामा विंग में ही इलाज मिलेगा। इस विंग का निर्माण पूर्ण हो चुका है, यहां शासन स्तर से स्टाफ की तैनाती भी की जा रही है। जल्द ही इसका संचालन भी आरंभ कर दिया जाएगा। संचालन का प्रयास अफसर युद्ध स्तर पर कर रहे हैं। ट्रामा विंग में इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर के साथ आर्थो और सर्जरी के विशेषज्ञ डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। ऑपरेशन थिएटर, एक्सरे रूम और पैथोलॉजी लैब होगी। छह बेड का आईसीयू होगा। साथ ही दो नर्सिंग स्टेशन और एक रिकार्ड रूम भी बनाया जाएगा।

15 वार्ड, आईसीयू समेत अन्य सुविधा चाक चौबंद

जिला व महिला अस्पताल में अलावा मरीजों को बेहतर और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, इसके लिए शासन ने तीन सौ बेड के लिए दिल खोलकर धनराशि खर्च की। मार्च 2013 से इस अस्पताल को बनाने का प्रोजेक्ट शुरू हुआ। करीब 10 साल बाद कोविड काल में इसे कोविड अस्पताल बनाया गया। तत्कालीन कमिश्नर संयुक्ता समद्दार ने यहां ओपीडी संचालन कराने का आदेश दिया उस दौरान से ही यहां ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीजों को इलाज मिल रहा है लेकिन भर्ती प्रक्रिया आरंभ न होने से गंभीर मरीजों को गैर अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा है। बस एक प्रयास पुरजोर तरीके से शासन और प्रशासन की ओर से दिया जाए तो ये अस्पताल गंभीर मरीजों को संजीवनी देने में सबसे अहम कड़ी साबित होगा। इतना ही नहीं यहां मरीजों को भर्ती करने के साथ ही बेड, उपकरण, वार्ड समेत अन्य संसाधन भी मौजूद हैं।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

ये हर मरीज के जख्मों का हैं मरहम... तभी तो कहलाती है सिस्टर जी

जब हम किसी भी अस्पताल में मरीज या फिर तीमारदार बनकर जाते हैं तो सबसे पहले डॉक्टर मरीज का इलाज देकर चले जाते हैं लेकिन एक ऐसा व्यक्तित्व भी है जो कि मरीज के पास हर मिनट और घंटे में साये की तरह आंखों में सेवाभाव लिए मरीज की मरहम पट्टी करता है। जी हां वो होता है नर्सिंग स्टाफ। नर्स एक मां, एक बहन के रूप में मरीजों की सेवा करती हैं। इस रिश्ते को बखूबी निभाने के चलते ही इस प्रोफेशन से जुड़ी महिलाओं को सिस्टर का उपनाम दिया गया है। नर्स मरीजों के बाहरी जख्म से लेकर उनकी संवेदनाओं पर भी मरहम लगाती हैं। आधुनिक नर्सिंग की जननी कही जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल भी मरीजों की सेवा परिवार से बढ़कर करती थीं।

हाईटेक पैथोलॉजी लैब अब शहर में

बरेली की स्वास्थ्य सेवाओं में हाईटेक पैथोलॉजी लैब का भी योगदान अहम है। विशेषज्ञों के अनुसार, बीते पांच वर्ष तक लिवर, गुर्दा, हृदय समेत अन्य अंगों से जुड़ी जांचों के लिए भी सिर्फ दो से तीन लैब ही सहारा थीं, लेकिन अब यहां प्रतिष्ठित 8 लैब के कलेक्शन सेंटर और मिनी डायग्नोस्टिक केंद्र भी खुल गए हैं, जहां हार्मोन्स की जांचे, कैंसर की ट्यूमर मार्कर, गंभीर आंखों की बीमारी के दौरान किए जाने वाले सिरम एंटीएमोजी व एंटी एनमो टेस्ट के साथ ही अन्य जांच की सुविधा की उपलब्ध हैं।

बरेली से निकलते हैं हजारों नर्सिंग पुरोधा

जिले में 8 से अधिक नर्सिंग कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग के साथ ही पीजी नर्सिंग की डिग्री लेकर हर साल हजारों नर्सिंग पुरोधा जिले के साथ ही दूर दराज के क्षेत्रों में बरेली में मिली दीक्षा की लौ से अपने भविष्य की चमक बढ़ा रहे हैं।

सरकारी डॉक्टर बनने की चाह ने बुलंदियों तक पहुंचाया, अभी भी जारी सेवा भाव

सिविल लाइंस निवासी डॉ. एसके गर्ग ने 1988 में लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज (अब केजीएमयू) से एमबीबीएस की पढ़ाई पूर्ण की, इसके बाद इसी कॉलेज से विशेषज्ञता में एमडी चेस्ट की पढ़ाई की। डॉ. गर्ग बताते हैं कि मेरे पिता सोहन लाल सरकारी विभाग में इंजीनियर थे, लेकिन दादा मुझे पिता की तरह ही इंजीनियर बनने को प्रेरित करते लेकिन पिता जब भी किसी सरकारी अस्पताल में निर्माण संबंधी कार्य के लिए जाते तो एक डॉक्टर को देखकर प्रभावित होते थे और मुझे डॉक्टर बनने के लिए कहा करते थे। मैंने वर्ष 1988 में चेस्ट फिजिशियन की पढ़ाई पूरी करते ही स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं आरंभ कर दीं। डॉ. सुधीर कुमार गर्ग शाहजहांपुर और बरेली में बतौर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर तैनात रहे। लेकिन उन्होने इन शीर्षस्थ पदों पर आसीन होने से पहले ही एक डॉक्टर और मरीज के प्रति सेवा के भाव को सार्थक कर दिया था। डॉ. गर्ग बतातें हैं कि वर्ष 1998 से 2004 तक बरेली जिला अस्पताल में टीबी वार्ड प्रभारी रहकर मरीजों का इलाज किया, वहीं 2017 से 2020 तक बरेली में ही जिला क्षय रोग अधिकारी रहते हुए व्यापक रुप से अभियान चलाकर 50 हजार से अधिक टीबी के लक्षण वाले रोगी नोटिफाई किए। जो कि अब तक सबसे अधिक आंकड़ा है। इतना ही नहीं बरेली के अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (एडी हेल्थ) के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद वर्ष 2022 से ही घर पर ही क्लीनिक खोलकर टीबी रोगियों का नि:शुल्क इलाज करना आरंभ कर दिया जो कि वर्तमान में भी जारी है। चौपुला चौराहा स्थित अपने निजी निवास पर रोजाना 30 से 40 मरीजों को क्लीनिक पर ही इलाज दे रहे हैं।

पिता की चाह को पूरा किया सरकारी सेवा कर पाया मुकाम

डॉ. साधना अग्रवाल ने कार्यकाल में काफी अच्छा काम किया। साधना अग्रवाल ने जीएसबीएल कानपुर से एमबीबीएस किया है। उन्होंने बतौर डॉक्टर स्वास्थ्य विभाग में 16 अगस्त 1990 को कार्य शुरू किया और वर्ष 2025 में निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुईं। पति डॉ. एसके गर्ग के साथ ही अपने आवास पर उनके क्लीनिक पर मरीजों को परामर्श देने में सहयोग कर रही हैं।

कोरोना हुआ भयावह तो डॉ. सुबोध बने ढाल

बीसवीं शताब्दी की सबसे भयावह बीमारी कोरोना ने जब पैर पसारना शुरू किया तो बड़े-बड़े लोगों की हिम्मत जवाब दे गईं। लोग घरों में कैद हो गए, वाहन थम गए। ऐसे में कुछ ऐसे कोरोना योद्धा ने मिसाल पेश की जो अन्य के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है इस लिस्ट में एक नाम है डॉ. सुबोध शर्मा का जिन्होंने कोविड काल में रामपुर के सीएमओ की जिम्मेदारी निभाते हुए लोगों को भयानक बीमारी से मुक्त करने के लिए अपनी टीम के साथ दिन-रात मेहनत की। डॉ. सुबोध शर्मा ने एमबीबीएस और एमडी की डिग्री पूरी करने के बाद बतौर डॉक्टर लोगों की जो सेवा देनी शुरू की, वह 30 अप्रैल 2025 तक जारी रही है।

प्रदेश में चमका महिला अस्पताल, जिला अस्पताल की बदली तस्वीर : कहते हैं न कि जोड़ी भगवान बनाते हैं ऐसे ही डॉक्टर दंपति है डॉ. सुबोध और डॉ. अलका शर्मा जिन्हें सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए जाना जाता है। डॉ. अलका शर्मा ने सेवाओं में रहते हुए लोगों को रोगमुक्त बनाने का काम किया। सरकारी सेवाओं में आने के बाद उन्होने सीएचसी बहेड़ी में बतौर एलएमओ सेवाएं आरंभ कीं। 2016 में शासन ने उन्हें बरेली के जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका की जिम्मेदारी दी। बस फिर क्या था, अस्पताल की धुंधली तस्वीर को साफ करने में जुट गई। मेहनत रंग लाई और महिला अस्पताल को नेशनल क्वलिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड प्रमाणित कर प्रदेश में अस्पताल की पहचान बनाई। वर्ष 2022 में वह जिला अस्पताल बरेली की अपर निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक बनीं, यहां नई सड़कों का निर्माण, ऑक्सीजन प्लांट, मरीजों को दिया जाने वाले भोजन प्रणाली में सुधार के साथ कई उत्कृष्ट कार्य उनकी पहचान बनें।

सुविधा

इलाज ही नहीं हर साल निकलते हैं हजारों हेल्थ के पुरोधा

बरेली को चिकित्सा क्षेत्र का हब इसलिए हीं नहीं कहा जाता है कि यहां तीन मेडिकल कॉलेज होने साथ ही बड़ी संख्या में निजी अस्पताल हैं बल्कि यहां बीते सालों से हर साल हजारों की संख्या में मेडिकल की शिक्षा प्राप्त कर दूर-दराज में बरेली का नाम रोशन कर रहे हैं। दिल्ली और लखनऊ को जोड़ने वाले मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे रणनीतिक रूप से बसा, उत्तर प्रदेश का आठवां और भारत का 50वां सबसे बड़ा शहरी केंद्र होने के नाते, क्षेत्रीय परिदृश्य में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखता है। उत्तर प्रदेश चिकित्सा आयोग के सदस्य और वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमेंद्र महेश्वरी बताते हैं कि तीन मेडिकल कॉलेज, आठ आयुर्वेदिक कॉलेज और लगभग एक दर्जन से अधिक नर्सिंग कॉलेज होने के कारण, एक प्रसिद्ध चिकित्सा केंद्र के रूप में स्थापित है। इसके अलावा, एक चिकित्सा पर्यटन स्थल के रूप में, बरेली विदेशी रोगियों की भी सेवा करता है, जहां हृदय बाईपास सर्जरी से लेकर किडनी प्रत्यारोपण तक, विशेषज्ञों द्वारा की जाने वाली महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं।

बरेली में जटिल हड्डी रोगों का मिल रहा उपचार

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली का आर्थोपेडिक्स विभाग लोगों को हड्डियों और मांसपेशियों से जुड़ी बेहतरीन सुविधाएं देने के लिए समर्पित है। यह विभाग नई तकनीकों और अच्छी देखभाल के ज़रिए इलाज के स्तर को और बेहतर बना रहा है। स्पाइन सर्जरी के क्षेत्र में भी बरेली में तेज़ी से बदलाव देखने को मिले हैं। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. वरुण अग्रवाल इस बदलाव को लाने वाले एक मुख्य विशेषज्ञ के तौर पर सामने आए हैं। उन्होंने ऑपरेशन के नए तरीकों, जैसे- छोटे चीरे वाली (मिनिमली-इनवेसिव), दूरबीन वाली (एंडोस्कोपिक) और रोबोट की मदद से होने वाली प्रक्रियाओं के स्तर को बहुत ऊंचा कर दिया है।

आर्थोपेडिक्स विभाग की टीम के साथ डॉक्टर वरुण अग्रवाल।

डॉ. अग्रवाल ने यहां देश का पहला ऐसा इंटीग्रेटेड स्पाइन सेंटर शुरू किया है, जहां एक साथ तीन आधुनिक तकनीकें मौजूद हैं। सर्जरी में सटीकता लाने के लिए रोबोटिक सिस्टम का उपयोग, ऑपरेशन के दौरान सही रास्ता दिखाने वाली आधुनिक तकनीक 3डी नेविगेशन, हाई-क्वालिटी इमेजिंग इन तकनीकों में शामिल है। नई तकनीकों से रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन, जोड़ बदलने (टोटल जॉइंट रिप्लेसमेंट) की सर्जरी, छोटे चीरे वाले फ्रैक्चर ऑपरेशन और टेढ़ेपन को ठीक करने जैसे जटिल ऑपरेशन ज़्यादा सटीक और सुरक्षित हो गए हैं।

डॉ. वरुण बताते हैं कि हमारी ट्रॉमा केयर यूनिट 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। यह तेज़ गति से होने वाली दुर्घटनाओं और कई चोटों वाले मुश्किल मामलों को संभालने में सक्षम है। यहां डॉक्टरों की टीम गोल्डन आवर (चोट लगने के बाद का सबसे ज़रूरी समय) में तुरंत इलाज शुरू कर देती है। हम सिर्फ बरेली ही नहीं, बल्कि आस-पास के ज़िलों, उत्तराखंड के दूरदराज़ इलाकों और भारत-नेपाल सीमा से आने वाले मरीज़ों का भी इलाज कर रहे हैं। लोग यहां आधुनिक, भरोसेमंद और जटिल हड्डी रोग के इलाज के लिए आते हैं।

डॉ वरुण बताते हैं कि हमारा मिशन हर जगह अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसके लिए, हम नियमित रूप से गांव-गांव जाकर कैंप लगाते हैं, मोबाइल जांच सेवाएं देते हैं और मुफ़्त ऑपरेशन प्रोग्राम चलाते हैं, ताकि ग़रीब लोग भी शहरों जैसी अच्छी सुविधाएं पा सकें। डॉ. वरुण अग्रवाल के मार्गदर्शन में टीम ने गांवों और छोटे शहरों में बहुत सारे मुफ़्त स्पाइन हेल्थ कैंप लगाए हैं। इन कैंपों से उन मरीजों तक मदद पहुंची जो शहरों के अस्पतालों तक नहीं आ पाते।

राजश्री मेडिकल कॉलेज को विवि बनाने का लक्ष्य

बरेली समेत आसपास के जिले के लोगों को बेहतरीन और उच्च गुणवत्ता परक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 2014 में स्थापित राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को विश्वविद्यालय बनाने का लक्ष्य 2026 तक निर्धारित किया गया है। राजश्री मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर रोहन बंसल ने बताया राजश्री मेडिकल कॉलेज के विश्वविद्यालय बनने से यहां सुविधाओं में विस्तार होगा। विभिन्न कोर्सों के साथ ही फैकल्टी में वृद्धि होगी। विभिन्न संस्थानों से समझौता होगा, जिससे यहां पढ़ने वाले छात्रों और इलाज करने आने वाले मरीजों को काफी लाभ होगा।

रोहन बंसल, मैनेजिंग डायरेक्टर
राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल

राजश्री मेडिकल कॉलेज की स्थापना राजश्री एजुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार अग्रवाल और सचिव राकेश कुमार अग्रवाल ने 2014 में मानव सेवा के लिए की थी जो अपने उद्देश्य को बखूबी अंजाम दे रहा है। यहां पर छात्रों को मेडिकल के क्षेत्र में दक्ष बनाने के साथ ही एक हजार पचास बेड का "सुपर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल का संचालन हो रहा है। इस समय यहां एमबीबीएस की 250, जीएनएम 40 सीटें, एएनएम की 40 सीटें। बीएससी नर्सिंग 100, पोस्ट बीएसएसी नर्सिंग 40, एमएसी नर्सिंग 20 सीटें। लैब टेक्नीशियन में 30, ओटी टेक्नीशियन में 30, फिजियोथेरेपी 30, डिप्लोमा इन सैनिटेशन की 30 समेत कई अन्य कोर्स में छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई कराई जा रही है।

... ताकि मरीजों को मिल सके रोशन जहां

कहते हैं न कि डॉक्टर का जीवन मरीजों के लिए समर्पित होता है, लेकिन कम उम्र में अगर आप एक कुशल विशेषज्ञ डॉक्टर बन जाते हैं इस दुनिया की चकाचौंध विदेशों तक जगमगाती है लेकिन कुछ ऐसे भी युवा डॉक्टर है जिन्होने अपनी जन्म स्थली को ही कर्मभूमि बना लिया और अन्य के लिए प्रेरणा बन गए। हम बात कर रहे हैं मंडल के अनुभवी वरिष्ठ रेटिना विशेषज्ञ डॉ. दिव्य अग्रवाल की। उन्होने वर्ष 2021 में दिल्ली स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) से रेटिना विशेषज्ञता की पढ़ाई पूरी करने के बाद जब उनके वरिष्ठों ने उनकी कार्यकुशलता देखी तो एम्स में ही सेवाएं देने के लिए तमाम अनुरोध किए लेकिन डा. दिव्य के मन में अपने जन्म स्थान के लिए एक अलग ही सेवा भाव था, उन्होने वर्ष 2022 में बरेली आकर विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर में मरीजों का इलाज आरंभ किया जो कि निरंतर जारी है। डॉ. दिव्य बतातें हैं कि मंडल में रेटिना के ऑपरेशन की उन्नत मशीन की कमी एवं रेटिना सर्जन की कमी होने से मरीजों को दिल्ली लखनऊ के चक्कर लगाने होते थे, जिससे उनके मन में टीस थी, बस इसलिए ही उन्होने बरेली आने का फैसला किया।

अब नहीं लगानी होगी दूर -दराज की दौड़

डॉ. दिव्य बताते हैं कि पहले नेत्र रोगियों को गंभीर समस्या होने पर दूर-दराज के क्षेत्रों में इलाज के लिए जाना पड़ रहा था इसका मुख्य कारण ये था कि बीते वर्षों में इलाज की आधुनिक तकनीक और मशीनों का बरेली में अभाव था लेकिन अब शहर के स्टेडियम रोड के एकता नगर स्थित विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर के साथ ही अन्य केंद्रों पर भी रेटिना बीमारियों के सभी इलाज, रेटिनल इंजेक्शन, जर्मनी की लेटेस्ट मशीन द्वारा रेटिना की जांच, एंजियोग्राफी, अत्याधुनिक लेज़र मशीन द्वारा रेटिनल लेज़र तकनीक से इलाज, इस तकनीक से इलाज में मरीज के जल्दी स्वस्थ होने के साथ ही इलाज में दर्द का एहसास तक नहीं होता है इतना ही नही अब शहर में ही अमेरिका की विटरेक्टॉमी मशीन जो कि पर्दे के ऑपरेशन के लिए सर्वोत्तम मशीन है जिससे बिना टांके के परदे के ऑपरेशन सुरक्षित तरीके से किए जा रहे हैं।

स्क्रीन टाइम बच्चों को बांट रहा मायोपिया

डॉ. दिव्य बताते हैं कि दिनों दिन सोशल मीडिया का चलन बढ़ रहा है हर वर्ग इसकी चपेट में है, लेकिन सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों की आंखों पर पड़ रहा है। बच्चे मायोपिया बीमारी से ग्रसित मिल रहे है जिसका मुख्य कारण है अधिक स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधियों का कम होना। लेकिन समय पर विशेषज्ञ की सलाह लेने से इससे बचाव हो सकता है।

डॉ. दिव्य ने दिल्ली स्थित एम्स से नेत्र विज्ञान में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है, जहां उन्हें स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर कई स्वर्ण पदक प्राप्त हुए हैं। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली से विट्रोरेटिना, यूविया और आरओपी में अपनी दीर्घकालिक फेलोशिप पूरी की है। उन्होंने पद्मश्री प्रो. अतुल कुमार के मार्गदर्शन में अपनी वरिष्ठ रेजिडेंसी पूरी की। इतना ही नहीं डॉ. दिव्या के प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 100 से अधिक प्रकाशन हैं और उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई शोधपत्र व संकाय वार्ताएं प्रस्तुत की हैं।

हर धुंधलापन मोतियाबिंद नहीं होता

डॉ. दिव्य बताते हैं कि मधुमेह यानि डायबिटिज से ग्रसित मरीजों को रोशनी कम होने की समस्या अधिक होती है, लेकिन अधिकांश लोग ये समझ लेते हैं कि ये मोतियाबिंद है, कई बार मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने से भी आंखों की रोशनी कम ही रहती है। इसलिए ये जानना जरुरी है कि हर धुंधलापन, मोतियाबिंद ही नहीं होता ये डायबिटिक रेटिनोपैथी भी हो सकती है। इसलिए हर डायबिटिक मरीज को हर साल नेत्र विशेषज्ञ से जांच अवश्य करानी चाहिए। आंखों के आगे काले धब्बे दिखने पर या चमक का कारण पर्दे की कमजोरी होता है, ऐसे में रेटिनल डिचेमेंट के खतरे से बचने के लिए रेटिना विशेषज्ञ की सलाह जरुरी है।

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग-2)

अमृत विचार

बुधवार, 26 नवंबर 2025

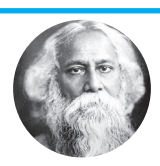

भीतर को बाहर के आक्रमण से बचाओ।
–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

जेंटल जाइंट का जाना

धर्मेंद्र के निधन के साथ भारतीय सिनेमा का एक स्वर्णिम अध्याय मानो समाप्त हो गया। एक महान अभिनेता का जाना, सबको उदास कर गया, क्योंकि यह उस संवेदनशील, सौम्य और करिश्माई युग का अंत है, जिसने हिंदी फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। धर्मेंद्र ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने छह दशकों तक न केवल परदे पर बल्कि दर्शकों के दिलों पर राज किया। उनके अभिनय और स्टारडम ने कई पीढ़ियों को आकार दिया। 60–70 के दशक में उभरते युवाओं के लिए वे गरिमामय, विनम्र और सहज रोमांस के प्रतीक थे। इसके बाद 80 का दशक आते-आते जब भारतीय दर्शक एक ऐसे नायक की तलाश में थे जो ताकत, मासूमियत और भावनात्मकता का अद्वितीय संगम हो, वे एक्शन हीरो के बतौर हिट हुए।

अनुपमा और हमराही जैसी फिल्मों में उनकी आंखों की गहराई और संवादों की सादगी रोमांटिक अभिनय का मानक बन गई। शोले में उनकी वीरू की भूमिका ने भारतीय सिनेमा को ऐसा चरित्र दिया, जो आज भी स्मृति और संस्कृति दोनों में जीवित है। इसी तरह युद्ध या धर्म-वीर जैसी फिल्मों में उनका तेज, ऊर्जा और प्रभावशीलता अद्वितीय रही। कॉमेडी में भी उनका सहज हास्य कौशल, कॉमिक टाइमिंग, इम्प्रोवाइजेशन दर्शकों के लिए हमेशा याद रहेगा। सत्यकाम ऐसी फिल्म थी, जिसने उनके सादगी और कलात्मक अभिनय का लोहा मनवाया। इस फिल्म में वे अपने किरदार की नैतिक दुविधाओं को जिस शांत गहराई से निभाते हैं, वह शायद ही किसी अभिनेता के लिए संभव हो। इसी तरह अनुपमा और चैते की चांदनी में उनका संयत अभिनय एक संवेदनशील अभिनेता की परिभाषा प्रस्तुत करता है। सिनेमा से बाहर निकलकर धर्मेंद्र ने राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई। वे भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लोकसभा सांसद बने। सीमित समय के बावजूद उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में सड़कों, जल प्रबंधन और स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए कार्य किया, हालांकि वे राजनीति में अपनी प्राकृतिक सहजता नहीं खोज पाए, पर उनकी नीयत और कोशिशों में ईमानदारी झलकती थी। धर्मेंद्र महज कुशल अभिनेता ही नहीं थे, वे एक अत्यंत संवेदनशील, भावुक और मानवीय व्यक्ति भी थे। सह-कलाकारों की तकलीफ में साथ खड़े होना, नए कलाकारों को प्रोत्साहन देना और निजी जीवन में परोपकारिता जैसे गुण बताते हैं कि वे क्यों एक 'जेंटल जाइंट' कहे जाते थे। उनकी विरासत बहुआयामी है। वे बतौर एक्टर विविधता, निरंतरता और गुणवत्ता के प्रतीक थे, तो एक व्यक्ति के रूप में वे प्रेम, करुणा और गरिमा की मिसाल।

आने वाले समय में भारतीय सिनेमा जब भी अपने इतिहास के गौरवशाली अध्यायों को पलटेगा, धर्मेंद्र का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनके फिल्मी सफर, व्यक्तित्व और योगदान को देश अनंत काल तक याद रखेगा। हम सभी उन्हें भारतीय सिनेमा के उस अनोखे सितारे के रूप में स्वीकारते है, जिन्होंने करोड़ों लोगों के लिए आनंद, प्रेरणा और संवेदना का संसार रचा। यह सच है कि धर्मेंद्र का जाना सिनेमा के एक युग का अंत है, पर उनके अभिनय, स्टारडम तथा अनूठे व्यक्तित्व की चमक हमेशा हमारे सिनेमा प्रेमियों के दिलों में बनी रहेगी।

प्रसंगवश

'हीमैन' सियासत के परदे पर कभी न बन सका हीरो

धर्मेंद्र लगभग छह दशकों तक बॉलीवुड के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर रहे। उन्होंने शोले, सत्यकाम, चुपके-चुपके, फूल और पत्थर, बंदिनी जैसी अनेक फिल्मों में यादगार किरदार निभाए, पर सियासत की दुनिया में उनका सफर छोटा और किसी भी रूप में यादगार नहीं रहा। धर्मेंद्र 2004 का लोकसभा चुनाव राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लड़े और आराम से जीत गए। जिस शख्स ने कभी सियासत की बात तक नहीं की, जो इंटरव्यू में भी कहता था कि "मुझे तो बस फिल्में बनानी और करना पसंद है", वही शख्स संसद पहुंच गया। जीत भी बड़ी शानदार मिली। करीब 60 हजार वोटों से, मगर उन्होंने फिर कभी चुनाव नहीं लड़ा। राजनीति का उनका सफर यहीं खत्म हो गया।

विवेक शुक्ला
पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

दरअसल 2004 के लोकसभा चुनाव के वक्त राजस्थान में बीजेपी की लहर थी। वाजपेयी सरकार के अंतिम वर्ष थे। बीकानेर सीट पर पार्टी को एक ऐसा चेहरा चाहिए था, जो जाट बहुल इलाके में पकड़ रखता हो और जिसकी लोकप्रियता से कांग्रेस का पुराना किला ढह जाए। जाट समुदाय में धर्मेंद्र का जबरदस्त प्रभाव था। उनकी फिल्में गांव-गांव में हिट होती थीं। 'शोले' का वीरू, 'चुपके चुपके' का डॉ. परिमल, 'यमला पगला दीवाना' का देसी जवान- ये किरदार राजस्थान के गांवों में आज भी जिंदा हैं। बीजेपी को लगा कि अगर धर्मेंद्र मैदान में उतर आए तो जीत पक्की।

खुद धर्मेंद्र ने कई इंटरव्यू में बताया कि उनके बहुत करीबी दोस्त, बीजेपी के तत्कालीन नेता और राजस्थान के बड़े नेता (नाम उन्होंने कभी सार्वजनिक नहीं किया) बार-बार आग्रह करते रहे। बोले, "धरम जी, बस एक बार आ जाओ, इलाके के लिए बहुत कुछ कर सकते हो।" पहले तो उन्होंने साफ मना कर दिया। कहा, "मैं तो फिल्मों का आदमी हूं, मुझे ये सब नहीं आता।" मगर दोस्तों ने जिद पकड़ ली। अंत में धर्मेंद्र मान गए। शर्त सिर्फ एक थी, ज्यादा प्रचार नहीं करना पड़ेगा, न ज्यादा भाषण देने पड़ेंगे।

धर्मेंद्र का चुनाव प्रचार देखने लायक था। जहां दूसरे नेता सुबह से रात तक गांव-गांव गली-गली चिल्लाते थे, वहां धर्मेंद्र बस दो-तीन बड़ी सभाएं करते और लौट आते। कभी जीप पर खड़े होकर हाथ हिलाते, कभी मंच पर बैठकर मुस्कुराते। भाषण? वो भी दो-चार लाइन का। "भाइयो-बहनो, मैं आपका अपना हूं। आपने मुझे फिल्मों में इतना प्यार दिया, अब एक बार संसद में भेज दो।" बस। लोगों को भाषण नहीं, उनका चेहरा चाहिए था। गांव की औरतें आशीर्वाद देने आतीं, बच्चे ऑटोग्राफ मांगते। एक बार तो किसी ने मंच पर चढ़कर कहा, "हीमैन जी, बस एक डायलॉग बोल दो!" और धर्मेंद्र ने हंसते हुए बोल दिया, "कित्ता मजनू है रे!" पूरा मैदान तालियों से गूंज उठा। वोट उसी वक्त डल गया।

संसद में धर्मेंद्र बहुत सक्रिय सांसद नहीं थे। 14वीं लोकसभा (2004-2009) में उनकी उपस्थिति करीब 60-65% रही, जो उस समय के कई सेलिब्रिटी सांसदों से बेहतर थी, लेकिन आम सक्रिय सांसदों से कम। उन्होंने कुल 20-25 सवाल ही पूछे। ज्यादातर सवाल बीकानेर के पानी, सड़क, बिजली और किसानों की समस्याओं से जुड़े थे। वो भी लिखित में। मौखिक बहस में वो शायद ही कभी बोले हों। एक बार तो सदन में हंसी का माहौल बन गया, जब स्पीकर ने उनका नाम पुकारा और धर्मेंद्र जी उठे नहीं। बाद में पता चला कि वो शूटिंग के लिए मुंबई चले गए थे। विपक्ष ने खूब चुटकी ली, लेकिन जनता को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। बीकानेर में लोग कहते थे, "हमारे सांसद तो हीमैन हैं, बोलना क्या जरूरी है?"

नया एसआईएफ निवेशकों के लिए नया रास्ता

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत में पिछले कुछ वर्षों में छोटे निवेशकों की भागीदारी बेहद तेज़ी से बढ़ी है। म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार आज लाखों करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और SIP के माध्यम से हर महीने नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। इसी बदलते निवेश माहौल में सेबी ने छोटे निवेशकों को और सशक्त बनाने तथा उन्हें उन्नत निवेश रणनीतियों तक पहुंच दिलाने के लिए एक नई पहल की है- एसआईएफ (Specialized Investment Funds)। यह नया निवेश ढांचा मझोले निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

SIF क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी? SIF दरअसल म्यूचुअल फंड नियमों के अंतर्गत बनाई गई एक नई श्रेणी है, लेकिन इसकी संरचना और रणनीतियां पारंपरिक फंडों से कहीं अधिक उन्नत हैं। SIF निवेशकों का पैसा एकत्र करके प्रोफेशनल मैनेजर्स द्वारा ऐसे तरीक़ों में निवेश किया जाता है, जिनका उद्देश्य केवल बाज़ार के ऊपर जाने पर ही नहीं, बल्कि नीचे जाने पर भी अवसर तलाशना होता है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड जहां केवल long-only यानी शेयर ख़रीदकर रखने की रणनीति पर काम करते हैं, वहीं SIF में long–short equity, sector rotation, tactical investing, hybrid strategies और derivatives का उपयोग शामिल हो सकता है। इसका मतलब है कि SIF निवेशक को अधिक लचीला और गतिशील निवेश विकल्प प्रदान करता है।

SIF और सामान्य म्यूचुअल फंड के बीच सबसे बड़ा अंतर निवेश की न्यूनतम सीमा और रणनीतियों का स्तर है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड में कोई भी व्यक्ति 100 या 500 रुपये से भी निवेश शुरू कर सकता है, जबकि SIF में न्यूनतम निवेश सीमा 10 लाख रुपये निर्धारित की गई है। यह राशि बताती है कि SIF को उन निवेशकों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो म्यूचुअल फंड से आगे बढ़कर अधिक उन्नत रणनीतियों का लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन PMS या AIF जैसी हाई-टिकट सेवाओं की भारी लागत नहीं वहन कर सकते। PMS में जहां 50 लाख रुपये और AIF में एक करोड़ रुपये से शुरुआत होती है, वहीं SIF इन दोनों के बीच का एक संतुलित विकल्प है।

SIF की खासियत इसका रणनीतिक लचीलापन है। यह फंड बाजार में उतार-चढ़ाव से उत्पन्न दोनों स्थितियो- राइज़िंग और फॉलिंग मार्केट में लाभ कमाने की कोशिश कर सकता है। उदाहरण के लिए, जब बाजार गिरता है, तब short positions और derivatives की मदद से फंड अपने निवेशक की पूंजी की रक्षा कर सकता है या मुनाफा भी कमा सकता है। वहीं, पारंपरिक म्यूचुअल फंड में यह अवसर सीमित होता है। भारत में लाखों छोटे निवेशक सीधे derivatives में जाकर बड़ा नुकसान उठाते हैं, क्योंकि उन्हें यह बाज़ार बहुत जटिल लगता है। ऐसे में SIF का सबसे बड़ा लाभ यही है कि जोखिम भरे और जटिल फैसलों को प्रोफेशनल मैनेजर्स संभालते हैं और निवेशक को तैयार रणनीति का फायदा मिलता है।

SIF का एक मजबूत पहलू यह भी है कि इसमें म्यूचुअल फंड जैसी पारदर्शिता मिलती है। NAV की नियमित घोषणा, पोर्टफोलियो अपडेट, जोखिम-मीटर, वैल्यूएशन प्रक्रिया ये सभी सुविधाएं SIF में भी उपलब्ध रहती हैं। टैक्सेशन भी काफी हद तक म्यूचुअल फंड जैसा ही है, जिससे निवेशक लंबे समय तक कुशलता से अपना पोर्टफोलियो बढ़ा सकते हैं। PMS या कई AIF में टैक्स सीधे निवेशक के हाथ में लगता है, जबकि SIF की संरचना निवेशक के लिए ज्यादा tax-efficient साबित हो सकती है।

बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सचमुच छोटे निवेशक के लिए है? न्यूनतम 10 लाख रुपये की सीमा होने के कारण यह निश्चित ही बहुत छोटे निवेशकों के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए है, जिन्होंने SIP या म्यूचुअल फंड के माध्यम से पहले ही एक अच्छा corpus बना लिया है। आज भारत में करोड़ों लोग नियमित SIP करते हैं और कई निवेशकों का पोर्टफोलियो लाखों–करोड़ों की राशि छू चुका है। उन निवेशकों के लिए SIF एक next-level उत्पाद है, जहां वे अपने पोर्टफोलियो में उन्नत रणनीतियों का छोटा हिस्सा जोड़कर दीर्घकाल में बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।

छोटे भारतीय निवेशकों के लिए SIF कई तरह से फायदेमंद हो सकता है। पहला, यह उन रणनीतियों तक पहुंच दिलाता है, जो पहले सिर्फ़ बड़े निवेशकों के लिए उपलब्ध थीं। दूसरा, SIF बाजार के ऊपर–नीचे दोनों स्थितियों में अवसर पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय में returns अधिक स्थिर हो सकते हैं। तीसरा, इसमें पारदर्शिता, नियमित जानकारी और कड़े नियम निवेशक को भरोसा देते हैं। चौथा, यह mutual fund और high-end investment products के बीच एक मजबूत पुल की तरह काम करता है, जो निवेशक अब तक सिर्फ SIP कर रहे थे, उनके लिए SIF उन्नत इन्वेस्टिंग की दुनिया का सुरक्षित प्रवेश द्वार है।

फिर भी, SIF में निवेश करने से पहले सावधानी जरूरी है। यह हाई रिस्क प्रोडक्ट माना जाता है और इसकी जटिल रणनीतियों को समझना हर निवेशक के लिए आसान नहीं होता। निवेशकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका मूल पोर्टफोलियो इमरजेंसी फंड, बीमा, पारंपरिक इक्विटी और डेट फंड पहले से मजबूत हों। साथ ही, SIF को पोर्टफोलियो के केवल एक छोटे हिस्से, जैसे 5–10% में ही रखना चाहिए। इसके बिना SIF का जोखिम अधिक लग सकता है।

सेबी ने नई पहल की है– एसआईएफ। यह नया ढांचा निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

आमने

कांग्रेस सरकार के समय धर्मांतरण को राजनीतिक संरक्षण दिया जाता था और डोटासरा जैसे नेता ऐसे अपराधों में लिप्त लोगों को आश्रय देते थे। अगर किसी ने धर्मांतरण की हिमाकत की तो वह जेल में सड़ेगा।

–जोगाराम पटेल
मंत्री, राजस्थान सरकार

सामने

अंता उपचुनाव में हार के बाद भाजपा बौखला गई है। भाजपा असल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए हिंदू-मुस्लिम का माहौल बनाना चाह रही है। मुख्यमंत्री कह रहे थे कि यह दो साल के काम का चुनाव था और अब हार के बाद वे मनगढ़ंत मुद्दे खड़े कर रहे हैं।

–गोविंद सिंह डोटासरा
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान

कॉप सम्मेलनः जीवाश्म ईंधन पर नहीं बनी राय

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

ब्राजील के बेलेम में 10 से 21 नवंबर 2025 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (कॉप-30) खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन जैसी उम्मीद की जा रही थी, वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ। कॉप सम्मेलन (कान्फ्रेंस आफ पार्टीज) का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों को एक साझा मंच पर लाना है, जहां वे पर्यावरण संरक्षण, ग्रीन हाउस गैसों में कमी, तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने और टिकाऊ वैश्विक विकास की दिशा में सामूहिक निर्णय लेते हैं।

आखिरी दिन जीवाश्म ईंधन (कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस) को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने को लेकर जिस तरह खींचतान होती रही, वह दुनिया को बहुत आश्वस्त करने वाली नहीं रही। आश्चर्यजनक है कि जिस वैश्विक योजना का जिक्र कॉप सम्मेलन के शुरुआती ड्राफ्ट में था, उसे बाद के संशोधित ड्राफ्ट से हटा ही दिया गया। इससे यह साफ है कि जीवाश्म ईंधन से जुड़े विवाद जल्द सुलझने वाले नहीं हैं। उम्मीद थी कि दुनिया के तमाम देश 'ग्लोबल वार्मिंग' के खिलाफ कोई ठोस फैसला लेंगे, लेकिन सम्मेलन धीमी रफ्तार से आगे बढ़ा और कुछ विशेष सामने नहीं आया।

इस बार हुए कॉप-30 से उम्मीदें इसलिए भी ज्यादा थीं, क्योंकि पेरिस समझौते को दस साल पूरे हो चुके हैं। यहां पेरिस जलवायु समझौता वर्ष-2015 में दुनिया के लगभग सभी देशों के बीच हुआ एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय समझौता है। इसका मुख्य उद्देश्य बढ़ते वैश्विक तापमान को नियंत्रण में रखना है, ताकि धरती को जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों से बचाया जा सके। इस समझौते के तहत देश यह प्रयास करते हैं कि पृथ्वी का तापमान औद्योगिक युग से पहले की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे और संभव हो तो 1.5 डिग्री तक सीमित किया जाए।

हर देश अपनी क्षमता के अनुसार ग्रीन हाउस गैसों में कमी लाने की योजना बनाता है, जिसे एनडीसी मतलब 'नेशनली डेटेरमाइंड कंट्रीब्यूशन्स' (यह वह योजना है, जिसे हर देश खुद बनाता है कि वह कितनी ग्रीन हाउस गैसें कम करेगा, पर्यावरण की रक्षा के लिए क्या-क्या कदम उठाएगा और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कैसी तैयारी करेगा) कहा जाता है। साथ ही, विकसित देश गरीब और विकासशील देशों को आर्थिक एवं तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं, ताकि वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जरूरी कदम उठा सकें। यह समझौता पूरी दुनिया को जलवायु संकट से बचाने का सामूहिक प्रयास है।

आज पूरी दुनिया जिस गंभीर जलवायु संकट से गुजर रही है, वह किसी से छिपा नहीं है। इसके बावजूद ज्यादातर देश अब भी ग्लोबल तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और 1.5 डिग्री के लक्ष्य को हासिल करने के प्रति गंभीर नहीं दिखते। ऐसे में विकासशील देशों की स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि जलवायु संकट में उनका योगदान सबसे कम है, लेकिन नुकसान उन्हें सबसे ज्यादा झेलना पड़ रहा है। पिछले कुछ सालों से बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और असहनीय गर्मी ने मानव जीवन को चुनौती दे दी है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि विकसित देश अपने वादों को ठीक से पूरा नहीं कर रहे हैं।

हमारे देश के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी इस सम्मेलन में साफ कहा कि विकसित देशों को तय समय से पहले 'नेट-जीरो' लक्ष्य हासिल करना चाहिए।उनकी यह बिल्कुल उचित मांग है, क्योंकि सबसे ज्यादा प्रदूषण उन्हीं देशों ने किया है, इसलिए जिम्मेदारी भी उनकी ज्यादा बनती है। विकसित देशों में प्रदूषण का स्तर उनकी ऊंची ऊर्जा-खपत और औद्योगिक गतिविधियों के कारण स्वाभाविक रूप से अधिक रहा है। ऐतिहासिक रूप से देखें तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे बड़ी हिस्सेदारी इन्हीं देशों की रही है।

आंकड़े बताते हैं कि साल 1850 से 2019 तक उत्तरी अमेरिका और यूरोप ने कुल उत्सर्जन का लगभग आधा हिस्सा पैदा किया। आज भी प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के मामले में विकसित देश काफी आगे हैं, जहां उच्च-आय वाले देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करीब 8-9 मीट्रिक टन तक है, वहीं विकासशील देशों में यह लगभग आधा होता है। यद्यपि तकनीक, नियमों और बेहतर निगरानी के कारण इन देशों ने वायु-गुणवत्ता में सुधार किए हैं और कुछ देश पीएम . प्रदूषण को विश्व स्वास्थ्य संगठन मानकों के अनुरूप रखने में सफल भी हुए हैं, फिर भी वैश्विक तापमान वृद्धि और ग्रीनहाउस गैसों की समस्या में उनका योगदान निर्णायक बना हुआ है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन की अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में विकसित देशों से अधिक जिम्मेदारी और तेज उत्सर्जन-कटौती की अपेक्षा की जाती है।

इस संबंध में, भारत ने बेहतर उदाहरण पेश किया है। विकास भी जारी है और पर्यावरण संरक्षण भी। यह काबिले-तारीफ है कि साल 2005 से अब तक भारत ने अपने कार्बन उत्सर्जन में 36% से ज्यादा कमी की है और बिजली उत्पादन में गैर-जीवाश्म स्रोतों का हिस्सा 50% से अधिक हो चुका है। हाल फिलहाल यह भी माना जा रहा है कि भारत 2070 से पहले ही नेट-जीरो का लक्ष्य हासिल कर सकता है।

ब्राजील के बेलेम में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ।

सोशल फोरम

दुनियाभर के पांच सौ अर्थशास्त्रियों की अपील

दुनिया के पांच सौ से ज्यादा बड़े अर्थशास्त्री एक आवाज बनकर खड़े हुए हैं। वे G-20 देशों से एक ऐसे अंतर्राष्ट्रीय समूह की मांग कर रहे हैं, जो सिर्फ एक काम करे- मानव सभ्यता को तोड़ती हुई असमानता को समझे, उसकी जड़ें पहचाने और उसे कम करने के रास्ते बताए। ये अर्थशास्त्री सत्तर देशों से हैं और उनकी चिंता सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है। उन्हें डर है कि दौलत का इतना बड़ा झुकाव कुछ हाथों में लोकतंत्र की जड़ों को खोखला कर रहा है, समाजों को अस्थिर कर रहा है और लोगों के भीतर भरोसा खत्म कर रहा है।

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

इस अपील में ऐसे नाम शामिल हैं, जिनकी बात को दुनिया ध्यान से सुनती है। 2024 के नोबेल विजेता डैरोन अचेमोग्लू, अमेरिका की पूर्व वित्त मंत्री और फेडरल रिजर्व प्रमुख रहे जानेट येलेन, फ्रांस के अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी और टैक्स विशेषज्ञ गेब्रियल जुकमैन। ये सब एक ही बात दोहरा रहे हैं कि अमीरी का यह असमान जमा होना सिर्फ आर्थिक समस्या नहीं है, यह राजनीति को भी बांट रहा है, समाज को कठोर बना रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है।

G-20 की हालिया पहली रिपोर्ट इस चिंता को और गहरा कर देती है। इसमें दिखाया गया है कि 2000 से 2024 तक दुनिया की नई पैदा हुई संपत्ति का 41 प्रतिशत सिर्फ सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने ले लिया, जबकि नीचे के 50 प्रतिशत लोगों को सिर्फ एक प्रतिशत मिला। इस फासले की निर्ममता को समझिए- अमीरों की औसत दौलत में तेरह लाख डॉलर का इजाफा हुआ और गरीबों के हिस्से में बढ़त नाम मात्र की, सुझाया गया है कि 'इंटरनेशनल पैनल ऑन इनएक्वालिटी' नाम से समूह बनाया जाए। इसे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन पैनल की तरह काम करना होगा।

यह असमानता को मापेगा, उसके कारणों की छानबीन करेगा और सरकारों को बताएगा कि कौन से कदम इस खाई को पाट सकते हैं। यह विचार इस सीधी सच्चाई से निकलता है कि असमानता कोई प्राकृतिक घटना नहीं है। इसे नियंत्रित किया जा सकता है, बशर्ते इच्छा और समझ दोनों मौजूद हों। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने इस रिपोर्ट को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। इसमें बताया गया है कि दुनिया के 83 प्रतिशत देश, जहां 90 प्रतिशत लोग रहते हैं, गंभीर असमानता से जूझ रहे हैं और ऐसे देशों में लोकतंत्र पीछे जा रहा है।

सामयिकी

नए लेबर कोड और मजदूरों के अधिकार

21 नवंबर 2025 को आखिर केंद्र सरकार ने बिना श्रमिक संगठनों से चर्चा के नए चार लेबर कोड को लागू कर ही दिया है, जिसके बाद इस पर बड़ी बहस छिड़ चुकी है। कुछ तर्कों के साथ इनको श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए बनाया गया बताया गया है, तो दूसरी ओर देश की दस प्रमुख यूनियंस ने 21 नवंबर को काला दिवस मनाया और तीखी प्रतिक्रिया दी है। देश की प्रमुख यूनियंस अब 26 नवंबर को देशव्यापी विरोध दिवस मनाने की तैयारी में हैं।

पांच साल पहले बनाए गए इन लेबर कोड को केंद्र सरकार पता नहीं क्यों, लागू करने से बच रही थी, लेकिन बिहार में बीजेपी और एनडीए को मिली जीत ने सरकार का मनोबल बढ़ा दिया है, जबकि यूनियंस का मानना है कि पुरानी पेंशन को समाप्त करते समय भी इसी तरह की बातें बताई गई थीं, जबकि पुरानी पेंशन को पुनः बहाल करने की लड़ाई आज भी कर्मचारियों द्वारा पूरी ताकत से लड़ी जा रही है, यही बातें नोटबंदी, काले कृषि कानूनों और जीएसटी लागू करते समय भी बताई गईं थीं, लेकिन उनका क्या हश्र हुआ सभी ने देखा।

संजीव मेहरोत्रा
बरेली

इन चार लेबर कोड्स के लागू होने से यूनियन को मान्यता पाने के लिए 51% कर्मचारियों की सदस्यता आवश्यक है और केवल मान्यता प्राप्त यूनियन को ही सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार मिलेगा। हड़ताल से पहले 14 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है और सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं में हड़ताल पर सख्त प्रतिबंध लागू होंगे, जो मालिकों का हित साधेंगे। गिग वर्कर्स और असंगठित मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा में शामिल किया गया है, (जबकि गिग वर्कर्स के काम के घंटों का कोई जिक्र ही नहीं है), लेकिन योगदान का बड़ा हिस्सा मजदूरों से ही लिया जाएगा।

कार्य समय प्रतिदिन 12 घंटे तक बढ़ाने की अनुमति है, बशर्ते साप्ताहिक सीमा 48 घंटे से अधिक न हो। इससे 12 घंटे के कार्य दिवस को परोक्ष रूप से मान्यता मिल सकेगी। नियोक्ता यानी मालिक वेतन संरचना और भत्ते तय कर सकता है, पर कथित भ्रामक फ्लोर वेज से कम वेतन नहीं दे सकता। संस्थान निश्चित अवधि के (हफ्ता, महीना आदि) अनुबंध पर कर्मचारियों को रख सकते हैं, जिससे स्थायी नौकरी का अधिकार खत्म है। नियोक्ता को सरकारी अनुमति के बिना छंटनी करने की सुविधा है, जिससे रोजगार की सुरक्षा कमजोर होती है। नियोक्ता के लिए इज़ ऑफ बिजनेस के नाम पर श्रमिक के फंडामेंटल राइट्स पर खतरा है।

कंपनी को छंटनी/बंद करने के लिए सरकारी अनुमति की सीमा 100 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है। 300 से कम कर्मचारियों वाले सभी संस्थान मनमाने ढंग से छंटनी कर सकते हैं। ठेका मजदूरों का हिस्सा देश में 15.5% है, जो आने वाले समय में 27.9% हो जाएगा और ठेकेदार की कोई जवाबदेही नहीं होगी। जिला स्तर के लेबर कोर्ट समाप्त हो जाएंगे, जिससे मजदूरों और श्रमिकों को न्याय मिलना कठि हो जाएगा। देशभर का संगठित और असंगठित क्षेत्र का कर्मचारी और श्रमिक विपरीत रूप से प्रभावित होगा।

फिक्स्ड टर्म इंप्लायमेंट लागू होने से स्थायी रोजगार समाप्त हो जाएगा और अग्निवीर की तरह एक साल, दो साल या तीन साल के लिए श्रमिक नियुक्त होंगे। ट्रेड यूनियनों का मत है कि ये संहिताएं श्रमिकों के दशकों पुराने अधिकारों का क्षरण करती हैं। इनके लागू होने के बाद युवाओं के सपने टूटेंगे। असंतोष पैदा होगा और नाराजगी बढ़ेगी। उनका मानना है कि सरकार को व्यापक पुनर्विचार कर इन पर विस्तृत चर्चा कराया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

हमारी गुलाबी चुनरिया हमें लागी नजरिया...

भारत की सांस्कृतिक धरोहर उसकी लोक परंपराओं में निहित है और लोकगीत इन परंपराओं की आत्मा माने जाते हैं। जैसे ब्रज, अवधी, बुंदेलखंड और भोजपुरी की अपनी विशिष्ट लोकधारा है, वैसे ही उत्तर प्रदेश का कन्नौज क्षेत्र भी अपनी विशिष्ट कन्नौजी लोकगीत परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। कन्नौजी बोली क्षेत्र के अंतर्गत छह जिले फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर, हरदोई, कानपुर, इटावा और पीलीभीत आते हैं। कन्नौजी में गाए जाने वाले ये गीत न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि ग्रामीण जीवन, भावनाओं, संस्कारों, रीति-रिवाजों और सामाजिक संबंधों का सजीव दस्तावेज भी हैं।

डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री
निदेशक, रुहेलखंड शोध संस्थान, शाहजहांपुर

कन्नौजी लोकगीतों की उत्पत्ति और विशेषता

कन्नौजी लोकगीतों की जड़ें ग्रामीण समाज की मिट्टी में गहराई तक पैठी हुई हैं। ये गीत किसी एक कवि या लेखक की रचना नहीं, बल्कि जनजीवन के अनुभवों का सामूहिक रूप हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी सुनकर और गाकर इनका रूप विकसित होता रहा है। इन गीतों में न तो व्यावसायिकता है, न कृत्रिमता, ये लोकमन की सहज अभिव्यक्ति हैं। भाषा में मृदु कन्नौजी लहजा, सरलता और हास्य-विनोद का पुट इन्हें विशिष्ट बनाता है। कन्नौजी लोकगीतों की एक विशेषता यह भी है कि ये जीवन के प्रत्येक अवसर से जुड़े होते हैं- जन्म से लेकर मृत्यु तक, हर्ष और विषाद दोनों ही स्थितियों में लोकगीत गाए जाते हैं। मांगलिक अवसरों के गीत कन्नौजी बोली के क्षेत्र में संस्कार गीतों का अपना महत्व है। प्रमुखता यहां पांच प्रकार के संस्कार गीत प्राप्त होते हैं- जन्म गीत, अन्न प्राशन गीत, मुंडन गीत, यज्ञोपवीत गीत और विवाह गीत। पुत्र जन्म के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों को सोहर कहा जाता है, वहीं मुंडन और अन्नप्राशन संस्कारों के अवसर पर भी सोहर गाने की परंपरा होती है। यज्ञोपवीत के समय गाए जाने वाले गीत बरुआ कहलाते हैं, जबकि विवाह के अवसर पर बन्ना और बन्नी गाने का प्रचलन है। ये मांगलिक गीत अत्यंत लोकप्रिय हैं। ऐसे गीतों में मातृभाव, हंसी-ठिठोली और भावुकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

त्योहार और धार्मिक लोकगीत

कन्नौजी लोकजीवन में त्योहारों का बड़ा महत्व है। होली, दिवाली, रक्षाबंधन, तीज, करवाचौथ आदि पर्वों पर विशेष लोकगीत गाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त कन्नौजी क्षेत्र के मुख्य व्रत त्योहारों में शीतलाष्टमी, रामनवमी, वटसावित्री व्रत, नागपंचमी, जन्माष्टमी, हल षष्ठी, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, अनंत चौदस, लक्ष्मी व्रत, नवरात्रि का व्रत, विजय दशमी, करवाचौथ, अन्नकूट, भ्रातृद्वितीया, मकर संक्रांति, वसंत पंचमी, शिवरात्रि व होली हैं। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में पूर्णिमा का भी महत्व है। इन विविध पर्वों पर कन्नौजी भाषा में विविध लोकगीत गाए जाते हैं। एक कन्नौजी लोकगीत देखिए, जिसमें देवी मां की भक्तिन पूजा करने जाती है और बीच में ही बदरिया आती है। एक दम अंधिरिया छा जाती है- **सोने के थारी में भोजन परोसे / मइयै मिलन हम आईरे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै जिमाउन हम आईरे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै सुवाउन हम आईरे, झुकि आई अधिरिया।/ पाना पचासी, महोबे को बीड़ा। मइये रचाउन हम आरे रे, झुकि आई अंधिरिया।**

कृषि और श्रम जीवन से जुड़े गीत

कन्नौजी समाज का जीवन मूलतः कृषि आधारित है, इसलिए खेती-बाड़ी, वर्षा, फसल कटाई, बैल और हल से जुड़े अनेक गीत मिलते हैं। ये गीत खेतों में काम करते समय गाए जाते हैं, जिससे श्रम का बोझ हल्का होता है और सामूहिकता की भावना बढ़ती है।
बरखा आई ओ रे साथी, बइठै न अब घर मा।/ खेतन में पानी भरि आयो, चलो लगावई धान। ऐसे गीतों में किसान की मेहनत, आशा और प्रकृति के प्रति आदर झलकता है।

सोहर और बन्नी

सोहर- धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी / रेडियो की आवाज सुन सासु दौड़ी आवेंगी।/उनको भी हलके से कंगन बनवाना मेरे राजा जी/ पांच के बनवाना पचास के बताना जी/ धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी।
एक बन्नी - बन्नी नादान बजावे हरमोनिया/दादी के कमरे बजावे हरमोनिया।/ छेड़ें तान हंसे सारी दुनिया/ बन्नो नादान हंसे सारी दुनिया। महिलाएं समूह में बैठकर इन गीतों को गाती हैं और उनमें स्थानीय शब्दावली, पारिवारिक संबंधों और ग्रामीण जीवन के प्रतीक झलकते हैं।

भावात्मक और प्रेमपरक गीत

कन्नौजी लोकगीतों में प्रेम, विरह और सौंदर्य की भावनाएं भी प्रमुखता से मिलती हैं। **मेरा रेशमी दुपट्टा जरा गोटा लगा दो/ जरा गोटा लगा दो... सोने की थाली में भोजन बनाए/ मेरा जेमन वाला दूर बसा/ कोई जल्दी बुला दो...**
कभी ये गीत सीधी सच्ची प्रेमाभिव्यक्ति होते हैं,

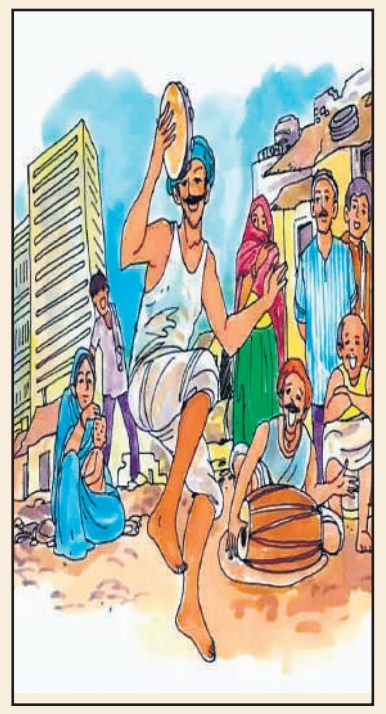

तो कभी सांकेतिक और रूपकात्मक। स्त्री का विरह, पति की प्रतीक्षा, साजन की विदाई- ये सब विषय बार-बार आते हैं।
साउन लागे आज सुहावन जी।/ एजी कोइ घटा दबी हई कोर।/ नन्हीं-नन्हीं बुंदियन मेंह बरसी रहे।/ एजी कोई पवन चले सईजोर। ऐसे गीतों में भाषा की मिठास और भावनाओं की गहराई दोनों अद्भुत रूप से मिलती हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

कन्नौजी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना के दर्पण हैं। इन गीतों से समाज की संरचना, नारी की भूमिका, नैतिक मूल्यों और लोकाचारों की झलक मिलती है। इनके माध्यम से लोकसंस्कृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होती रही है। महिलाओं के लिए ये गीत स्व-अभिव्यक्ति का साधन हैं - वे अपनी भावनाएं, पीड़ा, आनंद और आकांक्षाएं इन्हीं गीतों में व्यक्त करती हैं।
स्व-अभिव्यक्ति का एक उदाहरण देखें, जिसमें ससुराल की पीड़ा भी अभिव्यक्त होती है-
हमारी गुलाबी चुनरिया, हमें लागी नजरिया।/ सासु हमारी जन्म की बैरिन/ हमसे करामैं रसुइया, मेरी बारी उमरिया/ जेठानी हमारी जन्म की बैरिन/हमसे भरामैं गगरिया, मेरी बारी उमरिया...
इस प्रकार कह सकते हैं कि कन्नौजी लोकगीत उत्तर भारत की समृद्ध लोकपरंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। इन गीतों में जीवन की गंध है, मिट्टी की महक है और इंसान की सहज भावनाओं की सच्चाई है। आज जब आधुनिकता और तकनीक के प्रभाव से लोकसंगीत का स्वर क्षीण हो रहा है, तब इन लोकगीतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। कन्नौजी लोकगीत न केवल कान्यकुब्ज क्षेत्र की पहचान हैं, बल्कि भारतीय लोक संस्कृति की जीवंत धरोहर भी हैं। इन गीतों को सुनना, गाना और सहेजना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है।

आर्ट गैलरी

मकबूल के घोड़े

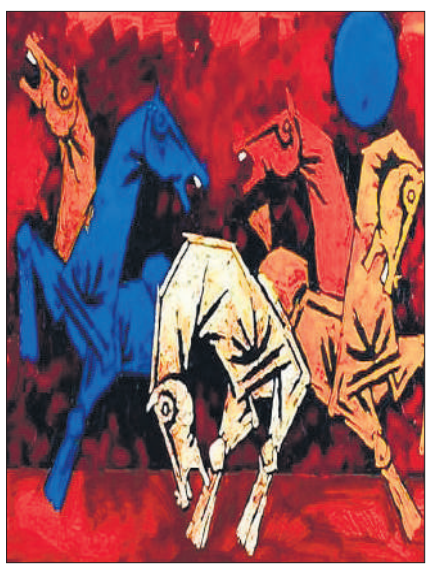

मकबूल फिदा हुसैन के सबसे आइकॉनिक मोटिफ्स में घोड़ों को बनाना शामिल है, जो भारतीय कल्चर में गहरा सिंबॉलिज्म रखते हैं। हुसैन की पेंटिंग्स में, घोड़ों को तेजी और एनर्जी के साथ दिखाया गया है। बोल्ड, एब्स्ट्रैक्ट रूपों में जो मूवमेंट और जिंदादिली का एहसास कराते हैं। ये चित्रण सिर्फ दिखाने से कहीं आगे जाते हैं और भारतीय समाज और संस्कृति के अलग-अलग पहलुओं को दिखाते हुए, सिंबल के दायरे में जाते हैं। हुसैन के घोड़ों की पेंटिंग्स का एक मतलब यह है कि वे आजादी और ताकत का प्रतीक हैं, जो कलाकार की आजादी और खुद को जाहिर करने की अपनी इच्छा को दिखाते हैं।

मकबूल फिदा हुसैन, जिन्हें अक्सर भारत का पिकासो कहा जाता है। वह अपनी शानदार और डायनेमिक पेंटिंग्स के लिए मशहूर हैं, जो भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को दिखाती हैं। मकबूल (एमएफ हुसैन), 20वीं-21वीं सदी के भारत के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली कलाकारों में से एक थे। उनकी पेंटिंग्स में भारतीय संस्कृति, इतिहास और समकालीन जीवन के विषयों को प्रमुखता से दर्शाया गया, जिसमें घोड़े, गायें और भारतीय देवी-देवता अक्सर नजर आते हैं। 17 सितंबर, 1915 को महाराष्ट्र के पंढरपुर में जन्मे हुसैन ने भारतीय आधुनिक कला को एक नई दिशा दी। हुसैन का कलात्मक सफर 1940 के दशक में शुरू हुआ। कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री, पद्म भूषण और 1991 में पद्म विभूषण, भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया था। 9 जून, 2011 को लंदन में उनका निधन हो गया।

पेंटर मकबूल फिदा हुसैन

रंग-तरंग

हुमायूं टॉम्ब की नर्सरी में लोककला एवं जनजातीय शिल्प महोत्सव

राजधानी दिल्ली में सालभर विशेष कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों का आयोजन होता रहता है। बीते दिनों जहां भारत मंडपम में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, वहीं निजामुद्दीन दरगाह के करीब बने हुमायूं टॉम्ब की सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महोत्सम में लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों ने अपनी कला के प्रदर्शन से लोगों का मन मोह लिया।

सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम की झलक :
सुंदर नर्सरी, दिल्ली का मुगल उद्यान है, जिसे अब एक जीवंत स्थल में बदल दिया गया है। यहां शिल्प बाजारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कैफे का आयोजन होता है। यह सिर्फ एक पिकनिक स्थल नहीं, बल्कि अब यहां विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां होती हैं, जिनमें "शिल्प ग्राम" भी शामिल है।
कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर भी पहुंचे :
प्रदर्शनी में शिल्प कला क्षेत्र के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर मधुबनी चित्रकला, वरली चित्रकला, गोंड चित्रकला और भील चित्रकला, टेराकोटा शिल्प, बांस शिल्प, सुलेख, सिक्की घास बुनाई, सुलेख - लकड़ी की नक्काशी और पेपरमैची शिल्प पर इंटरैक्टिव कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
कई तरह के मधुबनी पेंटिंग्स की दिखीं कलाकृतियां :
बिहार की मधुबनी पेंटिंग को गत्तों के ढांचों पर उभारने वाली अनुभा बताती हैं कि उनको इस प्रदर्शनी में आकर काफी अच्छा लगा। वह मुल्तानी मिट्टी और कागज को मिलाकर, जो मॉडल तैयार करती हैं, फिर उस पर मधुबनी पेंटिंग को उभारने का काम करती हैं। यह हुनर उनको विरासत में प्राप्त हुआ है। इस काम को उन्होंने अपनी दादी से सीखा है, जो शादी के उपरांत उनके लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का एक सशक्त माध्यम साबित हो रहा है।
सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग करना आयोजन का उद्देश्य :
लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव की संयोजक सुमन दूंगा ने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से, हमारा उद्देश्य युवा मन को प्रेरित करना, हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग देना और गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा देना रहा।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,587.01	25,884.80
गिरावट	313.70	74.70
प्रतिशत में	0.37	0.42

सोना 1,28,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,60,800 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, बुधवार, 26 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

यात्रा ऑनलाइन ने ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन बनाया

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा सेवा कंपनी यात्रा ऑनलाइन लिमिटेड ने मंगलवार को अपने नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की। कंपनी ने सह-संस्थापक और सीईओ ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया है। यात्रा ऑनलाइन ने शेयर बाजारों को बताया कि कंपनी ने सिद्धार्थ गुप्ता को नया सीईओ बनाया है। श्रृंगी, जो शुरुआत से ही सीईओ हैं, इस नई भूमिका में यात्रा के दीर्घावधि के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएंगे, जिसमें वैश्विक विस्तार, नवोन्मेषण और शेयरधारकों के लिए मूल्यवर्धन शामिल है।

नंद किशोर बने क्रिस्टल क्रॉप के मानद चेयरमैन

नई दिल्ली। कृषि रसायन बनाने वाली कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने अपने संस्थापक नंद किशोर अग्रवाल को मानद चेयरमैन बनाया। उनके पुत्र अंकुर को कार्यकारी चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। नेतृत्व में यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब कंपनी कृषि क्षेत्र में तेजी से बदलते वैश्विक माहौल के बीच फसल सुरक्षा, बीज, जैव प्रौद्योगिकी और हरित खेती के समाधान क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहती है। कंपनी ने कहा कि नंद किशोर अग्रवाल, जिन्होंने चार दशक पहले कंपनी शुरू की थी, रणनीतिक सलाह देंगे और शिक्षा, आजीविका और सतत विकास में परमार्थ कार्यों पर ध्यान देंगे।

छोटे चाय उत्पादकों ने की राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग

कोलकाता। कनफेडरेशन ऑफ इंडियन स्मॉल टी ग्रोअर्स एसोसिएशन (सीआईएसटीए) ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उनकी वृद्धि को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की है। सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने पत्र में कहा कि छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) कुल चाय उत्पादन में 50% का योगदान देते हैं। एसटीजी को हरी चाय की पत्तियों की अस्थिर कीमतों, कर्ज तक सीमित पहुंच और सही वैज्ञानिक समर्थन के मामले में परेशानी झेलती हैं। इससे कई एसटीजी मालिक कर्ज में फंसे हैं। पत्र में कहा गया है कि एसटीजी द्वारा उगाई हरी चाय की पत्तियों के लिए न्यूनतम स्थिर मूल्य तय होना चाहिए।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7% रहने का अनुमान

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने उच्च व वैश्विक वृद्धि और अमेरिकी शुल्क के कम प्रभाव पर बढ़ाया अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी दर 6.8 प्रतिशत से बढ़ने की जताई है उम्मीद जो गत वर्ष की वृद्धि से अधिक

रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। जून तिमाही में उच्च वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि के कम प्रभाव को देखते हुए यह अनुमान बढ़ाया गया है। इंडिया रेटिंग्स के अनुसार, उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी सालाना आधार पर सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह उसके पिछले अनुमान 6.3 प्रतिशत (जुलाई, 2025 में जारी) से 0.7 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8% रही जो पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि का आधिकारिक आंकड़ा 28 नवंबर को जारी किया जाएगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि जुलाई, 2025 में उसके अंतिम अनुमान के बाद से घरेलू और वैश्विक दोनों परिदृश्यों में काफी बदलाव आया है। अमेरिका के सभी देशों पर एकतरफा शुल्क वृद्धि के कारण अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य प्रमुख बाधाएं हैं। भारत पर अगस्त, 2025 से जो शुल्क लगाया गया है, वह सबसे अधिक में से एक है। रेटिंग एजेंसी के मुख्य अर्थशास्त्री और सार्वजनिक वित्त मामलों के प्रमुख देवेंद्र कुमार पंत ने कहा कि जुलाई के अनुमान के बाद से आर्थिक परिस्थितियां काफी अनुकूल हुई हैं। इनमें उम्मीद से अधिक तेजी से मुद्रास्फीति में गिरावट, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक मजदूरी दर में वृद्धि और जीएसटी को युक्तिसंगत बनाना शामिल हैं। आर्थिक वृद्धि अनुमान में तीव्र वृद्धि के दो प्रमुख कारण हैं। जून तिमाही में अपेक्षा से अधिक तीव्र जीडीपी वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि का प्रभाव पहले के अनुमान से कम होना है।

इंडिया रेटिंग्स ने जुलाई में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वृद्धि दर 6.3% रहने का अनुमान लगाया था और इसके लिए शुल्क युद्ध और किसी भी पूंजी निकासी के प्रमुख जोखिम को जिम्मेदार ठहराया था। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 की वृद्धि दर के लिए जोखिम समान रूप से संतुलित हैं। एजेंसी ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में तेजी और सर्दियों के महीनों में अनुकूल मौसम की स्थिति जीडीपी वृद्धि को सात प्रतिशत से ऊपर ले जाने की क्षमता रखती है। हालांकि, अगर मांग में सुधार (उपभोग और निवेश) अपेक्षा से कमजोर रहा, तो इससे जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट आ सकती है।

4,000 अरब डॉलर को पार कर जाएगी भारतीय अर्थव्यवस्था : नागेश्वरन

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 4,000 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि भूराजनीति में 'बहुत ज़्यादा उतार-चढ़ाव' के साथ, वैश्विक व्यवस्था में भारत की जगह बनाए रखने के लिए आर्थिक वृद्धि बहुत जरूरी है। भारत अभी करीब 3,900 अरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। नागेश्वरन ने मंगलवार को आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स समिट-2025 को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मार्च, 2025 के अंत में 3,900 अरब डॉलर थी और चालू वित्त वर्ष में यह पहले ही 4,000 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने के लिए तैयार है।

जन विश्वास विधेयक के पर कर रहे काम : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने का प्रयास जारी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रालय ने जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण के जरिये छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पहले ही 275-300 ऐसे प्रावधानों की पहचान कर ली है, जिन्हें अपराध-मुक्त की श्रेणी में डाला जा सकता है।

केंद्रीय उद्योग मंत्री घरेलू व्यापारियों के सम्मेलन में कहा कि जन विश्वास विधेयक-3 की तैयारी चल रही है। जन विश्वास (प्रावधान में संशोधन) विधेयक-2025, जो जीवन और व्यापार को आसान बनाने के लिए कुछ छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त करने की कोशिश करता है, अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था और एक प्रवर समिति को भेजा गया था। समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक सदन में अपनी रिपोर्ट जमा करने का काम सौंपा गया है। इस कानून का पहला संस्करण 2023 में लागू किया गया था। इसमें 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों में संशोधन के जरिये छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त किया गया था।

एक देश, एक लाइसेंस के मुद्दे पर मांगी रूपरेखा

गोयल ने सुझाव दिया कि व्यापारी समुदाय और ज्यादा प्रावधान की पहचान करे और मंत्रालय को उसकी जानकारी दे। व्यापारियों द्वारा उठाए गए 'एक देश, एक लाइसेंस' के मुद्दे पर, मंत्री ने उनसे इसके लिए एक रूपरेखा जमा करने को कहा। उन्होंने कहा कि वह इसे महाराष्ट्र जैसे राज्यों के साथ साझा करेंगे, क्योंकि यह राज्य का विषय है।

आयकर, जीएसटी कटौती से अतिरिक्त राजकोषीय समर्थन की गुंजाइश सीमित

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा- कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर किया

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में आयकर और जीएसटी में की गई कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर कर दिया है, जिससे अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त वित्तीय समर्थन देने की गुंजाइश सीमित हो गई है। मूडीज रेटिंग्स के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ क्रेडिट अधिकारी (सरकारी जोखिम) मार्टिन पेट्च ने कहा कि राजस्व वृद्धि अपेक्षा से काफी कमजोर रही है। पिछले महीनों में जो कर कटौती हुई है, उसका भी राजस्व संग्रह पर असर पड़ा है। इसी वजह से वित्तीय सशक्तीकरण पर दबाव बढ़ा है और अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की गुंजाइश घट गई है।

महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के मुताबिक, सितंबर, 2025 के अंत तक शुद्ध कर राजस्व घटकर 12.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.65 लाख करोड़ रुपये था। यह सरकार के वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान का सिर्फ 43.3 प्रतिशत है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 49 प्रतिशत लक्ष्य हासिल हुआ था। सरकार ने इस वर्ष बजट में नए कर ढांचे के तहत आयकर छूट सीमा सात लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया था। इससे मध्यम वर्ग को लगभग एक लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें भी घटा दी गईं, जिससे उपभोक्ता वस्तुएं सस्ती हुईं और मांग बढ़ाने का प्रयास किया गया। पेट्च ने कहा कि मुद्रास्फीति घटने और मौद्रिक नीति में नरमी से घरेलू उपभोग के और मजबूत होने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक ने जून में नीतिगत ब्याज दरों में 0.50% की कटौती कर उन्हें 5.5% के तीन वर्ष के निचले स्तर पर ला दिया था। अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति गिरकर 0.25% के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुंच गई। उन्होंने कहा कि घरेलू खपत और अवसंरचना निवेश भारत की आर्थिक वृद्धि के मुख्य कारक बने हुए हैं और यह अमेरिका द्वारा लगाए 50 प्रतिशत आयात शुल्क के असर को काफी हद तक संतुलित करेंगे।

सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद

मुंबई, एजेंसी

- विदेशी पूंजी की निकासी से सेंसेक्स 314 अंक टूटा
- आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से आई गिरावट

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 314 अंक के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 75 अंक की गिरावट आई।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के दौरान सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 363.98 अंक तक नीचे आ गया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 नुकसान में जबकि छह लाभ में रहे। वहीं, एनएसई का निफ्टी 74.70 अंक की गिरावट के साथ 25,884.80 अंक पर आ गया। शुक्रवार से अब तक तीन सत्रों में निफ्टी 307 अंक से अधिक की गिरावट के साथ 26,000 अंक के नीचे आ गया है। जबकि सेंसेक्स 1,045 अंक लुढ़का है। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, ट्रेंट, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस सबसे अधिक नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, इटर्नल, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 4,171.75 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले कारोबार में 4,512.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बीएसई स्मॉलकैप 0.20% लाभ में जबकि मिडकैप 0.19% बढ़त में रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में आईटी 0.75, बीएसई केंद्रित आईटी (0.64), टिकाऊ उपभोक्ता सामान (0.53), टेक (0.39), ऊर्जा (0.32), वाहन (0.25) और जन केंद्रित सेवाओं से जुड़ी इकाइयों में 0.25% की गिरावट रही। रियल्टी, जिंस, स्वास्थ्य, दूरसंचार, पूंजीगत वस्तुएं और धातु में बढ़त दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार अच्छी बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.69 प्रतिशत टूटकर 62.93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के मासिक अनुबंधों की समाप्ति के दिन घरेलू बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहा।

निवेशकों के 33,000 करोड़ रुपये डूबे

बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों को बाजार में आई गिरावट से 33,000 हजार करोड़ का नुकसान हुआ। उनकी कुल पूंजी घटकर 469.35 लाख करोड़ रुपये रह गई जो पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 469.68 लाख करोड़ रुपये रही।

राष्ट्रीय

धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह कैसा संदेश, यह तो सैन्य अधिकारी की घोर अनुशासनहीनता

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व ईसाई अधिकारी की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें सशस्त्र बलों से उसकी बर्खास्तगी को चुनौती दी गई थी। अधिकारी ने अपनी तैनाती वाले स्थल पर मंदिर के गर्भगृह में रेजिमेंट की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से इन्कार कर दिया था, जिसके बाद उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें सेना की कार्रवाई को बरकरार रखा गया था। अदालत ने कहा कि सैमुअल कमलेसन का आचरण सैन्य अनुशासन के अनुरूप नहीं था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह किस तरह का संदेश दे रहे हैं? उन्हें तो बस इसी लिए बाहर कर देना चाहिए था। यह किसी सैन्य अधिकारी द्वारा की गई घोर अनुशासनहीनता है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व करने वाले को उदाहरण पेश करना चाहिए। आप अपने सैनिकों का अपमान कर रहे हैं। जब एक पादरी ने आपको सलाह दी, तो आपने उसे वहीं छोड़ दिया। आप इसको लेकर अपनी निजी समझ नहीं रख सकते कि आपका धर्म क्या अनुमति देता है। वह भी वर्दी पहले हुए। कमलेसन के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उनके मुवक्किल को उनकी तैनाती स्थल पर स्थित मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश से इन्कार करने के एकमात्र कृत्य के लिए सेवा से बर्खास्त किया गया था। उन्होंने यह कहते हुए गर्भगृह में प्रवेश करने से इन्कार कर दिया था कि यह उनके ईसाई धर्म का उल्लंघन है। प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया कि क्या एक अनुशासित बल में इस तरह का आचरण जायज है? उन्होंने कहा कि एक सैन्य नेतृत्वकर्ता अपने सैनिकों के साथ उस जगह जाने से कैसे इनकार कर सकता है जिसे वे पवित्र मानते हैं। पीठ ने यह भी कहा कि सिख सैनिकों की मौजूदगी को देखते हुए रेजिमेंट में एक गुरुद्वारा भी है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप भले ही 100 चीजों में उत्कृष्ट हों, लेकिन भारतीय सेना अपने धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण के लिए जानी जाती है... आप अपने ही सैनिकों की भावनाओं का सम्मान करने में विफल रहे हैं। जब अपीलकर्ता के वकील ने कहा कि नोटिस जारी नहीं करना समाज के लिए एक गलत संदेश होगा, तो पीठ ने कहा कि इससे एक कड़ा संदेश जाएगा।

सिख कर्मियों वाली स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' थे कमलेसन : वर्ष 2017 में तीसरी कैवलरी रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करने वाले कमलेसन को सिख कर्मियों वाली बी स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' के रूप में तैनात किया गया था। रेजिमेंट में एक मंदिर और एक गुरुद्वारा था, लेकिन कोई "सर्व धर्म स्थल" या चर्च नहीं था। कमलेसन ने दावा किया था कि वह साप्ताहिक धार्मिक परेड के लिए दोनों स्थानों पर सैनिकों के साथ गए, लेकिन धार्मिक अन्तरात्मा का हवाला देते हुए "आरती, हवन या पूजा" के दौरान गर्भगृह में प्रवेश करने से परहेज किया। सेना ने कहा था कि अधिकारी ने अनिवार्य रेजिमेंटल परेड में शामिल होने से बार-बार इनकार किया और वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे अनुशासन के महत्व पर सलाह देने के कई प्रयास किए।

नफरती भाषण वाली हर घटना की नहीं हो सकती निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह देश भर में घृणा भाषण की हर घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी रखने के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि इसके लिए कानूनी उपाय, पुलिस थाने और उच्च न्यायालय मौजूद हैं। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने की, जो एक खास समुदाय के सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार के कथित आह्वान का मुद्दा उठाने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि हम इस याचिका के मद्देनजर कानून नहीं बना रहे हैं। निश्चिंत रहें, हम इस देश के किसी भी इलाके में होने वाली हर छोटी घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी करने के लिए तैयार नहीं हैं। उच्च न्यायालय हैं, पुलिस थाने हैं, कानूनी उपाय हैं। वे पहले से ही मौजूद हैं। शीर्ष अदालत ने शुरू में आवेदक से कहा था कि वह अपनी शिकायत के साथ संबंधित उच्च न्यायालय जाए। पीठ ने आवेदक की ओर से मामले में पेश हुए वकील से कहा कि यह अदालत पूरे देश में ऐसे सभी मामलों पर कैसे नजर रख सकती है? आप अधिकारियों से संपर्क करें। उन्हें कार्रवाई करने दें, नहीं तो उच्च न्यायालय जाएं। वकील ने कहा कि उन्होंने एक लंबित रिट याचिका में एक आवेदन दाखिल किया है जिसमें घृणा भाषण का मुद्दा उठाया गया है।

एसआईआर के खिलाफ नई याचिका पर जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने एमडीएमके संस्थापक और पूर्व राज्यसभा सदस्य वाइको की उस अर्जी पर निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा, जिसमें तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अर्जी को 2 दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। वाइको ने राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देते हुए कहा है कि यह अधिसूचना समानता के अधिकार समेत कई मौलिक अधिकारों और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम तथा मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करती है। माकपा और टीवीके जैसे राजनीतिक दलों तथा अभिनेता विजय ने भी तमिलनाडु में एसआईआर को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने 11 नवंबर को द्रमुक, माकपा, कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की अर्जी पर निर्वाचन आयोग से अलग-अलग जवाब मांगे थे, जिनमें तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती दी गई थी।

बंगाल : बीएलओ ने रातभर धरना दिया

कोलकाता, एजेंसी

- प्रदर्शनकारी बोले- जब तक सीईओ व्यक्तिगत रूप से मुलाकात नहीं करते, तब तक जारी रहेगा धरना

बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) के एक वर्ग ने पूरी रात पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के अंदर बिताई और तब तक वहां से जाने से इन्कार कर दिया, जब तक कि सीईओ मनोज अग्रवाल उनसे मुलाकात नहीं करते और उनकी मांगों को स्वीकार नहीं कर लेते।

वे राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 'अत्यधिक कार्य भार' को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। उनमें से कई लोग सोमवार शाम से ही वहां प्रदर्शन कर रहे हैं तथा उत्तरी कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से शहर के मध्य भाग में बीबीडी बाग तक मार्च के बाद शुरू हुआ गतिरोध जारी है, जहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) का कार्यालय स्थित है।

नवगठित बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों द्वारा रात भर धरना सोमवार दोपहर को शुरू हुआ और मंगलवार सुबह तक चला। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक अग्रवाल व्यक्तिगत रूप से उनसे मुलाकात नहीं करते, तब तक वे नहीं हटेंगे। लंबे गतिरोध के बाद पुलिस ने 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को अपना ज्ञापन सौंपने के लिए कार्यालय में प्रवेश की अनुमति दे दी, जिससे कुछ देर के लिए तनाव कम हुआ। लेकिन इसके तुरंत बाद फिर से अशांति फैल गई।

शाम करीब साढ़े चार बजे ज्ञापन सौंपे जाने से ठीक पहले कई समिति सदस्य सीईओ के कक्ष के बाहर बैठ गए और मांग करने लगे कि अग्रवाल खुद ज्ञापन स्वीकार करें। इसके बाद नारेबाजी शुरू हो गई और इमारत की तीसरी मंजिल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। जैसे ही पुलिस कर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को केबिन क्षेत्र से बाहर निकाला, उपायुक्त (मध्य) इंदिरा मुखोपाध्याय मौके पर पहुंचीं।

जल्द ही प्रदर्शनकारी कार्यालय के अंदर फिर से इकट्ठा हो गए और अपना धरना शुरू कर दिया। रात तक सात सदस्य परिसर के अंदर ही रहे, जिनमें संयोजक मोइदुल इस्लाम भी शामिल थे, जो एक स्कूल शिक्षक हैं, लेकिन बीएलओ नहीं हैं।

सोमवार को अग्रवाल ने पत्रकारों से कहा कि हर प्रतिनिधिमंडल से मिलना उनके लिए ''संभव नहीं'' है और इस उद्देश्य के लिए दो उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी उपलब्ध हैं। समिति ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अग्रवाल रात करीब 11.40 बजे पुलिस सुरक्षा में दफ्तर से बाहर निकले और टकराव पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। लेकिन प्रदर्शनकारी अड़े रहे।

भाजपा कार्यकर्ता और बीएलओ आमने-सामने

कोलकाता। कोलकाता में सोमवार रात उस समय नाटकीय घटनाक्रम हुआ जब भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समूह का पश्चिम बंगाल के सीईओ कार्यालय के सामने बीएलओ के फोरम के प्रदर्शनकारी सदस्यों से आमना-सामना हो गया। इस दौरान पुलिस ने बीच-बचाव किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के कई सदस्य सोमवार को दोपहर से ही सीईओ कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे थे। मामला तब बिगड़ गया जब कोलकाता नगर निगम (केएमसी) पार्षद सजल घोष के नेतृत्व में 50 भाजपा कार्यकर्ता रात 11 बजे मौके पर पहुंचे और सीईओ कार्यालय में बंद चुनाव आयोग के अधिकारियों को डराकर एसआईआर प्रक्रिया को रोकने के टीएमसी के कथित प्रयास के खिलाफ नारे लगाने लगे।

दिल्ली पुलिस ने नारे लगाने के लिए प्राथमिकी में जोड़ी धारा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को इंडिया गेट पर प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान माओवादी समर्थक नारे लगाने और पुलिसकर्मियों पर मिर्ची स्प्रे करने वालों पर दर्ज एक प्राथमिकी में 'राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध अपमानजनक आरोप और दावे' से संबंधित धाराएं लगाई हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि मिर्ची स्प्रे छिड़कने के लिए गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों के समूह ने मारे गए माओवादी नेता माडवी हिडमा के समर्थन में नारे लगाए थे। पुलिस ने दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं- एक कर्तव्य पथ थाने में छह प्रदर्शनकारियों के खिलाफ और दूसरी संसद मार्ग थाने में 17 लोगों के खिलाफ।

शिक्षिका ने पांच साल के छात्र को पेड़ से लटकाया, स्कूल को नोटिस

सूरजपुर, एजेंसी

- अधिकारियों ने स्कूल से शिक्षिका को निकाला, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल
- वीडियो में पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के एक निजी स्कूल में पांच वर्षीय छात्र को उसकी शिक्षिका ने दंडित करने के लिए कथित तौर पर पेड़ से लटका दिया। इस घटना को लेकर अधिकारियों ने स्कूल प्रशासन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि घटना के बाद शिक्षिका को स्कूल से निकाल दिया गया है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया गया है। मौके पर दो महिलाएं मौजूद हैं, जो इसे रिकॉर्ड कर रहे व्यक्ति को डांट रही हैं। सोमवार को स्कूल के केजी-टू के छात्र के इस वीडियो के सामने आने के बाद सूरजपुर के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) अजय मिश्रा ने बताया कि रामानुज नगर ब्लॉक के नारायणपुर गांव में स्थित स्कूल में शिक्षा विभाग के दल को तत्काल जांच के लिए भेजा गया है।

मिश्रा ने बताया कि सोमवार शाम को मिली शुरुआती जांच रिपोर्ट के आधार पर स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा दो दिन में जवाब मांगा गया है। स्कूल का जवाब मिलने के बाद नियमों के मुताबिक आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल के संचालक सुभाष शिवहरे ने शिक्षिका की इस हरकत को सही ठहराने की कोशिश करते हुए बताया कि शिक्षिका ने बच्चे को अनुशासित करने के लिए ऐसा किया था। जब यह घटना हुई तब मैं वहां नहीं था। डीईओ कार्यालय से जानकारी मिलने के बाद मैं आज यहां आया हूं। शिक्षिका ने बच्चे को डराने और पढ़ाई करने के लिए उसकी टी-शर्ट का इस्तेमाल करके उसे पेड़ से लटकाने की कोशिश की। शिवहरे ने कहा कि बच्चा कक्षा में शैतानी कर रहा था और दूसरे बच्चों को मार रहा था।

देश की रक्षा को हम तैयार...

सेना की त्रिशक्ति कोर के सैनिक सिक्किम में 14,000 फीट की ऊंचाई पर आर्मी मार्शल आर्ट्स के रूटीन प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिससे दुर्गम क्षेत्रों में निकट-युद्ध की तैयारी मज़बूत हो रही है।

ज्वालामुखी : पृथ्वी की शक्ति का प्रदर्शन

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, जैसे कि जान-माल की हानि और वायुमंडलीय परिवर्तन, लेकिन यह भूमि के निर्माण, खनिज संसाधनों के स्रोत और मिट्टी की उर्वरता में भी योगदान कर सकता है। इस लेख में, हम ज्वालामुखी के बारे में विस्तार से जानेंगे, जिसमें इसके निर्माण, प्रकार, विशेषताएं और प्रभाव शामिल हैं।

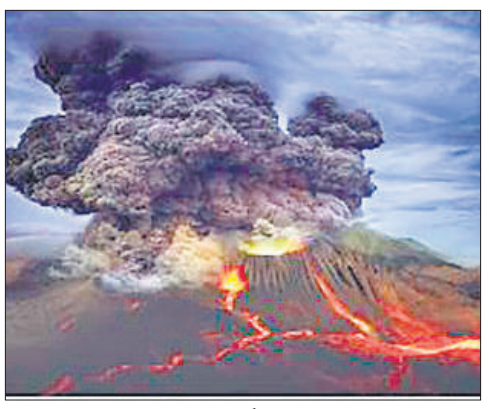

ज्वालामुखी आखिर हैं क्या

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, लेकिन यह भूमि के निर्माण में भी योगदान करता है।

ज्वालामुखी की विशेषताएं

- **लावा :** ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा पिघली हुई चट्टान होती है जो सतह पर जमकर ठोस हो जाती है।
- **ज्वालामुखी गैसें :** ज्वालामुखी से निकलने वाली गैसें जैसे कि सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल में मिलती हैं।
- **पिरोक्लास्टिक्स :** ज्वालामुखी से निकलने वाले पिरोक्लास्टिक्स जैसे कि राख और लावा के टुकड़े वायुमंडल में मिलते हैं।

फायदे भी कई हैं

- **भूमि का निर्माण :** ज्वालामुखी के विस्फोट से नई भूमि का निर्माण हो सकता है, जिससे द्वीपों और पहाड़ों का निर्माण होता है।
- **खनिज संसाधनों का स्रोत :** ज्वालामुखी के विस्फोट से खनिज संसाधनों का स्रोत बनता है, जैसे कि तांबा, जस्ता, और सोना।
- **मिट्टी की उर्वरता :** ज्वालामुखी के विस्फोट से मिट्टी की उर्वरता बढ़ सकती है, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है।

निर्माण कैसे होता है

ज्वालामुखी तब बनते हैं जब पृथ्वी की पपड़ी के नीचे मैग्मा जमा होता है और दबाव बढ़ने पर यह सतह पर निकलता है। यह दबाव प्लेट टेक्टोनिक्स, मेंटल प्लम और हॉटस्पॉट के कारण हो सकता है। ज्वालामुखी कई प्रकार के होते हैं। शील्ड ज्वालामुखी : ये शील्ड जैसे दिखते हैं। स्ट्रैटोवोल्केनो : ये स्ट्रैटो जैसे दिखते हैं। कैल्डेरा : ये कैल्डेरा जैसे दिखते हैं।

प्रमुख सक्रिय ज्वालामुखी

- **जापान :** माउंट असो, सकुराजिमा, माउंट फूजी, और याकुशिमा
- **अमेरिका :** अलास्का, हवाई, और कैस्केड्स में कई एक्टिव
- **रूस :** कामचटका पेनिनसुला और कुरील में कई एक्टिव ज्वालामुखी
- **चिली :** विलारिका, लस्कर, और ओहोस देल सालाडो ज्वालामुखी
- **पापुआ न्यू गिनी :** मनाम, करकर, और लांगिला ज्वालामुखी
- **इक्वाडोर :** कोटोपैक्सी, सांगे, तुंगुरहुआ, और रेवेन्टाडोर ज्वालामुखी
- **आइसलैंड :** हेक्ला, कटला, ग्रिम्सवोटन।

वर्ल्ड ब्रीफ

कोर्ट ने बोल्सोनारो की कैद बरकरार रखा

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो द्वारा नजरबंदी के दौरान अपने 'एंकल मॉनिटर' को तोड़ने की कोशिश करने की बात स्वीकार करने के बाद उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उनकी कैद को बरकरार रखा। 'एंकल मॉनिटर' टखने पर लगाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होते हैं जिनका उपयोग अदालतों द्वारा निगरानी के लिए किया जाता है, ताकि किसी व्यक्ति के स्थान और गतिविधियों पर नज़र रखी जा सके। इन्हें कारावास के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

हिज्बुल्ला कमांडर के संस्कार में जुटे हजारों

बेरूत। लेबनान में सोमवार को हजारों लोग चरमपंथी संगठन हिज्बुल्ला के शीर्ष सैन्य कमांडर के अंतिम संस्कार में शामिल हुए, जो एक दिन पहले बेरूत में इजराइली हवाई हमले में मारा गया था। हिज्बुल्ला के शीर्ष कमांडर हयथम तबतबाई की अंतिम यात्रा में उसके समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। तबतबाई और हिज्बुल्ला के दो अन्य सदस्यों को बेरूत के दक्षिण में उस कब्रिस्तान में दफनाया गया जहां संगठन के लड़ाकों को पारंपरिक रूप से दफनाया जाता है।

काफिले पर हमला, 5 अधिकारियों की मौत

अदन। बंदूकधारियों ने सोमवार को ताइज प्रांत के गवर्नर के काफिले पर गोलीबारी की, जिसमें पांच सुरक्षा अधिकारी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। प्रांत के प्रवक्ता मोहम्मद अब्देल-रहमान ने बताया कि ताइज को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली एक प्रमुख सड़क पर नबील शमसान को निशाना बनाकर हमला किया गया। गोलीबारी में दो हमलावर मारे गए।

अपमानजनक पोस्ट करने का आरोपी पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाने और एक महिला समाचार एंकर के खिलाफ अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में मुंबई से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान जम्मू निवासी चेत कमल प्रकाश के रूप में हुई है।

भारत में जहाज निर्माण, नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता

रक्षा विभाग की ओर से आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

- भारत को अलग बनाता है एकीकृत जहाज निर्माण तंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक रक्षा कंपनियों से भारत के जीवंत जहाज निर्माण उद्योग में अवसरों का लाभ उठाने और अगली पीढ़ी की समुद्री क्षमताओं का सह-विकास करने का मंगलवार को आह्वान किया। एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि भारत में जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत और समुद्री नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता है क्योंकि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग पहले ही विमानवाहक पोत, अनुसंधान पोत और वाणिज्यिक जहाज बना चुका है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत को जो चीज़ वास्तव में अलग बनाती है, वह है इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र। उन्होंने कहा कि भारत को वास्तव में अलग बनाने वाला इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र है। सिंह ने कहा कि अवधारणा डिज़ाइन और मॉड्यूलर निर्माण से लेकर रख रखाव, मरम्मत तक, जहाज निर्माण प्रक्रिया का हर चरण स्वदेशी रूप से विकसित और क्रियान्वित किया जाता है। सिंह रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में मुख्य भाषण दे रहे थे, जिसमें भारतीय जहाज निर्माण उद्योग की क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया।

रक्षामंत्री ने उद्योग के हितधारकों, विदेशी साझेदारों, प्रतिनिधियों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हजारों एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों) द्वारा समर्थित हमारे सार्वजनिक और निजी शिपयार्ड ने एक मजबूत मूल्य श्रृंखला बनाई है, जो इस्पात, प्रणोदन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर और उन्नत लड़ाकू प्रणालियों तक फैली हुई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग, जिसमें उत्साही सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और गतिशील निजी क्षेत्र के साझेदार शामिल हैं, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय हितों की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल जहाज, बल्कि विश्वास, न केवल साजो सामान, बल्कि साझेदारियां बनाकर समुद्री सदी को आकार देने में मदद के लिए तैयार है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत का जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र अनेक विश्वस्तरीय प्लेटफॉर्म की ताकत पर टिका है जो तकनीकी परिपक्वता और औद्योगिक गहराई को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत, कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियां और स्टील्थ फ्रिगेट और विध्वंसक जहाज जैसी प्रमुख परियोजनाएं न केवल देश की नौसैनिक ताकत को रेखांकित करती हैं, बल्कि डिजाइन क्षमता और स्वचालन को भी बढ़ाती हैं। सिंह ने कहा कि हम विमानवाहक पोतों से लेकर उन्नत अनुसंधान पोतों और ऊर्जा-कुशल वाणिज्यिक जहाजों तक की आपूर्ति करने में सक्षम हैं।

नई दिल्ली में समुद्री नवाचार पर संगोष्ठी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सम्मानित किया गया। इस मौके पर जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

सोशल मंच पर साझा रक्षामंत्री का पत्र फर्जी

नई दिल्ली। सूचना प्रसारण मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह को लिखा गया कथित पत्र फर्जी है और लोगों को इस तरह की अपुष्ट सामग्रियों को साझा करने से बचना चाहिए। फैक्ट चेक हैंडल से जारी एक पोस्ट में कहा है कि सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा किया जा रहा है जो कथित तौर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा है।

यूक्रेन पर रूसी हमले में 6की मौत

कीव, एजेंसी

रूस द्वारा मंगलवार को यूक्रेन में इमारतों और ऊर्जा संरचनाओं को निशाना बनाकर किए गए सिलसिलेवार हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी। वहीं यूक्रेन द्वारा दक्षिणी रूस में किए गए गए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और कई घरों को नुकसान पहुंचा। राजधानी कीव के कुछ हिस्सों में पानी और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। 'टेलीग्राम' पर पोस्ट एक वीडियो फुटेज में कीव के पूर्वी जिले दिनप्रोव्स्की में नौ मंजिला एक आवासीय इमारत में भीषण आग दिख रही है।

मेयर विटाली कित्श्को ने बताया कि दिनप्रोव्स्की में दो लोग मारे गए व पांच घायल हुए जबकि मध्य पेचेर्स्क जिले में एक अन्य आवासीय इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। कीव के पश्चिमी जिले में एक इमारत पर हुए हमले में चार लोग मारे गए और तीन अन्य लोग घायल हो गए। ओडेसा क्षेत्र में ऊर्जा व बंदरगाह अवसंरचना पर रूसी हमले में दो बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए।

रूस के दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र में देर रात यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए।

बांग्लादेश को एक लाख टन चावल भेजेगा पाकिस्तान

कराची। बांग्लादेश को पाकिस्तान एक लाख टन चावल निर्यात करेगा। यह पिछले वर्ष अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से दोनों देशों के बीच बेहतर हुए व्यापार संबंधों को दर्शाता है। टीसीपी के एक अधिकारी ने बताया कि इसके लिए पिछले सप्ताह 'ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान' (टीसीपी) द्वारा निविदा जारी की गई थी। यह पाकिस्तान से बांग्लादेश को भेजी जाने वाली चावल की अब तक की सबसे बड़ी खेप है। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों द्वारा चावल आयात के साथ सरकारी स्तर पर व्यापार शुरू करने के बाद 50,000 टन चावल की पहली खेप निर्यात की गयी। एक प्रमुख चावल निर्यातक ने कहा कि अगर बांग्लादेश के साथ व्यापार बढ़ता है तो यह कारोबार के लिए अच्छा होगा।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर किया हवाई हमला

काबुल, एजेंसी

- पूर्वी प्रांत में देर रात हुए हमले में नौ बच्चों सहित 10 मारे गए

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने मंगलवार को पाकिस्तान पर तीन पूर्वी प्रांतों में देर रात हवाई हमले करने का आरोप लगाया, जिसमें नौ बच्चों सहित 10 नागरिक मारे गए। यह हमले दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव का संकेत है। अफगान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक्स पर कहा कि पाकिस्तान ने खोस्त प्रांत में एक नागरिक के घर पर बमबारी की, जिसमें नौ बच्चों और एक महिला की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि कुनार और पक्तिका प्रांतों में भी हमले किए गए, जिनमें चार अन्य लोग घायल हो गए। पाकिस्तान की सेना और सरकार ने इस आरोप पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी शहर पेशावर में एक दिन पहले हुए एक घातक हमले के बाद यह नया घटनाक्रम सामने आया है। पेशावर में दो आत्मघाती हमलावरों और एक बंदूकधारी हमलावर ने पुलिस बल के मुख्यालय पर हमला किया था। सोमवार सुबह हुए इस हमले में तीन अधिकारी मारे गए और 11 अन्य लोग घायल हो गए।

पेशावर हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी भी समूह ने नहीं ली है लेकिन शक पाकिस्तानी तालिबान या तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पर है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, एक अलग समूह है लेकिन अफगान तालिबान के साथ इसका घनिष्ठ संबंध है और इसके कई नेता अफगानिस्तान में छिपे हुए हैं।

बीबीसी चेयरमैन से हुई पूछताछ

लंदन। बीबीसी के चेयरमैन ने सोमवार को स्वीकार किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के भ्रामक संपादन पर प्रतिक्रिया देने में कंपनी ने बहुत धीमा रुख अपनाया लेकिन उन्होंने इस दावे को खारिज कर दिया कि प्रसारक की निष्पक्षता को उसके अपने ही बोर्ड के भीतर से कमजोर किया जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में बीबीसी के महानिदेशक व समाचार प्रमुख ने इस्तीफा दे दिया था और ट्रंप ने अरबों डॉलर का मुकदमा करने की धमकी दी थी, जिसके बाद सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित कंपनी के चेयरमैन से सांसदों ने पूछताछ की थी।

पाकिस्तान से भागकर कच्छ पहुंचा प्रेमी युगल

कच्छ, एजेंसी

- सीमा सुरक्षा बल ने हिरासत में लिया, जांच शुरू

पाकिस्तान के एक नागरिक और उसकी प्रेमिका अपने घर से कथित तौर पर भागने के बाद गुजरात के कच्छ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा तक पहुंच गए जहां सुरक्षा बलों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। प्रेमी-प्रेमिका का यह यह पैदल ही यहां तक पहुंच गए थे।

पुलिस के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार करने के बाद यहां पहुंचे पोपट (24) और गौरी (20) को सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने हिरासत में ले लिया। बालासर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पोपट और गौरी अंतर्राष्ट्रीय सीमा से आठ किलोमीटर दूर पाकिस्तान स्थित गांव से रविवार रात भाग गए थे। दोनों ने पैदल ही यह दूरी तय की थी। अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने खंभा संख्या 1016 के समीप गश्त के दौरान दोनों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान युगल ने बताया कि उनके परिवार उनकी शादी के खिलाफ थे जिस वजह से वे घर से भाग आए। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसियां जांच करेंगी।

वैश्विक परिवर्तन का इब्सा उत्प्रेरक

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) गठबंधन वैश्विक परिवर्तन का उत्प्रेरक है और ग्लोबल साउथ की उम्मीदों का प्रतीक है। दक्षिण अफ्रीका ने इब्सा की अध्यक्षता संभाली है। रामफोसा ने कहा कि हम मिलकर न केवल अपने नागरिकों की, बल्कि उस ग्लोबल साउथ की उम्मीदों का भी प्रतिनिधित्व करते हैं, जो भविष्य को आकार देने में गरिमा, सम्मान और साझेदारी चाहता है।

वह समाप्त हुए जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन से इतर इब्सा नेताओं के संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

अरुणाचल हमेशा भारत का ही रहेगा : खांडू

ईटानगर, एजेंसी

- मुख्यमंत्री ने महिला को शंघाई एयरपोर्ट पर रोकने की निंदा की

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चीन के आव्रजन अधिकारियों द्वारा राज्य की एक महिला के साथ किए गए अस्वीकार्य और डराने वाले व्यवहार की मंगलवार को निंदा की। महिला को शंघाई पुडोंग हवाई अड्डे पर लगभग 18 घंटे तक रोक कर रखा गया क्योंकि अधिकारियों ने उसका भारतीय पासपोर्ट को मान्यता देने से इनकार कर दिया था। खांडू ने कहा कि ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय नागरिक पेमा वांगजोम थोंगडोक के साथ हुई इस घटना से वह 'गहरा सदमा' महसूस कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि चीन के अधिकारियों का व्यवहार 'अपमान और नस्लीय उपहास' के समान है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। इसके अलावा कोई भी आरोप निराधार और आपत्तिजनक है। खांडू ने इस घटना को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन और भारतीय नागरिकों की गरिमा का अपमान बताया।

चीन ने उत्पीड़न से किया इनकार

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को इन आरोपों को गलत बताया कि अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर परेशान किया गया। चीन ने कहा कि चीनी आव्रजन अधिकारियों ने जो कार्रवाई की, वह कानून और नियमों के मुताबिक थी। थोंगडोक के साथ हुई इस घटना पर जवाब मांगने पर, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने दावा किया कि उक्त महिला के साथ किसी भी तरह के अनिवार्य कदम, हिरासत या उत्पीड़न नहीं हुआ, जैसा कि उसने आरोप लगाया है। माओ ने कहा कि एयरलाइन ने उनके लिए विश्राम, खाने-पीने की व्यवस्था भी की थी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 26 नवंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 27 नवंबर 00.01 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

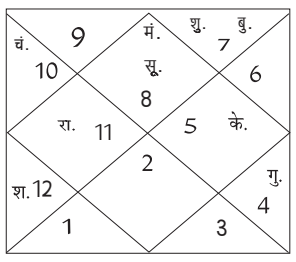

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण 27 नवंबर 01.32 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष — आज कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। अपने सौंदर्य और रहन-सहन पर अत्यधिक ध्यान देंगे। छात्र गुरुजनों के प्रति निष्ठा भाव रखें। कार्यक्षेत्र में आपकी राय से लोग सहमत नहीं होंगे। निर्माण कार्यों में प्रगति होने के योग बन रहे हैं।

वृष — आज संपत्ति विवाद सुलझाए जा सकते हैं। अपने सिद्धांतों से किसी भी तरह समझौता न करें। दूसरो के व्यक्तिगत मामलों से दूरी बनाकर रखें। अपने भावों की अभिव्यक्ति प्रेमीजन से कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को विजय मिल सकती है।

मिथुन — आज किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित होगा। आवश्यक कार्यों में विलंब हो सकता है। यदि आपका स्वतंत्र व्यवसाय है, तो अपने ऑडिट पर नजर बनाए रखें। बदलते मौसम को लेकर सेहत का ध्यान विशेष रूप से रखें।

कर्क — आज आर्थिक दृष्टिकोण से दिन काफी अच्छा रहने वाला है। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। कुछ नए एवं रोचक अनुभव आपको प्राप्त होने वाले हैं। उच्च अधिकारी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे। आप अपने शौक पर अत्यधिक धन खर्च करेंगे।

सिंह — आज आत्मविश्वास एवं आशाओं से भरपूर रहेंगे। विदेश में शिक्षा ले रहे लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। मन में विचारों का प्रवाह बढ़ेगा। दूर की यात्रा करने से आपको बचना चाहिए। कुछ मित्र प्रवृत्ति के लोग आपसे नाराज हो सकते हैं।

कन्या — आज कम मेहनत से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यशैली को नया रूप देने का प्रयास करेंगे। दोस्तों के साथ बात करके अच्छा महसूस करेंगे। प्रेमी जन के प्रति अत्यंत आकर्षित रहेंगे। युवा अपने करियर को लेकर चिंतित रहेंगे।

तुला — आज घर में किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। सामाजिक कार्यों में आप सहभागिता दिखाएंगे। धन संबंधित कार्यों को लेकर आप निर्णय बदल सकते हैं। दिखावे की प्रवृत्ति के कारण नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक — आज आईटी से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। परिवार में आपको प्रशंसा मिलेगी। आपके सुझावों से लोगों को अत्यंत लाभ मिलेगा। व्यापार में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। बच्चों को अच्छी सीख दें।

धनु — आज घरेलू चिंताओं का असर कार्य पर पड़ सकता है। मन की उथल-पुथल को शांत करने का प्रयास करें। विपरीत परिस्थितियों से घबराने के बजाय उनका समाधान खोजें। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी के कारण आपके काम अटक सकते हैं।

मकर — आज परिवार और कारोबार में संतुलन बनाकर रखें। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही शानदार रहने वाला है। व्यवसाय में साझेदारों से आपको अत्यधिक लाभ मिलेगा। दूसरों के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा।

कुंभ — आज मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोग बहुत मेहनत करेंगे। कारोबार में विस्तार के लिए उधार लेना चाह रहे हैं, तो आपको सफलता मिलेगी। आपको लोगों के साथ संवाद अच्छा रखना चाहिए। विवाह जैसे आयोजनों के लिए खरीदारी कर सकते हैं।

मीन — आज रोजगार में परिवर्तन करने के लिए समय अच्छा नहीं है। युवा वर्ग को किसी नौकरी आदि के इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लव लाइफ काफी अच्छी रहेगी। अधिकारियों का रुख आपके प्रति सकारात्मक रहेगा।

सुडोकू-172

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
						6		
			7					
	6							
								3
				3				
		9						5
					4			
								1

सुडोकू - 171 का हल

5	8	4	9	1	2	7	6	3
3	7	1	6	8	4	9	2	5
2	9	6	3	5	7	1	4	8
1	2	3	8	9	6	5	7	4
6	4	8	7	2	5	3	9	1
7	5	9	4	3	1	2	8	6
9	3	7	1	6	8	4	5	2
8	1	5	2	4	9	6	3	7
4	6	2	5	7	3	8	1	9

ओलंपिक में निराशा के बाद कड़ी मेहनत के लिए खुद को प्रेरित करना थोड़ा मुश्किल था। मैंने कुछ समय के लिए ब्रेक लिया, लेकिन वापसी पर भी मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था। मैं बहुत सी चीजों से निपट रहा था और फिट नहीं होने के बावजूद टूर्नामेंटों में प्रतिस्पर्धा कर रहा था।
–लक्ष्य सेन, बैटमिंटन खिलाड़ी

स्टेडियम

कानपुर नगर, बुधवार 26 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे सुमित नागला

चेंगडू : भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के मिंगुइ झांग को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन एशिया पेसीफिक वाइल्ड कार्ड प्लेआफ के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त नागल ने 2-6, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की। नवंबर 24 से 29 तक होने वाले इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2026 के मुख्य ड्रॉ के लिए पुरुष और महिला एकल विजेता को वाइल्ड कार्ड मिलेंगे। नागल को शुरुआत में चीन का वीजा लेने में दिक्कत आई। उनका आवेदन खारिज होने के बाद उन्हें चीनी अधिकारियों से सार्वजनिक तौर पर अपील करनी पड़ी।

स्पेन, जापान को जूनियर हॉकी विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

मदुरै : दो बार की कांस्य पदक विजेता स्पेन को जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन का यकीन है और उनके कोच ने कहा कि टीम पूरी तैयारी के साथ उतरी है। स्पेन और ऑस्ट्रिया की टीमें मंगलवार को यहां पहुंची जबकि जापान और चिली की टीमें चेन्नई पहुंची हैं। स्पेन के कोच ओरियोल पुइग टोरास ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा कि हम काफी रोमांचित हैं और इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर गौरवान्वित भी। हमारी तैयारियां अच्छी चल रही है और मेरा मानना है कि हमारे पास शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम है। स्पेन ने 2003 कुआलालम्पुर जूनियर विश्व कप में भारत को हराकर कांस्य पदक जीता था। स्पेन को पूल डी में बेल्जियम, नामीबिया और मिस्र के साथ रखा गया है।

मंधाना के अकाउंट से शादी से पहले के पोस्ट गायब

नई दिल्ली : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुछाल के साथ अपनी शादी से पहले के जश्न से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। उनके पिता के अस्पताल में भर्ती होने से मुख्य समारोह अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। स्मृति और पलाश 23 नवंबर को महाराष्ट्र में इस क्रिकेटर के गृहनगर सांगली में शादी करने वाले थे। स्मृति के पिता के दिल की बीमारी से अस्पताल में भर्ती होने के बाद समारोह रोक दिया गया। हालांकि सगाई और दूसरे जश्न से पहले के वायरल सोशल मीडिया पोस्ट स्मृति के पेज से गायब होने के बाद इस जोड़ी 0अब उनके पेज पर नहीं दिख रहा जिसमें स्मृति भारतीय टीम की अपनी कुछ साथियों के साथ 'लगे रहो मुन्नाभाई' के गाने 'समझो हो ही गया' पर नाच रही थीं।

साइकिलिस्ट मीनाक्षी ने विवि खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता

जयपुर। गुरु नानक देव विवि की साइकिलिस्ट मीनाक्षी रोहिल्ला ने मंगलवार को महिला व्यक्तिगत टाइम ट्रायल में 2025 खेलो इंडिया विवि खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता। शिवाजी विवि की काजोल सरगर ने भारोत्तोलन के महिला 48 किग्रा वर्ग का स्वर्ण जीता जबकि लवली यूनिवर्सिटी की साक्षी ने निशानेबाजी में 10 मीटर एयर राइफल का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। साइकिलिंग ने पदार्पण किया है और रोड स्पर्धाओं में वापसी कर रहीं 2022 एशियाई खेलों की टीम परसुइट स्पर्धा की कांस्य पदक विजेता मीनाक्षी ने पहला स्वर्ण पदक जीता।

असंभव लक्ष्य के सामने लड़खड़ाया भारत

दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराया, भारतीय टीम ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 27 रन बनाएं

गुवाहाटी, एजेंसी

जिस पिच की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल प्रवृत्ति का दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया ,उस पर भारतीय बल्लेबाज दूसरी पारी में भी जूझते नजर आए। इससे उनकी टीम पर दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराने लग गया है। दो मैच की श्रृंखला में पहले ही पीछे चल रहे भारत ने 549 रन के लगभग असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए मंगलवार को चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में 15.5 ओवर में दो विकेट पर 27 रन बनाए हैं और लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए उसे अब 522 रन की जरूरत है।

दक्षिण अफ्रीका में इससे पहले अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की। उसका आकर्षण ट्रिस्टन स्टब्स की पारी रही। इस युवा बल्लेबाज ने 180 गेंद का सामना करके 94 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने टोनी डि जॉर्जी (68 गेंद पर 49) के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन और वियान मुल्डर (69 गेंद पर नाबाद 35) के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारत 201 रन ही बना पाया था। कोलकाता में पहला टेस्ट 30 रन से जीतने के बाद श्रृंखला में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण अफ्रीका ने रक्षात्मक रवैया अपनाया और अपनी पारी समाप्त घोषित करने में देर लगाई। भारत के सामने मैच बचाने की चुनौती है लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा उसके दोनों सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (13) और केएल राहुल (06) दस ओवर और 21 रन के अंदर पवेलियन में विराजमान थे।

गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में भारतीय बल्लेबाज के आउट होने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी।

जायसवाल ने पहली पारी में छह विकेट लेने वाले मार्को यानसन की तेजी से उठती गेंद पर कट करने के प्रयास में विकेट के पीछे कैच दिया जबकि राहुल ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर की गेंद पर पूरी तरह से गच्चा खाकर बोल्ड हो गए। दिन का खेल समाप्त होने के समय साई सुदर्शन दो और नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव चार रन पर खेल रहे थे। पिच पर दरार पड़ गई हैं जिससे स्पिन गेंदबाजों को टर्न मिलना शुरू हो गया है। ऐसे में अगर भारत हार्मर एंड कंपनी के सामने मैच बचाने में सफल रहता है तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। भारतीय बल्लेबाजों के हाल के समय में स्पिनरों के सामने खराब रिकार्ड को देखते हुए ऐसी संभावना कम ही नजर आती है। पहली पारी में एक रन से अर्धशतक से चूकने वाले स्टब्स ने भारत के सबसे सफल गेंदबाज रविंद्र जडेजा पर छक्का जड़कर अपना स्कोर 90 रन के पार पहुंचाया लेकिन इसी ओवर में स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में बोल्ड हो गए। इसके तुरंत बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने पारी समाप्त घोषित कर दी।

जडेजा ने 62 रन देकर चार विकेट लिए। वाशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। डि जॉर्जी और स्टब्स ने मैच पर दक्षिण अफ्रीका की पकड़ और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। डि जॉर्जी ने चार चौके और एक छक्का लगाया। इन दोनों ने स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ कई स्वीप शॉट लगाए। जडेजा ने डि जॉर्जी को पगबाधा आउट करके उन्हें अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया। एक निश्चित समय के बाद भारतीय क्षेत्ररक्षकों के हाव भाव से लग रहा था कि वे दूसरे सत्र के समाप्त होने का इंतजार कर रहे थे, जिसके बाद पारी घोषित होने की उम्मीद थी। दक्षिण अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेलटन (64 गेंदों पर 35 रन) और एडेन मारक्रम (84 गेंदों पर 29 रन) ने एक बार फिर अर्धशतकीय साझेदारी की, लेकिन जडेजा ने दोनों को आउट कर दिया। रिकेलटन गेंद की पिच तक पहुंचने की कोशिश में बहुत करीब आ गए और कवर के ऊपर से लगाई गई उनकी ड्राइव को मोहम्मद सिराज ने छलांग लगाकर कैच में बदल दिया। मारक्रम के लिए जडेजा ने थोड़ी धीमी गति की गेंद की जिसे बल्लेबाज ने आगे बढ़कर रक्षात्मक रूप से खेलने का प्रयास किया लेकिन गेंद तेजी से घूमकर बल्ले का किनारा लेते हुए ऑफ-स्टंप पर जा लगी। वाशिंगटन ने इसके बाद बावुमा (03) को आउट किया, जिनकी उछाल लेती गेंद बल्लेबाज के दस्तानों को चूमकर लेग स्लिप में खड़े नीतीश कुमार रेड्डी के सुरक्षित हाथों में चली गई।

यह श्रृंखला गंवाने का हम पर असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अगली श्रृंखला आठ महीने बाद : जडेजा

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में संभावित हार का अगले साल अगस्त में श्रीलंका में होने वाली टेस्ट श्रृंखला पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दूसरे टेस्ट में ड्रॉ कराना युवा टीम के लिए 'जीत' जैसा होगा। भारत का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला गंवाना तय है क्योंकि आखिरी दिन 549 रन का लक्ष्य हासिल करना नामुमकिन होगा। चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद जडेजा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसका अगली श्रृंखला पर कोई असर पड़ेगा। लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर कोई भी श्रृंखला हारना नहीं चाहता, विशेषकर भारत में। उम्मीद है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे। हम कल अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। हम टेस्ट मैच बचाने की कोशिश करेंगे। अगर हम श्रृंखला नहीं भी जीत रहे हैं तो भी हम मैच ड्रॉ कर सकें जो हमारे लिए जीत की तरह की स्थिति होगी।

भारत

27/2 (दूसरी पारी) (15.5 ओवर)

- यशस्वी का वेरेन बो यानसेन 13
- लोकेश राहुल बो हार्मर 06
- साई सुदर्शन खेल रहे हैं 02
- कुलदीप यादव खेल रहे हैं 04

गेंदबाजी : यानसेन 5-2-14-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 3 .5-2-1-1, महाराज 3-1-5-0

दक्षिण अफ्रीका

260/5 (दूसरी पारी) (78.3 ओवर)

- रेयान का सिराज बो जडेजा 35
- ऐडन मारक्रम बो जडेजा 29
- ट्रिस्टन स्टब्स बो जडेजा 94
- तेम्बा बावुमा का रेड्डी बो वाशिंगटन 03
- टोनी डि जॉर्जी पगबाधा बो जडेजा 49
- वियान मुल्डर नाबाद 35

गेंदबाजी : बुमराह 6-0-22-0, सिराज 5-1-19-0, जडेजा 28 .3-3-62-4, कुलदीप 12-0-48-0, वाशिंगटन 22-2-67-1, जायसवाल 1-0-9-0,रेड्डी 4-0-24-0

जायसवाल को कट शॉट से करना पड़े परहेज : स्टेन

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने यशस्वी जायसवाल को अपने शानदार कट शॉट को कुछ समय के लिए उसी तरह से छोड़ने की सलाह दी जैसे कि सचिन तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया में ड्राइव शॉट का त्याग किया था। जायसवाल मंगलवार को दूसरे टेस्ट मैच में भारत की दूसरी पारी में एक बार फिर से कट शॉट खेलने की कोशिश में मार्को यानसेन की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर काइल वेरेन के दस्तानों में चली गयी। स्टेन ने कहा कि यह उनका पसंदीदा शॉट है और इस तरह के शॉट से परहेज करना मुश्किल है। जब आप गेंद को अपने क्षेत्र में देखते हैं, तो आप उसे खेलने के लिए जाते हैं। उन्हें हालांकि इससे बचने की कोशिश करनी होगी। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि सचिन ने एक बार ऑस्ट्रेलिया में अपने खेल से ड्राइव शॉट हटा दिया था। जायसवाल को यह भी कहना पड़ सकता है कि जब तक गेंद किसी खास क्षेत्र में न हो तो वह उसे खेले ही ना। ऐसी गेंदों पर उन्हें अपने रक्षात्मक खेल पर भरोसा करना होगा। भारत को जीत के लिए 549 रन के असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते समय सलामी जोड़ी से मजबूत शुरुआत की उम्मीद थी लेकिन जायसवाल उछाल लेती गेंद पर कट शॉट खेलने के लालच में विकेटकीपर काइल वेरेन को कैच दे बैठे। स्टेन ने कहा कि वह दायें हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से इस शॉट को खेल लेते है लेकिन मार्को यानसेन जैसे बायें हाथ के तेज गेंदबाज की गेंद उनकी उम्मीद से ज्यादा शरीर के करीब होती है।

भारतीय बल्लेबाजों की नाकामी कोच की गलती नहीं : रैना

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने आलोचनाओं से घिरे राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि घरेलू टेस्ट मैचों में टीम के हालिया खराब प्रदर्शन के लिए सहयोगी स्टाफ को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि खिलाड़ियों को नतीजों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर हारने के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में भी एक और निराशाजनक परिणाम की ओर बढ़ रहा है। दो मैचों की इस श्रृंखला का पहला मैच गंवाने के बाद भारत के पास अब दूसरे मैच को जीतने की संभावना बेहद कम है। रैना ने कहा कि गौती भैया (गौतम गंभीर) ने बहुत मेहनत की है और इसमें (टेस्ट टीम की मौजूदा स्थिति) उनकी कोई गलती नहीं है। खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी होगी और अच्छा खेलना होगा।

हार्दिक की वापसी, आईपीएल से पहले खिलाड़ियों के पास चमकने का मौका

हैदराबाद, एजेंसी

सैयद मुश्ताक ट्रॉफी

चोट के बाद वापसी कर रहे हार्दिक पंड्या पर बुधवार से शुरू हो रहे सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में सभी की नजरें होंगी जबकि प्रतिभाशाली घरेलू क्रिकेटर आईपीएल की नीलामी से पहले अच्छा प्रदर्शन करके ध्यान खींचना चाहेंगे।

हार्दिक ने सितंबर में एशिया कप के दौरान चोट लगने के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। फरवरी मार्च में भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले हार्दिक सिर्फ टी-20 प्रारूप ही खेलेंगे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू हो रही टी-20 श्रृंखला से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का उनके पास यह टूर्नामेंट ही एक मौका है। टूर्नामेंट हैदराबाद, अहमदाबाद, कोलकाता और लखनऊ में खेला जायेगा। शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम गत चैम्पियन के तौर पर उतरेगी। बड़ौदा की टीम आठ दिसंबर तक सात ग्रुप मैच खेलेगी और मुख्य कोच मुकुंद परमार को पंड्या के अधिकांश मैचों में खेलने की उम्मीद है। परमार ने कहा कि वह अभी टीम से जुड़ा नहीं है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह अधिकांश मैच खेलेगा। उसकी मौजूदगी से टीम का मनोबल बढेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी मुंबई के लिए अधिकांश ग्रुप मैच खेलेंगे। शिवम दुबे भी मुंबई टीम का हिस्सा है।

वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को तमिलनाडु का कप्तान बनाया गया है जो ग्रुप चरण में खेलेंगे। केरल के कप्तान संजू सैमसन भी ग्रुप चरण में नजर आएंगे। एक समय भारतीय क्रिकेट में भविष्य का सितारा माने जा रहे पृथ्वी साव को पिछले साल नीलामी में किसी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। अब वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए नहीं बल्कि महाराष्ट्र के लिये खेलते हैं।

भारत अजलन शाह कप हॉकी में बेल्जियम से 2-3 से हारा

इपोह (मलेशिया)। भारत ने मंगलवार को बारिश से प्रभावित सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के मैच में डटकर मुकाबला किया लेकिन आखिर में वह बेल्जियम से 2-3 से हार गया।

भारत के लिए अभिषेक (33वें मिनट) और शिलानंद लाकड़ा (57वें) ने, जबकि बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17वें और 57वें) और निकोलस डी केर्पेल (45वें) ने गोल किए। डिफेंडर संजय की अगुवाई में भारत ने छह टीमों की प्रतियोगिता में रविवार को तीन बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ पहला मैच 1-0 से जीता था। बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला।

इसके बाद उसने जल्द ही दूसरा पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल कर लिया। लेकिन दोनों अवसरों पर भारतीय रक्षापंक्ति ने डटकर मुकाबला किया और सुनिश्चित किया कि पहले क्वार्टर के अंत तक वे बराबरी पर रहें। भारतीय गोलकीपर पवन ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन वह 17वें मिनट में रोमन डुवेकोट को गोल करने से नहीं रोक पाए जिससे बेल्जियम ने बढ़त ली। भारत ने दूसरे हाफ में गोल से स्कोर बराबर कर दिया।

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में मंगलवार को महिला व पुरुष युगल के मुख्य ड्रा के पहले दौर के मुकाबले खेले गए। भारतीय खिलाड़ियों ने कई वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी त्रिशा जाली और गायत्री गोपीचंद ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछली विजेता इस भारतीय जोड़ी ने मलेशिया की चेंग सू हूई और तैन झिंग वाई की जोड़ी को 1 घंटे 14 मिनट चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 19-21, 22-20, 21-9 से हराया। पहला गेम बढ़त में रहने के बावजूद हारने के बाद त्रिशा-गायत्री ने शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम लगातार जीते। यह मुकाबला दिन के महिला युगल के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से रहा।

पिछली उपविजेता व दूसरी वरीय जोड़ी साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णामूर्ति राय ने भारत के ही स्वर्णराज बोरा व निबिर रंजन को 21-8, 21-17 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

यूपी की खिलाड़ी श्रुति मिश्रा अपनी साथी प्रिया कोंजेंगबम के साथ जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में पहुंचीं। इन दोनों ने भारत की ही समृद्धि सिंह व रीवा को 21-8, 21-11 से हराया। हालांकि यूपी की अन्य जोड़ी समृद्धि सिंह और तनीषा सिंह पहले दौर में ही बाहर हो गई।

चौथी वरीय यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा और येव्हेनिया कांतमिर ने भारत की तनीषा सिंह व साक्षी गहलावत को 21-9, 21-19 से हराया। पुरुष युगल की तर्ज पर महिला युगल में भी कई मुकाबले एकतरफा रहे।

पुरुष युगल : भारतीय जोड़ियों का दबदबा

पांचवीं वरीय भारतीय जोड़ी एमआर अर्जुन व हरिहरन अम्साकरुनन ने भारत के आयुष मखीजा व सुजय तंबोली को 21-11, 21-13 से मात दी। चीनी ताइपे की चौथी वरीय जोड़ी ह्वांग जुई-शुआन व झी-वेई हे ने भारत के शशांक छेत्री व नितिन कुमार को 21-19, 21-15 से हराया। भारत के विप्लव कुवले व विराज कुवले ने कड़े मुकाबले में अपने हमवतन आदित्य दिवाकर व केविन थंगम को 22-20, 16-21, 21-19 से हराया।

क्वालीफायर के परिणाम

क्वालीफायर में कई भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रा में जगह पक्की की।

पुरुष एकल : अभिनव ठाकुर, ओर्जित चालिहा,आर्य, भरत राघव,

महिला एकल : प्रकृति भारत, अदिता राव, अलीशा नायक,

मिश्रित युगल : मिथिलेश पी. कृष्णन व वरना, विशाखा टोप्पो व भव्य छाबड़ा, सी. लालरामसंगा व तारिनी सूरी, नितिन एचवी व श्रीनिधि नारायण

पुरुष युगल : भव्य छाबड़ा व परम चौधरी, मयंक राणा व आर्यन, असिथ सूर्या व गणेश, आयुष अग्रवाल व दक्ष गौतम।

महिला युगल : आरती सारा सुनील व वी. विश्वनाथ, जेनिथ व लिखिता श्रीवास्तव, वीआर नारधाना व ऋद्धिवंशी रामास्वामी।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 : भारत की मेजबानी पर मुहर लगने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

- 2010 में दिल्ली में हुए थे राष्ट्रमंडल खेल, अब अहमदाबाद में आयोजन की तैयारी

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी हासिल करने को लेकर आश्वस्त भारत की बोली को बुधवार को ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा में औपचारिक रूप से मंजूरी मिल जाएगी, जो देश की वैश्विक बहु-खेल केंद्र बनने की महत्वाकांक्षी योजना में मील का पत्थर साबित होगा।

भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है। बुधवार की आम सभा में राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड की सिफारिशों पर मुहर लगाने की औपचारिकता पूरी की जाएगी। ये सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति की निगरानी में एक प्रक्रिया के बाद की गई थी। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की ओर से कहा गया है कि आमसभा के दौरान राष्ट्रमंडल के सदस्य 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के संबंध में अंतिम फैसला करेंगे, जिसके बाद भारत की ओर से एक प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें अहमदाबाद में खेलों के लिए उनके दृष्टिकोण को रेखांकित किया जाएगा। औपचारिक घोषणा भारतीय समयानुसार शाम 6.30 बजे होने की उम्मीद है। भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोग करेंगे।

टी-20 विश्व कप का कार्यक्रम | 15 फरवरी को दोनों टीमों का कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगा आमना सामना

भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप के लिए एक ही ग्रुप में

मुंबई, एजेंसी

चिर-प्रतिद्वंदी भारत और पाकिस्तान को 2026 पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए ग्रुप ए में रखा गया है और मंगलवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) और पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के बीच टूर्नामेंट के लिए हुए समझौते के अनुसार पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा।

मौजूदा चैंपियन भारत अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ करेगा और उसके बाद 12 फरवरी को दिल्ली में नामीबिया से भिड़ेगा। टीम इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए कोलंबो जायेगी और फिर 18 फरवरी को अहमदाबाद में नीदरलैंड के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। यह टूर्नामेंट सात फरवरी से आठ मार्च तक आठ स्थलों (भारत में पांच और श्रीलंका में तीन) पर आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, चेन्नई, मुंबई, कोलंबो और कैंडी में 55 मैच होंगे। आईसीसी अध्यक्ष जय शर्मा ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम का अनावरण करते हुए यह घोषणा की। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान शामिल हैं, जबकि ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली शामिल हैं। ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई शामिल हैं।

भारत के दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा को इस विश्व कप के लिए टूर्नामेंट दूत नियुक्त किया गया। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2024 में हुए पिछले टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। रोहित ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 32.01 की औसत और 140.89 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए। रोहित ने पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हुए विश्व कप में भारत की जीत के बाद खेल के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास ले लिया था। भारत ने तब 11 साल के लंबे अंतराल के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती थी।

डब्ल्यूपीएल में दीप्ति, गौड़, चरणी को मोटी राशि मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। लॉरा वोलवार्ट और भारत की विश्व कप में जीत की नायिका दीप्ति शर्मा सहित कई शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर गुरुवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में आकर्षण का केंद्र होंगे, जबकि घरेलू खिलाड़ी क्रांति गौड़ और श्री चरणी को भी मोटी धनराशि मिलने की उम्मीद है। कुल 277 खिलाड़ी (194 भारतीय और 83 विदेशी) पहली बार होने वाली इस मेगा नीलामी का हिस्सा होंगे। पांच टीमें अधिकतम 73 स्थानों को भरने की कोशिश करेंगी, जिनमें 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे। कम से कम 15 और अधिकतम 18 खिलाड़ी टीम में शामिल किए जा सकते हैं। वनडे विश्व कप जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों की भारी मांग होगी। टूर्नामेंट की प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट दीप्ति शर्मा पर अच्छी बोली लगने की संभावना है। उन्हें विश्व कप फाइनल के तुरंत बाद यूपी वॉरियर्स ने रिलीज़ कर दिया था।